इंटरनेट पर देखें
www.dainikdawa.com

संस्कारधानी से प्रकाशित मध्यभारत व छत्तीसगढ़ अंचल का सर्वप्रसारित लोकप्रिय हिंदी समाचार पत्र

भारत सरकार व छत्तीसगढ़ शासन से विज्ञापन के लिए अधिकृत

दैनिक प्रातः संस्करण

"यो आत्मानं वेत्ति, सर्वं स वेत्ति"।।

दावा

सम्पादक - दीपक भाई बुद्धदेव

आर.एन.आई.नं. 58841/93
डाक पंजीयन छ.ग./दुर्ग/14/2024-26

वर्ष- 45 अंक - 259 राजनांदगांव, गुरूवार 06 अगस्त 2026 पृष्ठ - 8 मूल्य - 4.00 रुपए

छत्तीसगढ़ कैबिनेट का बड़ा फैसला: 500 करोड़ का एआई मिशन समेत कई प्रस्ताव मंजूर, प्रदेश में BEML लगाएगी भारी मशीन बनाने का प्लांट

रायपुर। मंत्रिपरिषद ने 'छत्तीसगढ़ राज्य आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) मिशन' को मंजूरी दी है। इस मिशन का उद्देश्य राज्य में सुशासन, नई तकनीक, कौशल विकास और डिजिटल अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देना है। यह मिशन 5 वर्षों के लिए होगा, जिस पर 500 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। इस मिशन के तहत - 100 एआई डेटा लैब बनाई जाएंगी, 5 सेंटर ऑफ एक्सीलेंस स्थापित किए जाएंगे, 300 से अधिक एआई स्टार्टअप्स को सहायता दी जाएगी, 6 लाख विद्यार्थियों और 1.5 लाख सरकारी कर्मचारियों को एआई का प्रशिक्षण दिया जाएगा। शासन के कार्यों को आसान और तेज बनाने के लिए 50 से अधिक एआई आधारित सेवाएं विकसित की जाएंगी। यह मिशन भारत सरकार के IndiaAI Mission के अनुरूप छत्तीसगढ़ को उत्तरदायी, नवाचार-आधारित और भविष्य उन्मुख डिजिटल राज्य के रूप में स्थापित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

मंत्रिपरिषद् ने छत्तीसगढ़ में हैवी अर्थ मूविंग इक्वीपमेंट मैन्युफैक्चरिंग संयंत्र (BEML) की स्थापना के लिए भारत अर्थ मूवर्स लिमिटेड को रियायती दर पर भूमि आवंटित करने के प्रस्ताव को मंजूरी दी है। बीईएमएल

भारत सरकार का एक प्रतिष्ठित मिनीरत्न सार्वजनिक उपक्रम है। हैवी अर्थ मूविंग इक्वीपमेंट मैन्युफैक्चरिंग संयंत्र हेतु यह राज्य का पहला उद्योग होगा, जिसकी स्थापना से छत्तीसगढ़ को देश के औद्योगिक मानचित्र पर नई पहचान मिलेगी और राज्य में आधुनिक भारी मशीन निर्माण उद्योग की शुरुआत होगी। मंत्रिपरिषद के इस महत्वपूर्ण निर्णय से राज्य में बड़े निवेश को बढ़ावा मिलेगा, स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे तथा सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्योगों को भी प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से लाभ मिलेगा। राज्य में संयंत्र की स्थापना से औद्योगिक विकास को गति मिलेगी, स्थानीय अर्थव्यवस्था मजबूत होगी और छत्तीसगढ़ विनिर्माण (मैन्युफैक्चरिंग) क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण केंद्र के रूप में उभरेगा। मंत्रिपरिषद् ने लोक निर्माण विभाग में निर्माण कार्यों के डिजिटल प्रबंधन के लिए वर्क्स एण्ड अकाउंट मैनेजमेंट इन्फॉर्मेशन सिस्टम लागू करने के प्रथम चरण को मंजूरी दी है। इस प्रणाली के माध्यम से कार्यों की स्वीकृति, ई-प्राक्कलन, ई-प्रोक्योरमेंट, ई-मेजरमेंट बुक, बिल भुगतान, लेखा प्रबंधन तथा गुणवत्ता की निगरानी जैसी सभी प्रक्रियाएं एकीकृत डिजिटल प्लेटफॉर्म पर संचालित होंगी। सी-डैक, पुणे द्वारा विकसित इस प्रणाली को पहले लोक निर्माण विभाग में लागू किया जाएगा, जिसके बाद अन्य निर्माण एवं अधोसंरचना विभागों में भी इसका विस्तार किया जाएगा। इससे निर्माण कार्यों में पारदर्शिता बढ़ेगी, भुगतान की प्रक्रिया तेज होगी, कार्यों की रियल-टाइम निगरानी संभव होगी और परियोजनाओं का क्रियान्वयन अधिक प्रभावी एवं जवाबदेह बनेगा। मंत्रिपरिषद की बैठक में मुख्यमंत्री ग्राम सड़क एवं विकास योजना अंतर्गत बारहमासी सड़कों के निर्माण हेतु जारी दिशा-निर्देशों में संशोधन को मंजूरी प्रदान की गई। संशोधनों के तहत ग्रामीण आंतरिक गलियों में सीसी सड़क एवं नाली निर्माण तथा स?क निर्माण (शेष पृष्ठ 6 पर...)

संसद का विशेष सत्रः 16 से 18 अगस्त तक हो सकती है बैठक, परिसीमन और महिला आरक्षण बिल पर हो सकती है चर्चा

नई दिल्ली। नरेंद्र मोदी सरकार संसद के मौजूदा मानसून सत्र के समापन के ठीक बाद एक विशेष सत्र बुलाने की योजना पर काम कर रही है। रिपोर्ट्स के अनुसार, चल रहा मानसून सत्र 13 अगस्त को समाप्त होगा, जिसके बाद 16 से 18 अगस्त तक संसद का दो-दिवसीय विशेष सत्र आयोजित किया जा सकता है। इस विशेष सत्र के दौरान सरकार का मुख्य एजेंडा अपने बेहद महत्वाकांक्षी परिसीमन बिल और महिला आरक्षण बिल पर चर्चा करना और उन्हें आगे बढ़ाना है।

रिजिजू की राहुल से मुलाकात; सुप्रीम कोर्ट में जजों की संख्या बढ़ाने वाला बिल राज्यसभा में पास

दो-तिहाई बहुमत जुटाने में जुटी सरकार

कहा जा रहा है कि केंद्र सरकार इस संवैधानिक संशोधन विधेयक को पास कराने के लिए जरूरी दो-तिहाई बहुमत के आंकड़े को पुख्ता करने में जुटी हुई है। सरकार की यह कोशिश है कि संसद में संख्या बल पूरी तरह मजबूत होने के बाद ही इस अहम विधायी कार्य को आगे बढ़ाया जाए। जैसे ही सरकार के पास विधेयक को पारित कराने के लिए पर्याप्त संख्या सुनिश्चित हो जाएगी, वैसे ही संसद का विशेष सत्र बुलाकर इस संविधान संशोधन विधेयक को विचार और पास कराने के लिए सदन के पटल पर रखा जा सकता है।

गतिरोध खत्म करने के लिए विपक्ष से संपर्क

इन दो महत्वपूर्ण विधेयकों को चर्चा और बाद में पारित कराने के लिए लाने से पहले, केंद्र सरकार संसद में जारी गतिरोध को खत्म करने और विपक्ष के साथ आम सहमति बनाने के लिए पूरी तरह सक्रिय हो गई है। इसी कड़ी में, केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने बुधवार को लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के साथ करीब 50 मिनट तक लंबी बैठक की। यह मुलाकात संसद में चल रहे गतिरोध को तोड़ने की दिशा में एक बड़ा कदम मानी जा रही है। (शेष पृष्ठ 6 पर...)

पीएम नरेन्द्र मोदी का वीडियो हटाने पर मेटा ने मांगी माफी, सरकार ने दिया था अल्टीमेटम

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री की पोस्ट हटाने वाले मामले में मेटा ने माफी मांग ली है. मेटा के चीफ ग्लोबल अफेयर्स ऑफिसर जोएल कपलान ने कहा है कि पीएम मोदी की पोस्ट को रोकने वाली गलती के लिए मैंने मेटा की ओर से मंत्री से माफी मांगी है. मेटा के ग्लोबल अफेयर्स हेड जोएल कपलान के नेतृत्व में कंपनी की एक टीम ने केंद्रीय IT मंत्री अश्विनी वैष्णव से मुलाकात की. इससे पहले टीम ने IT सचिव एस. कृष्णन के साथ भी बैठक की.

वाइल्ड कंटेंट को लेकर भी मांगी माफी

सूत्रों के मुताबिक, बैठक के दौरान मेटा ने अपने प्लेटफॉर्म पर कंटेंट मॉडरेशन से जुड़ी कुछ कमियों को स्वीकार किया. कंपनी ने बच्चों के यौन शोषण से जुड़े कंटेंट और डीपफेक से निपटने में हुई चूक को भी माना. इसके अलावा मेटा अधिकारियों ने यह भी स्वीकार किया कि कुछ खास तरह के कंटेंट को बढ़ावा देने के लिए बड़ी रकम खर्च की गई थी. हालांकि इस बारे में ज्यादा जानकारी नहीं दी गई.

पीएम मोदी की पोस्ट हटाने पर उठा था विवाद

यह मामला तब सामने आया था जब 23 जुलाई को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की एक फेसबुक पोस्ट कुछ समय के लिए हटा दी गई थी. इस पोस्ट में उन्होंने युवाओं को संबोधित करते हुए पेपर लीक के खिलाफ सख्त कार्रवाई का वादा किया था. यह वीडियो पहले इंस्टाग्राम पर पोस्ट किया गया था और बाद में फेसबुक पर शेयर किया (शेष पृष्ठ 6 पर...)

अनुच्छेद 370 हटने के 7 सालः पीएम मोदी बोले- जम्मू-कश्मीर और लद्दाख ने विकास का नया दौर देखा; गिनाई उपलब्धि

नई दिल्ली। जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 और 35(ए) हटाए जाने के सात साल आज यानी पांच अगस्त को पूरे हो गए। इस मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि 5 अगस्त 2019 को जम्मू-कश्मीर और लद्दाख के इतिहास में एक नए अध्याय की शुरुआत हुई थी। उन्होंने कहा कि तब से दोनों क्षेत्रों में लोगों के जीवन में व्यापक बदलाव आए हैं।

प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, आज ही के दिन सात वर्ष पहले अनुच्छेद 370 और 35(ए) इतिहास बन गए थे। इससे जम्मू-कश्मीर और लद्दाख की विकास यात्रा में एक निर्णायक नए अध्याय की शुरुआत हुई। उन्होंने कहा कि पिछले सात वर्षों में दोनों क्षेत्रों में बुनियादी ढांचे का विस्तार हुआ है और शिक्षा, स्वास्थ्य, उद्यमिता तथा खेल

जैसे क्षेत्रों में नए अवसर बढ़े हैं।

दशकों तक संवैधानिक अधिकारों से रखा गया वंचित : मोदी

पीएम मोदी ने कहा, चाहे महिलाएं हों या वंचित समुदाय, जिन लोगों को दशकों तक अपने मूल संवैधानिक अधिकारों से वंचित रखा गया, उन्हें भारतीय संविधान के पूर्ण रूप से लागू होने के कारण सशक्त बनाया गया है। उन्होंने कहा कि इस वर्ष 5 अगस्त का महत्व इसलिए भी अधिक है, क्योंकि देश डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 125वीं जयंती मना रहा है।

प्रधानमंत्री ने कहा, राष्ट्रीय एकता के प्रति उनका अजोवन समर्पण आज भी पीढ़ियों को प्रेरित करता है। उन्होंने दशकों पहले जो सपना देखा था, वह 5 अगस्त 2019 को ऐतिहासिक रूप से साकार हुआ। पीएम मोदी ने कहा कि सरकार जम्मू-कश्मीर और लद्दाख की प्रगति के लिए अपनी प्रतिबद्धता दोहराती है और यह सुनिश्चित करने के लिए संकल्पित है कि हर नागरिक बड़े सपने देख सके, उन्हें पूरा कर सके और विकसित भारत के निर्माण में योगदान दे सके। वहीं, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने एक्स पर पोस्ट में कहा, मां भारती का मस्तक सदा ऊंचा रहे। 5 अगस्त, (शेष पृष्ठ 6 पर...)

370 की बरसी पर सियासत तेजः विपक्ष ने पूछा राज्य का दर्जा कब मिलेगा

नई दिल्ली। जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाए जाने की सातवीं बरसी पर सियासी बयानबाजी तेज हो गई। सत्ता पक्ष ने इसे राष्ट्रीय एकता और विकास का प्रतीक बताया, तो विपक्ष ने जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा बहाल करने की मांग दोहराई।

केंद्रीय मंत्री अर्जुनराम मेघवाल ने आईएएनएस से कहा कि अनुच्छेद 370 और 35ए भेदभावपूर्ण और अन्यायपूर्ण प्रावधान थे। प्रधानमंत्री मोदी ने 5 अगस्त 2019 को इन्हें खत्म कर दिया। इसके बाद जम्मू-कश्मीर में विकास की गति तेज हुई। विरासत और विकास दोनों को बढ़ावा मिला। लोगों को रोजगार मिला और पहली बार उन्होंने इतने बड़े पैमाने पर बुनियादी ढांचे का विकास देखा। वहां के लोग खुश हैं। सिर्फ कुछ राजनीतिक पार्टियों को, जो अपना राजनीतिक एजेंडा चला रही हैं, इससे दिक्कत है। भाजपा सांसद दामोदर अग्रवाल ने इसे राष्ट्रीय एकता की दिशा में बड़ा कदम करार दिया। उन्होंने कहा, भारत का अभिन्न अंग होने के बावजूद अनुच्छेद 370 की वजह से जम्मू-कश्मीर अलग-थलग पड़ा हुआ था। आज हम गर्व और आत्मविश्वास के साथ कह सकते हैं कि 370 को हटाना देश की (शेष पृष्ठ 6 पर...)

चाहे जो हो, मैं अपने लोगों के पास वापस जाऊंगी; दो साल बाद शेख हसीना का पहला लाइव संबोधन

नई दिल्ली। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना ने मीडिया से वर्चुअल बातचीत में कहा कि मैं उस व्यक्ति के रूप में बोल रही हूं जिसने अपना जीवन बांग्लादेश के लोगों के साथ बिताया और मुझे मेरे देश से दूर कर दिया गया, लेकिन मैं अपने लोगों से कभी अलग नहीं हुई। उन्होंने दो साल पहले हुए हिंसक प्रदर्शनों की निंदा की।

मीडिया को संबोधित करते हुए शेख हसीना ने कहा कि पिछले दो सालों में मैंने अपने प्यारे बांग्लादेश को पीड़ित होते हुए देखा है। यह वह बांग्लादेश नहीं है, जिसे हमने बनाया था, यह वह बांग्लादेश नहीं है जिसके लिए 1971 में 30 लाख लोगों ने अपना जीवन बलिदान कर दिया था।

उन्होंने कहा कि मैं जुलाई और अगस्त 2024 के बारे में सच्चाई बताती हूं। यह शांतिपूर्ण छात्र आंदोलन नहीं था। मेरी सरकार ने शरू से बातचीत, कानूनी प्रक्रिया और धैर्य के माध्यम से इस मुद्दे को शांतिपूर्वक हल करने की कोशिश की, लेकिन सुधार की भाषा के पीछे, संगठित समूह छात्रों की मांग को हिंसक राजनितिक हथियार में बदलने के लिए काम कर रहे थे।

सोच समझकर तैयार किया गया आंदोलन था- हसीना

उन्होंने कहा कि खुद मुहम्मद यूनुस ने कहा कि यह एक सोच समझकर तैयार किया गया आंदोलन था, जिसका नेतृत्व एक मास्टरमाइंड कर रहा था। उनके अपने शब्द ही सच्चाई को उजागर कर करते हैं। यह महज छात्रों का स्वतः स्फूर्त विरोध-प्रदर्शन नहीं था। हसीना ने कहा कि इसका कोई साफ या जिम्मेदार नेतृत्व नहीं था, निर्देश गुप्त रूप से दिए जा रहे थे। इसे संगठित और निर्देशित किया गया था और इसका इस्तेमाल बैलेट बॉक्स के बाहर सत्ता तक पहुंचने का रास्ता बनाने के लिए किया गया था। बांग्लादेश की पूर्व पीएम शेख हसीना के बेटे सजीब वाजेद ने कहा कि सबसे पहले आपने 2024 के इस विरोध प्रदर्शन में (शेष पृष्ठ 6 पर...)

कानून व्यवस्था की हालत से सांसद चिंतितः बृजमोहन ने सीएम साय और गृहमंत्री शर्मा को लिखा पत्र

रायपुर। छत्तीसगढ़ के रायपुर के साथ स्वामी विवेकानंद की कानून-व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय और गृह मंत्री विजय शर्मा को पत्र लिखकर पुलिस व्यवस्था में व्यापक सुधार की मांग की है। उन्होंने राजधानी की सुरक्षा, अपराध नियंत्रण और यातायात व्यवस्था को मजबूत करने के लिए कई महत्वपूर्ण सुझाव दिए हैं।

पुलिस में बड़े सुधार की मांग

सांसद ने अपने पत्र में रायपुर पुलिस कमिश्नरेट और ग्रामीण पुलिस के पुनर्गठन की आवश्यकता बताते हुए शहरी क्षेत्रों एयरपोर्ट को भी कमिश्नरेट क्षेत्र में शामिल करने का सुझाव दिया है। उनका कहना है कि इससे पुलिसिंग अधिक प्रभावी होगी और सुरक्षा व्यवस्था मजबूत होगी। बृजमोहन अग्रवाल ने पुलिस विभाग में 660 से अधिक रिक्त पदों पर शीघ्र भर्ती करने की मांग की है। साथ ही तत्काल राहत के लिए 500 अतिरिक्त पुलिसकर्मियों की अस्थायी तैनाती करने का भी आग्रह किया है, ताकि बढ़ते कार्यभार और (शेष पृष्ठ 6 पर...)

बिना इंश्योरेंस गाड़ी को नहीं मिलेगा पेट्रोल! सुप्रीम कोर्ट का बड़ा सुझाव, थर्ड-पार्टी बीमा अवधि भी बढ़ाई

नई दिल्ली। यदि आपकी गाड़ी का इंश्योरेंस नहीं है, तो आने वाले समय में पेट्रोल पंप पर ईंधन मिलना मुश्किल हो सकता है। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को बिना बीमा वाले वाहनों पर सख्ती की जरूरत बताते हुए सुझाव दिया कि जिन वाहनों का वैध बीमा नहीं है, उन्हें पेट्रोल-डीजल न दिया जाए। साथ ही ऐसे वाहनों की पहचान कर उनके मालिकों का ई-चालान भी किया जाए।

जस्टिस संजय करोल और जस्टिस प्रशांत कुमार मिश्रा की पीठ ने कहा कि देश की सड़कों पर चल रहे करीब 56 प्रतिशत वाहन, जिनमें अधिकांश दोपहिया हैं, बिना बीमा के हैं। यह स्थिति मोटर वाहन अधिनियम की धारा 146 के उद्देश्य को ही विफल कर देती है। इससे सड़क दुर्घटनाओं के पीड़ितों को मुआवजा पाने के लिए लंबी कानूनी प्रक्रिया से गुजरना पड़ता है। देश में 30.4 करोड़ पंजीकृत वाहनों में से करीब 16.5 करोड़ वाहन बिना बीमा के हैं। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, सड़क दुर्घटनाओं के 22 प्रतिशत मामलों में बिना बीमा वाले वाहन शामिल होते हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि इंश्योरेंस रेगुलेटरी एंड डेवलपमेंट अथॉरिटी और सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय मिलकर एक पायलट प्रोजेक्ट तैयार करें, जिसके तहत वाहनों को ईंधन तभी मिले, जब उनका इंश्योरेंस वैध हो। यदि बीमा समाप्त हो चुका है तो संबंधित वाहन को पेट्रोल पंप पर ईंधन नहीं दिया जाए। पीठ के अनुसार, इस व्यवस्था से बिना बीमा और बिना पंजीकरण वाले वाहनों की पहचान आसान होगी तथा वाहन मालिक समय पर बीमा कराने के लिए प्रेरित होंगे। अदालत ने यह भी कहा कि पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय को इस प्रस्ताव पर सिद्धांततः कोई आपत्ति नहीं है। सुप्रीम कोर्ट ने निर्देश दिया कि हाईवे और प्रमुख सड़कों पर लगे कैमरों को वाहन पोर्टल और इंश्योरेंस इंफॉर्मेशन (शेष पृष्ठ 6 पर...)

छात्रों का लगातर शोषण हो रहा है, छात्र भारत के भविष्य के लिए लड़ रहे है, उन्होने कोई हिंसा नहीं की - राहुल गांधी

नई दिल्ली। राहुल गांधी ने बुधवार को दिल्ली में 10 जनपथ पर जंतर-मंतर प्रदर्शनकारियों के साथ प्रेस कॉन्फ्रेंस की। राहुल ने कहा कि 20 जुलाई को हुए कॉकरोच पार्टी के प्रदर्शन के दौरान स्टूडेंट पर लाठी-पैलेट गन से हमला किया गया। राहुल अपने साथ चार प्रदर्शनकारी छात्र और छात्राओं को मीडिया के सामने लाए। एक छात्रा ने कहा- भारत माता की जय बोलने पर हमें देशद्रोही कहा गया। हम शांति से चल रहे थे तो एक पुलिस अफसर ने शरीर के ऊपरी हिस्से पर मारा। राहुल गांधी ने कहा- प्रदर्शनकारियों ने कुछ भी गलत नहीं किया। इनका लगातार शोषण हो रहा है। ये बच्चे देश के भविष्य के लिए लड़े। इन्हें माफी मांगने की जरूरत नहीं। लोकतंत्र के लिए ये बच्चे लड़े, इसके लिए इनका धन्यवाद।

संविधान और भारत के भविष्य के लिए लड़े

राहुल गांधी ने कहा प्रदर्शन कर रहे कुछ युवाओं से बात की। उन्होंने बताया कि उनके

जंतर-मंतर प्रदर्शनकारियों के साथ राहुल की प्रेस कॉन्फ्रेंसः लड़की ने कहा- भारत माता की जय बोलने पर देशद्रोही कहा, शांति से चलने पर भी मारा

साथ मारपीट की गई, धमकाया गया और दबाव बनाया गया। मुझे उन पर और देशभर के हजारों युवाओं पर गर्व है। उन्होंने संविधान, भारत के विचार और देश के भविष्य की रक्षा की है। राहुल गांधी ने कहा कि पहले छात्रों के घर गुंडे भेजना, 15 साल की एक लड़की से जबरन माफी मंगवाना और फिर उस माफी को स्वीकार करना पूरी तरह बेतुका है। हम इसे स्वीकार नहीं करते। हम ऐसी शिक्षा व्यवस्था चाहते हैं जो सही तरीके से काम करे, परीक्षा पेपर लीक रुकें और देश के युवाओं का भविष्य सुरक्षित रहे।

छात्रों से जबरन माफी मंगवाने की कोशिश

राहुल गांधी ने आगे कहा कि प्रदर्शन के बाद से छात्रों का लगातार मानसिक शोषण हो रहा है. राहुल ने कहा कि छात्रों ने कुछ भी गलत नहीं किया है. उनसे जबरन माफी मंगवाने की कोशिश की जा रही है. ऐसे में आपकी माफी स्वीकार करने का सवाल ही नहीं उठता है. छात्रों किसी से माफी मांगने की जरूरत नहीं है. आपने कुछ भी गलत नहीं किया. राहुल ने कहा कि छात्रों ने किसी भी तरह की हिंसा नहीं की है. इन छात्रों पर दबाव बनाने के लिए उनके घर पर गुंडे भेजे जा रहे हैं. इतना ही नहीं 15 साल की बच्चियों को परेशान (शेष पृष्ठ 6 पर...)

सीएसएमसीएल घोटालाः अनवर ढेबर को सुप्रीम कोर्ट से अंतरिम जमानत, सुनवाई पूरी होने तक छत्तीसगढ़ से बाहर रहना होगा

रायपुर। शराब घोटाले से जुड़े छत्तीसगढ़ स्टेट मार्केटिंग कॉर्पोरेशन लिमिटेड घोटाला (CSMCL) मामले में सुप्रीम कोर्ट ने कारोबारी अनवर ढेबर को अंतरिम जमानत दे दी है। हालांकि, कोर्ट ने जमानत के साथ सख्त शर्त भी लगाई है। सुप्रीम कोर्ट ने निर्देश दिए हैं कि ट्रायल के दौरान अनवर ढेबर छत्तीसगढ़ से बाहर रहेंगे।

इसके साथ ही उन्हें अपने रहने का पता और मोबाइल नंबर संबंधित अधिकारियों को उपलब्ध कराना होगा। मामले की सुनवाई चीफ जस्टिस सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्य बागची और जस्टिस वी. मोहना की बेंच ने की है। कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि ट्रायल के दौरान जब भी अदालत बुलाएगी, अनवर ढेबर को पेश होना होगा। सुनवाई के दौरान अनवर ढेबर की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता मुकुल रोहतगी ने पक्ष रखा, जबकि छत्तीसगढ़ सरकार की ओर से सीनियर एडवोकेट महेश जेठमलानी ने पैरवी की।

अधिकारियों को देंगे अपना पता-फोन नंबर

गवाहों को प्रभावित करने की आशंका

इस सुनवाई के दौरान सरकार के पक्ष के वकील ने कोर्ट से कहा कि यदि अनवर ढेबर छत्तीसगढ़ में रहते हैं तो गवाहों को प्रभावित करने की आशंका है। सुप्रीम कोर्ट ने इस दलील को स्वीकार करते हुए जमानत की शर्त के रूप में उन्हें राज्य से बाहर रहने का निर्देश दिया। साथ ही अधिकारियों को अपना वर्तमान पता और संपर्क नंबर देने के लिए भी कहा गया है।

हाईकोर्ट ने पहले खारिज कर दी थी जमानत याचिका

इससे पहले 13 मई को छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने अनवर ढेबर की जमानत याचिका खारिज कर दी थी। हाईकोर्ट ने अपने आदेश में कहा था कि पहली नजर में रिकॉर्ड पर मौजूद सामग्री से राज्य सरकार के निगम में गहराई तक फैले एक संगठित भ्रष्टाचार तंत्र का संकेत मिलता है। हाईकोर्ट ने यह भी कहा था कि सार्वजनिक धन से जुड़े आर्थिक अपराध सामान्य अपराधों की तुलना में अधिक गंभीर होते हैं। ऐसे मामलों में बड़े पैमाने पर जनता के पैसे के नुकसान और सुनियोजित साजिश की आशंका रहती है, जिसका असर व्यापक स्तर पर पड़ता है। इसलिए ऐसे मामलों में जमानत पर विचार करते समय विशेष सावधानी बरतना जरूरी है। यह मामला आर्थिक अपराध अन्वेषण शाखा (EOW) और भ्रष्टाचार (शेष पृष्ठ 6 पर...)

पहला कॉलम...

आज उत्तर प्रदेशीय वैश्य संघ परिवार द्वारा निकाली जाएगी सावन महोत्सव कांवड़ यात्रा

राजनांदगांव (दावा)। श्री उत्तर प्रदेशीय वैश्य संघ परिवार के तत्वावधान में भव्य सावन महोत्सव कांवड़ यात्रा का आयोजन किया जा रहा है। कार्यक्रम की जानकारी देते हुए संघ के सचिव शैलेष गुप्ता ने बताया कि 6 अगस्त (गुरुवार) को दुर्ग स्थित शिवनाथ नदी तट के छातागढ़ शिव मंदिर में विभिन्न धार्मिक एवं सांस्कृतिक आयोजनों के साथ सावन महोत्सव उत्साहपूर्वक मनाया जाएगा। संघ के अध्यक्ष राजेश गुप्ता (दोसर) ने संघ से जुड़े सभी समाजों–अग्रहरि, कसौंधन, अयोध्यावासी, दोसर, गहोई एवं यज्ञ सेनी वैश्य समाज के सदस्यों तथा कांवड़ यात्रियों से अपील की है कि वे सुबह 8 बजे तिरंगा चौक में एकत्रित होकर आयोजन को सफल बनाएं।

पुराना बस स्टैंड चौक फ्लाई ओवर के नीचे गंदगी : संबंधित 5 होटल व ठेलों पर लगा जुर्माना

राजनांदगांव (दावा)। नगर निगम सीमा क्षेत्र में सफाई व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए महापौर मधुसूदन यादव और आयुक्त जी.आर. मरकाम लगातार वार्डों का निरीक्षण कर रहे हैं। इसी क्रम में निगम के स्वास्थ्य अमले ने आज जी.ई. रोड फ्लाई ओवर और पुराना बस स्टैंड चौक के पास गंदगी फैलाने वालों के खिलाफ चालानी कार्रवाई करते हुए चेतावनी जारी की। निगम आयुक्त के निर्देश पर स्वास्थ्य विभाग की टीम ने व्यवसायिक एवं सार्वजनिक स्थलों का जायजा लिया। इस दौरान पुराना बस स्टैंड चौक स्थित फ्लाई ओवर के नीचे कचरा फेंकने और गंदगी फैलाने पर 5 दुकानदारों व ठेला चालकों से जुर्माना वसूल किया गया। जिसमें बागेश्वर डोसा ठेला 300 जुर्माना, सोनू हेयर कटिंग 200 जुर्माना, अग्नू निषाद मोटर साइकिल रिपेयरिंग ठेला 200 जुर्माना, धनाराम साहू ठेला 200 जुर्माना, रमेश साहू इडली ठेला 200 जुर्माना आदि है।

आयुक्त श्री मरकाम ने स्वास्थ्य अमले को निर्देशित किया कि जी.ई. रोड से बाहरी यात्रियों का आवागमन बना रहता है। जिससे शहर की छवि बनती है। इसलिए मुख्य मार्गों, नाले-नालियों और फ्लाई ओवर के नीचे विशेष सफाई रखी जाए। दुकानदारों व ठेला-खोमचा संचालकों को स्वच्छता बनाए रखने की समझाइश दी जाए तथा अतिक्रमण करने और गंदगी फैलाने वालों पर तत्काल जुर्माना लगाया जाए।

उपमुख्यमंत्री के बयान के बाद स्मार्ट मीटर लगाना तत्काल बंद करें सरकार : अनीस खान

राजनांदगांव (दावा)। जिला कांग्रेस कमेटी राजनांदगांव के प्रवक्ता अनीस खान ने स्मार्ट मीटर के मुद्दे पर प्रदेश सरकार को घेरते हुए कहा कि मीडिया में प्रसारित वीडियो के अनुसार 2 अगस्त को रायपुर में प्रदेश के उपमुख्यमंत्री एवं गृहमंत्री विजय शर्मा ने स्पष्ट कहा था कि मुख्यमंत्री स्वयं स्मार्ट मीटर की अनिवार्यता न होने की बात कह चुके हैं। इसके अलावा 2 अप्रैल को लोकसभा में केंद्रीय ऊर्जा मंत्री मनोहर लाल खट्टर ने भी साफ किया था कि स्मार्ट प्रीपेड मीटर अनिवार्य नहीं बल्कि एक वैकल्पिक व्यवस्था है। अनीस खान ने सवाल उठाया कि जब केंद्र और राज्य सरकार दोनों के मंत्री इसे वैकल्पिक बता रहे हैं तो छत्तीसगढ़ में उपभोक्ताओं की बिना सहमति के किसके आदेश पर जबरन स्मार्ट मीटर लगाए जा रहे हैं? उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार के कार्यकाल में जनता पहले से महंगाई से त्रस्त है और स्मार्ट मीटर लगने के बाद भारी-भरकम बिजली बिलों से लोगों का बजट बिगड़ रहा है। इसी जनसमस्या को लेकर प्रदेश कांग्रेस चरणबद्ध आंदोलन कर रही है। राज्य सरकार तत्काल सार्वजनिक घोषणा करे कि स्मार्ट मीटर लगवाना पूरी तरह स्वैच्छिक और वैकल्पिक है। छत्तीसगढ़ स्टेट पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड सभी जिलों के अभियंताओं को निर्देश जारी कर प्रेस विज्ञप्ति और सार्वजनिक सूचना के माध्यम से उपभोक्ताओं को इसकी जानकारी दे। जिन उपभोक्ताओं के घरों में बिना सहमति के स्मार्ट मीटर लगाए गए हैं। उन्हें आवेदन के माध्यम से पुनः पुराना मीटर लगवाने का विकल्प दिया जाए। अनीस खान ने सरकार से मांग की है कि वह अपना लिखित रुख स्पष्ट करते हुए बिना जनसहमति के स्मार्ट मीटर लगाने की कार्रवाई पर तत्काल रोक लगाए।

SILVER SCREEN MULTIPLEX
03rd Aug To 6th Aug

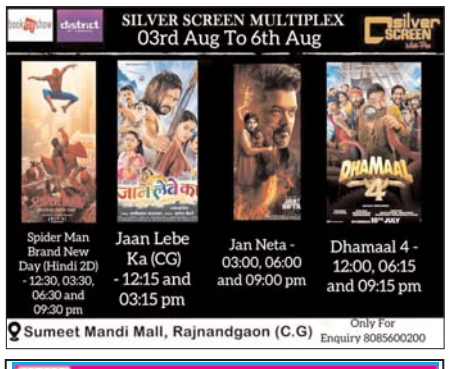

Spider Man Brand New Day (Hindi 2D) - 12:30, 03:30, 06:30 and 09:30 pm
Jaan Lebe Ka (CG) - 12:15 and 03:15 pm
Jan Neta - 03:00, 06:00 and 09:00 pm
Dhamaal 4 - 12:00, 06:15 and 09:15 pm
Sumeet Mandi Mall, Rajnandgaon (C.G)
Only For Enquiry 8085600200

श्री कृष्णा (एयरकूल) में
रोजाना 4 खेल
छत्तीसगढ़ी धमाका
जान लेबे का
मन कुरैशी, दीक्षा जायसवाल आदि

ऑनलाईन बुकिंग paytm & bookmyshow.com

बारिश में लगा ब्रेक, उमस से लोग हो रहे हलाकान-परेशान

आज कल में सिस्टम हो सकता है बदलाव, हल्की से लेकर मध्यम या बारिश की पड़ेगी बौछारें

राजनांदगांव (दावा)। आषाढ़ मास लगने के साथ ही पखवाड़े भर तक हल्की से लेकर मध्यम व तेज रुप में हुई मानसूनी बारिश से नदी नाले उफान पर आ गए थे। भीषण गर्मी से जूझ रहे लोगों को इससे काफी राहत मिली थी लेकिन पखवाड़े बाद सावन के महिने में बारिश में ब्रेक लग जाने से फिर से उमस व गर्मी से लोगों को जूझना पड़ रहा है। दिनभर तेज धूप और उमस के कारण लोगों को गर्मी का सामना करना पड़ रहा है। हवा नहीं चलने के कारण और भी अधिक परेशानी होने लगी है। बारिश नहीं होने से तापमान का पारा लगभग 33 डिग्री सेल्सियस को छूने लगा है। इधर बारिश के अचानक रुकने से किसानों को भी चिंता होने लगी है। बता दें कि खेतों में धान सहित अन्य फसलों के लिए पर्याप्त नमी बनाए रखने के लिए बारिश का होना जरूरी है। किसान इसका इंतजार कर रहे हैं। सप्ताह भर से बारिश नहीं होने से किसान आसमान की ओर टकटकी लगाए देख रहे हैं। लेकिन बारिश नहीं होने से चिंता बढ़ रही है।

बताते चलें कि कृषि कार्यों के लिए सावन माह की बारिश काफी महत्वपूर्ण मानी जाती है। मेरे नैना सावन-भादो वाले गीत इन्हीं परिस्थितियों को लेकर बना हुआ है। सावन माह को बारिश की झड़ी के लिए जाना जाता है, लेकिन वर्तमान में ठीक इसके उल्टा देखा जा रहा है। सावन के महिने में बारिश रुकी हुई है। किसानों का कहना है कि समय पर अच्छी बारिश नहीं हुई तो फसलों पर इसका असर पड़ सकता है। जिले में धान की बोनी पूर्णता की ओर है। ओन्हारी और बोता पद्धति से बोए गए धान की बढ़वार के लिए नियमित बारिश आवश्यक है। सावन की झड़ी में धान फुरना कर बढ़ता है, लेकिन खेतों में पानी की कमी होने से किसान खाद और कीटनाशको का छिड़काव नहीं कर पा रहे हैं। वहीं जलाशयों में पर्याप्त जलभराव नहीं होने से नहरो के माध्यम से सिंचाई के लिए पानी नहीं मिल पा रहा इससे किसान बोरवेल के भरोसे सिंचाई कर रहे हैं। छोटे और मध्यम किसानो को अब बारिश के साथ नहरों में पानी छोड़े जाने का इंतजार बना हुआ है।

आज-कल में मौसम में हो सकता है बदलाव

मौसम विभाग की मानें तो जिले में फिर से बारिश की संभावना बनी हुई है, लेकिन बारिश नहीं होने से लोगों को उमस और गर्मी से राहत नहीं मिल पा रही है। दोपहर बाद मौसम में परिवर्तन तो हो रहा है लेकिन बारिश नहीं हो रही है। जब तक अच्छी बारिश नहीं हो जाती माहौल ऐसे ही बना रहेगा। मौसम विज्ञानी एच पी चंद्रा ने बताया कि पिछले साल भी ऐसा ही हुआ था। अच्छी बारिश के बाद सप्ताह भर तक ब्रेक लगी हुई थी। इस बार भी संभवतः ऐसा ही हो रहा है। जिले के आसपास के इलाके में घने बादल छाए हुए हैं। सिस्टम बनने लगा है। रात के समय हल्की से लेकर मध्यम बारिश या बौछारें पड़ सकती है।

टोंट मारने से न केवल हिंसा होती है बल्कि दूरियां भी बढ़ती हैं : श्रेयांशप्रभ जी

पहले हम शराब को पीते हैं फिर शराब हमें पीने लगती है : मुनि समयप्रभ जी

राजनांदगांव (दावा)। जैन मुनि श्री समयप्रभ सागर जी ने धर्म सभा को संबोधित करते हुए कहा कि व्यक्ति पहले सोचता है कि वह शराब पी रहा है, किंतु बाद में शराब उसे पीने लगती है। उन्होंने कहा कि व्यसनों से बचने के लिए हमारे भीतर 'पचकान' (उपवास या त्याग का संकल्प) लेने का साहस होना चाहिए। पचकान से घबराने के बजाय उसे दृढ़तापूर्वक स्वीकार करना चाहिए। क्योंकि इससे आत्म-शुद्धि होती है, मन में दृढ़ता आती है और हम बुराइयों से मुक्त रह सकते हैं।

धर्म सभा को संबोधित करते हुए मुनि श्री श्रेयांशप्रभ सागर जी ने हिंसा और भाव हिंसा पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि सुबह उठने से लेकर रात को सोने तक हम कई बार भाव हिंसा कर चुके होते हैं, किंतु इसका मनन नहीं करते। किसी को ठेस पहुंचाना या नीचा दिखाने के उद्देश्य से कार्य करना भी हिंसा की श्रेणी में आता है। उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि यदि कोई पेन खरीदते समय मन में यह विचार आए कि इसे देखकर सामने वाला जलेगा, तो यह भी एक प्रकार की भाव हिंसा ही है।

अनावश्यक हिंसा और टोंट मारने से बचें

मुनि श्रेयांशप्रभ सागर जी ने कहा कि आवश्यक और अनावश्यक हिंसा में अंतर समझना जरूरी है। बच्चों को उनके भले के लिए डांटना आवश्यक हो सकता है, लेकिन किसी को नीचा दिखाने के लिए 'टोंट' मारना पूरी तरह से गलत है। टोंट मारने से न केवल हिंसा होती है, बल्कि परिजनों के बीच दूरियां भी बढ़ती हैं। उन्होंने कहा कि परमात्मा मार्ग दिखाते हैं। उस पर चलना हमारा कर्तव्य है। यदि हम पूरी तरह हिंसा से नहीं बच सकते, तो कम से कम प्रयास अवश्य करना चाहिए। यह जानकारी मीडिया प्रभारी विमल हाजरा ने दी।

चोरी छिपे शराब बिक्री कर रहा था आरोपी, पुलिस के हत्थे चढ़ा

राजनांदगांव (दावा)। सुरगी चौकी पुलिस ने अपने चौकी क्षेत्र में चोरी छिपे शराब की बिक्री कर रहे आरोपी को धर दबोचा है। वहीं कानून व शांति व्यवस्था भंग करने वाले के खिलाफ प्रतिबंधात्मक धाराओं के तहत कार्रवाई की है। जिले में अपराधों की रोकथाम एवं कानून-शांति व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से असामाजिक एवं उपद्रवी तत्वों के विरुद्ध लगातार प्रभावी कार्रवाई की जा रही है। इस क्रम में 5 अगस्त को ग्राम कोटराभाठा के ग्रामीणों से सूचना प्राप्त हुई कि एक व्यक्ति चोरी-छिपे अवैध शराब बिक्री कर गांव का माहौल खराब कर रहा है। इस पर पुलिस चौकी सुरगी की टीम तत्काल मौके पर पहुंची तथा स्वतंत्र गवाहों की उपस्थिति में संदेही सोमनाथ साहू की तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान उसके पास कोई शराब बरामद नहीं हुई। इसके बाद वह पुलिस कार्रवाई का विरोध करते हुए गवाहों से विवाद करने लगा तथा शिकायत करने की बात को लेकर आक्रोशित होकर हंगामा करने लगा। जिससे क्षेत्र में कानून एवं शांति व्यवस्था भंग होने तथा किसी संज्ञेय अपराध के घटित होने की प्रबल संभावना निर्मित होने पर सोमनाथ साहू पिता लखन लाल साहू उम्र 28 साल, निवासी कोटराभाठा के विरुद्ध धारा 170 बीएनएसएस के अंतर्गत उसे गिरफ्तार किया गया और धारा 126 एवं 135 के तहत कार्यपालिक मजिस्ट्रेट के समक्ष प्रस्तुत किया गया। जहां से उसे जिला जेल भेज दिया गया है।

चिखली क्षेत्र में अशांति फैलाने वाले दो बदमाश गिरफतार

राजनांदगांव (दावा)। चौकी चिखली अशांति फेलाने वाले दो बदमाशो को धर दबोचा है और उनके खिलाफ प्रतिबंधात्मक धाराओं के तहत कार्रवाई की है। चौकी चिखली प्रभारी कैलाश चंद्र मरई ने बताया कि क्षेत्र मे शांति व्यवस्था बनाये रखने एवं नशा मुक्त बनाने हेतु असमाजिक तत्वो के विरूद्ध लगातार अभियान चलाया जा रहा है। उक्त अभियान के तहत बुधवार 5 अगस्त को बदमाश राकेश सिंह नागवंशी पिता परसराम नागवंशी उम्र 47 साल निवासी शिवनगर ढाबा रोड चिखली वार्ड नं. 4 व आर्यन शर्मा पिता प्रमोद शर्मा उम्र 24 साल निवासी वार्ड नं. 9 शंकरपुर के द्वारा आने-जाने वाले लोगों से वाद विवाद कर शांति भंग करने तथा अप्रिय घटना घटित होने के संभावना पर दोनो बदमाश के विरूद्ध पृथक-पृथक धारा 170, 126, 135(3) बीएनएसएस के तहत कार्यवाही कर न्यायालय में पेश किया गया।

वाराणसी की पावन माटी व जल से भरे कलश का राजनांदगांव में भव्य स्वागत, भाजपा ने शुरु किया समरसता संकल्प अभियान

संत रविदास जयंती के उपलक्ष्य में घर-घर तक पहुंचेगा समरसता और समानता का संदेश

राजनांदगांव (दावा)। संत शिरोमणि गुरु रविदास महाराज की 650वीं जयंती के उपलक्ष्य में प्रदेश स्तरीय कलश वंदन अभियान के तहत वाराणसी से लाई गई पावन माटी एवं गंगाजल युक्त कलशों का वितरण रायपुर स्थित पंडित दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम में किया गया। वहां से भाजपा जिलाध्यक्ष कोमल सिंह राजपूत पवित्र कलश को सम्मानपूर्वक राजनांदगांव लेकर पहुंचे। भाजपा जिला कार्यालय पहुंचते ही कलश का श्रद्धापूर्वक पूजन-अर्चन कर स्वागत किया गया और इसी के साथ 'समरसता संकल्प अभियान' का विधिवत शुभारंभ हुआ। यह अभियान 29 जुलाई से प्रारंभ होकर 20 फरवरी 2027 (संत रविदास जयंती) तक पूरे देश में संचालित किया जाएगा। इसका मुख्य उद्देश्य संत रविदास जी के समरसता, समानता और सामाजिक न्याय के संदेश को जन-जन तक पहुंचाना है। कार्यक्रम का शुभारंभ संत रविदास के चित्र पर माल्यार्पण और दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। उपस्थित वक्ताओं ने कहा कि संत रविदास जी ने जीवनभर भेदभाव मिटाकर समता और मानवता का मार्ग दिखाया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा संतों के आदर्शों को आगे बढ़ा रही है।

वक्ताओं ने बताया कि छत्तीसगढ़ की कलश यात्राओं में श्रद्धालुओं और युवाओं की भारी सहभागिता देखने को मिल रही है। इस अवसर पर संदीप भट्टाचार्य, विजय रॉय, योगराज जगने, त्रिगुण टांक, रवि सिन्हा, दीपेश शेंडे, कबीर साहू, साकेत, करण कोसरे, अंकित गढ़वाल, रिभय यादव, रवि बंजारे, मनीष श्रीवास्तव, राजकमल ध्रुव, महेश मोहबे और कृष्णा तिवारी सहित बड़ी संख्या में भाजपा पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

यशवंत साहू के नेतृत्व में 'गौ माता के नाम एक पेड़' अभियान

राजनांदगांव (दावा)। डोंगरगढ़ स्थित कृष्णा गौशाला में पर्यावरण संरक्षण और गौसेवा का संदेश देते हुए जिला साहू संघ अधिकारी-कर्मचारी प्रकोष्ठ के जिला संयोजक यशवंत साहू के नेतृत्व में 'गौ माता के नाम एक पेड़' अभियान के तहत वृहद पौधरोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान पीपल, नीम, करंज, कदंब, गुलमोहर सहित विभिन्न प्रजातियों के लगभग 50 पौधे रोपे गए। कार्यक्रम में मौजूद अतिथियों एवं पदाधिकारियों ने लगाए गए पौधों की नियमित देखभाल और संरक्षण का सामूहिक संकल्प लिया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि वर्तमान समय में पर्यावरण संरक्षण प्रत्येक नागरिक का दायित्व है। पौधरोपण केवल एक दिन का आयोजन न होकर आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य का संकल्प है। इस अवसर पर नायब तहसीलदार झरना राजपूत, चित्तेंद्र राजपूत, शिवेंद्र मिश्रा, प्रणय अग्रवाल, राकेश अग्रवाल, बिनवार, राकेश ठाकुर, पूनम तिवारी, विकल्प संस्था के प्रतिनिधि, अमित और गजेंद्र वर्मा सहित बड़ी संख्या में सामाजिक कार्यकर्ता व पदाधिकारी उपस्थित रहे। सभी ने एक स्वर में पर्यावरण संरक्षण को जनआंदोलन बनाने और रोपे गए पौधों को वृक्ष बनने तक पूरी निष्ठा से संभालने का संकल्प व्यक्त किया।

जर्जर सड़कें भाजपा के भ्रष्टाचार की पोल खोल रही हैं : संदीप सोनी

मरम्मत नहीं हुई तो युवा कांग्रेस करेगी चरणबद्ध आंदोलन

राजनांदगांव (दावा)। लगातार हो रही बारिश के बीच जिले की जर्जर और गड्ढों में तब्दील सड़कों को लेकर युवा कांग्रेस उत्तर ब्लॉक अध्यक्ष संदीप सोनी ने प्रदेश की भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने आरोप लगाया कि करोड़ों रुपये खर्च होने के बावजूद सड़कें पहली ही बारिश में उखड़ गई है। जिससे सरकार के विकास के दावों की हकीकत सामने आ गई है। उन्होंने कहा कि खराब सड़कें भाजपा सरकार के भ्रष्टाचार और निर्माण कार्यों में बरती गई लापरवाही की खुली तस्वीर पेश कर रही हैं। संदीप सोनी ने कहा कि बरसात शुरू होते ही राजनांदगांव जिले और आसपास के क्षेत्रों की सड़कें गड्ढों में तब्दील हो गई हैं। जगह-जगह जलभराव और उखड़ी सड़कों के कारण आम नागरिकों, किसानों, विद्यार्थियों और व्यापारियों को

भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। लगातार बढ़ रहे दुर्घटनाओं के खतरे के बावजूद सरकार और संबंधित विभाग आंखें मूंदे बैठे हैं। उन्होंने कहा कि जनता के टैक्स के पैसे से बनने वाली सड़कों की यह दुर्दशा चिंताजनक है और ग्रामीण क्षेत्रों में स्थिति और भी गंभीर हो चुकी है। युवा कांग्रेस अध्यक्ष ने प्रशासन से मांग की है कि जिले की सभी क्षतिग्रस्त सड़कों की तत्काल मरम्मत कराई जाए। साथ ही सड़क निर्माण कार्यों की गुणवत्ता की निष्पक्ष जांच कराकर लापरवाही और भ्रष्टाचार के दोषी अधिकारियों एवं ठेकेदारों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए, ताकि भविष्य में जनता के पैसे का दुरुपयोग न हो। श्री सोनी ने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि जल्द ही सड़कों की मरम्मत और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई नहीं की गई तो युवा कांग्रेस आम जनता के साथ मिलकर चरणबद्ध आंदोलन शुरू करेगी। जनहित की इस लड़ाई को सड़क से लेकर प्रशासनिक स्तर तक पूरी मजबूती से लड़ा जाएगा। जिसकी पूरी जिम्मेदारी भाजपा सरकार और प्रशासन की होगी।

संत रविदास समाज को सीएम साय का बड़ा सम्मान : आशीष डोंगरे

राजनांदगांव (दावा)। लखोली वार्ड क्रमांक 36 के पूर्व पार्षद प्रतिनिधि एवं भारतीय जनता पार्टी अनुसूचित जाति मोर्चा के पूर्व प्रदेश मंत्री आशीष डोंगरे ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय द्वारा संत शिरोमणि गुरु रविदास जयंती के अवसर पर की गई महत्वपूर्ण घोषणाओं का जोरदार स्वागत किया है। उन्होंने इसे अनुसूचित समाज और संत परंपरा के सम्मान में एक ऐतिहासिक निर्णय बताया है। श्री डोंगरे ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार संत-महापुरुषों के आदर्शों को जन-जन तक पहुंचाने का सराहनीय कार्य कर रही है।

संत रविदास जयंती पर सार्वजनिक अवकाश घोषित करने का निर्णय प्रदेश के लाखों श्रद्धालुओं और समाजजनों के लिए गर्व का विषय है। यह निर्णय केवल एक अवकाश नहीं, बल्कि संत रविदास जी के समता, समानता और सामाजिक सद्भाव के संदेश को सम्मान देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

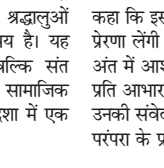

आशीष डोंगरे ने जयंती के दिन पूरे प्रदेश में मांस एवं मदिरा की दुकानें बंद रखने के निर्णय का स्वागत करते हुए कहा कि इससे समाज में श्रद्धा, पवित्रता और सकारात्मकता का वातावरण निर्मित होगा। उन्होंने संत रविदास जी के नाम पर राज्य अलंकरण पुरस्कार की स्थापना को मुख्यमंत्री की दूरदर्शी सोच का परिचायक बताया, जिससे समाज सेवा और मानवता के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वालों को नई पहचान मिलेगी। उन्होंने नया रायपुर के प्रमुख चौक का नाम 'संत रविदास चौक' रखने तथा छत्तीसगढ़ विधानसभा में संत रविदास का संदेश अंकित करने की घोषणाओं को भी ऐतिहासिक करार दिया। उन्होंने कहा कि इससे आने वाली पीढ़ियां उनके विचारों से प्रेरणा लेंगी और लोकतांत्रिक परंपराएँ मजबूत होंगी। अंत में आशीष डोंगरे ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ये सभी निर्णय उनकी संवेदनशीलता, सामाजिक समरसता और संत परंपरा के प्रति गहरे सम्मान का प्रतीक हैं।

शुभांक

बी. के.
2-5-8
अनुमानित 899-6 790-6
राजधानी
1-3-0
338-4 129-2

चेतावनी:- इस पत्र में प्रकाशित सर्वत्र शुभ राशियां ज्योतिष एवं ग्रह नक्षत्र के आधार पर धारणा मात्र है। इसका सट्टे आदि से कोई संबंध नहीं है, दुरूपयोग न करें। दुरूपयोग करने पर प्रकाशक की कोई जवाबदारी नहीं होगी। -सम्पादक

नाम परिवर्तन सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मैं मैं **कृत्या कुमारी पति डोमनलाल** ग्राम कंगलूटोला, पोस्ट व थाना गोटाटोला, मकान नम्बर 43, वार्ड क्रमांक 13, तहसील मोहला, जिला मोहला-मानपुर-अम्बागढ़ चौकी (छ.ग.) की निवासी हूँ। यह कि मेरा आधार कार्ड नम्बर 762334311814 है, जिसमें मेरा नाम **केन्द्र कुमारी** पति डोमनलाल है, जिसे **कृत्या कुमारी पति डोमनलाल** सुधार कर ली हूँ।

अतः आज से समस्त शासकीय/अर्द्धशासकीय दस्तावेज में मुझे **कृत्या कुमारी पति डोमनलाल** के नाम से जाना एवं पहचाना जाए एवं संबोधित किया जावे। इस नाम परिवर्तन सूचना पर जिस किसी को आपत्ति हो वो 15 दिनों के अंदर दावा आपत्ति कर सकते हैं।

आवेदिका
कृत्या कुमारी
पति डोमनलाल
ग्राम कंगलूटोला, पोस्ट व थाना गोटाटोला, तहसील-मोहला, जिला-मोहला-मानपुर, अं.चौकी

नाम परिवर्तन

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैं नरेश कुमार साहू पिता उमेंद साहू निवासी ग्राम तोरनकट्टा, पोस्ट सोमनी, तहसील व जिला-राजनांदगांव (छ.ग.) का निवासी हूँ।

यह शपथ करता हूं कि मेरी पुत्री दिव्या के शिक्षण प्रमाण पत्रों में मेरा नाम नरेश दर्ज है, जबकि मेरे आधार कार्ड में मेरा नाम नरेश कुमार साहू दर्ज है। अतः नरेश व आधार कार्ड में दर्ज नरेश कुमार साहू दोनों ही नाम एक ही व्यक्ति के नाम है। अतः आज से मुझे समस्त शासकीय/अर्द्धशासकीय व अन्य दस्तावेजों में तथा मेरी पुत्री के सभी शासकीय/अर्द्धशासकीय व अन्य दस्तावेजों में भी मेरा नाम आधार कार्ड के अनुसार नरेश कुमार साहू दर्ज कर नरेश कुमार साहू के नाम से ही जाना व पहचाना जावे।

नरेश कुमार साहू
पिता उमेंद साहू निवासी ग्राम तोरनकट्टा पोस्ट सोमनी तहसील व जिला राजनांदगांव (छ. ग.)

ईशतहार

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मै आवेदिका थलेश्वरी पिता-लेखाराम जाति-कलार निवासी ग्राम भंडारीटोला, मकान नं. 04, वार्ड नं.10, तह.-अं. चौकी, जिला-मोहला मानपुर, अं.चौकी (छ.ग.)। पिन नं. 491665 की निवासी हूं। जो कि मेरे स्वयं के नाम से भारत सरकार द्वारा आधार कार्ड जारी किया गया हैं। जिसमें नाम के स्थान पर **Thaleshwari Mandavi** थलेश्वरी मंडावी अंकित है। उक्त नाम गलत है। परन्तु मेरे स्वयं के नाम से जारी अंकसूची व अन्य कागजातों में नाम के स्थान **THALESHWARI** थलेश्वरी अंकित है, उक्त नाम सही हैं। इसलिए आधार कार्ड में **Thaleshwari Mandavi** थलेश्वरी मंडावी अंकित हैं। उसे सुधार करवाकर **THALESHWARI** थलेश्वरी अंकित कराना चाहती हूं। इस ईश्तहार के संबंध में किसी भी शासकीय/अर्द्धशासकीय संस्था व किसी भी व्यक्ति को किसी प्रकार एवं ईश्तहार दावा आपत्ति होगी तो मय दस्तावेज के साथ मेरे समक्ष प्रस्तुत कर सकते हैं अतएव ईश्तहार प्रस्तुत हैं, जो जरूरत वक्त पर काम आवें।
स्थान:-अं. चौकी दिनांक:- 04/08/2026

आवेदिका
थलेश्वरी
निवासी- ग्राम भंडारीटोला
तह.अं.चौकी, जिला-मो.मा.अं. चौकी

ईशतहार

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मै आवेदिका कुमारी देविका पिता-कन्हैया लाल जाति-कंवर निवासी ग्राम मोंगरा, मकान नं.29, वार्ड नं.02, तह.-अं. चौकी, जिला-मोहला-मानपुर, अं.चौकी (छ.ग.)। पिन नं. 491665 की निवासी हूं। जो कि मेरे स्वयं के नाम से भारत सरकार द्वारा आधार कार्ड जारी किया गया हैं। जिसमें नाम के स्थान पर देवीका **Devika** अंकित है। उक्त नाम गलत है। परन्तु मेरे स्वयं के नाम से जारी अंकसूची व अन्य कागजातों में नाम के स्थान कुमारी देविका **KUMARI DEVIKA** अंकित है, उक्त नाम सही हैं। इसलिए आधार कार्ड में देवीका **Devika** अंकित हैं। उसे सुधार करवाकर कुमारी देविका **KUMARI DEVIKA** अंकित कराना चाहती हूं। इस ईश्तहार के संबंध में किसी भी शासकीय/अर्द्धशासकीय संस्था व किसी भी व्यक्ति को किसी प्रकार एवं ईश्तहार दावा आपत्ति होगी तो मय दस्तावेज के साथ मेरे समक्ष प्रस्तुत कर सकते हैं अतएव ईश्तहार प्रस्तुत हैं, जो जरूरत वक्त पर काम आवें।
स्थान:-अं. चौकी, दिनांक:-04/08/2026

आवेदिका
कुमारी देविका
निवासी ग्राम मोंगरा
तह. अं. चौकी जिला- मो.मा.अं. चौकी

ईशतहार

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मैं आवेदक मनोहर कुमार पिता-पंचराम जाति-मरार निवासी ग्राम टाटेकसा, मकान नं. 05, वार्ड नं. 01, तह. अं. चौकी, जिला-मोहला मानपुर अं. चौकी (छ.ग.)। पिन नं. 491668 की निवासी हूं। जो कि मेरे स्वयं के नाम से भारत सरकार द्वारा आधार कार्ड जारी किया गया हैं। जिसमें नाम के स्थान पर नोहर लाल पटेल **Nohar Lal Patel** अंकित है। उक्त नाम गलत है। परन्तु मेरे स्वयं के नाम से जारी अंकसूची व अन्य कागजातों में नाम के स्थान मनोहर कुमार **MANOHAR KUMAR** अंकित है, उक्त नाम सही हैं। इसलिए आधार कार्ड में नोहर लाल पटेल **Nohar Lal Patel** अंकित हैं। उसे सुधार करवाकर मनोहर कुमार **MANOHAR KUMAR** अंकित कराना चाहता हूं। इस ईश्तहार के संबंध में किसी भी शासकीय/अर्द्धशासकीय संस्था व किसी भी व्यक्ति को किसी प्रकार एवं ईश्तहार दावा आपत्ति होगी तो मय दस्तावेज के साथ मेरे समक्ष प्रस्तुत कर सकते हैं अतएव ईश्तहार प्रस्तुत हैं, जो जरूरत वक्त पर काम आवें।
स्थान:-अं. चौकी, दिनांक:-31/07/2026

आवेदक
मनोहर कुमार
निवासी ग्राम टाटेकसा
तह. अं. चौकी जिला मो.मा.अं. चौकी

10 करोड़ नशामुक्ति प्रतिज्ञा महाअभियान का भव्य शुभारंभ : विकसित भारत की दिशा में सशक्त पहल

ब्रह्माकुमारीज के ज्ञान मानसरोवर परिसर में हुआ आयोजन, 6 से 20 अगस्त तक चलेगा देशव्यापी अभियान

राजनांदगांव (दावा)। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय एवं भारत सरकार के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित देशव्यापी '10 करोड़ नशामुक्ति प्रतिज्ञा महाअभियान' का भव्य शुभारंभ 4 अगस्त को ब्रह्माकुमारीज के ज्ञान मानसरोवर परिसर में संपन्न हुआ। यह महाअभियान 6 अगस्त से 20 अगस्त तक पूरे देश में संचालित किया जाएगा। जिसके तहत 10 करोड़ नागरिकों को नशामुक्ति की शपथ दिलाने का लक्ष्य रखा गया है। यह अभियान ब्रह्माकुमारीज की पूर्व मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी प्रकाशमणि जी की 19वीं पुण्य स्मृति को समर्पित है। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि मुख्य जिला चिकित्सा अधिकारी डॉ. एन.आर. नवरतन, नशा मुक्ति केंद्र की नोडल अधिकारी डॉ. निहारिका, डॉ. विकास, विशिष्ट अतिथि राजयोगी भारत भूषण, पीयूष एवं सेवाकेंद्र संचालिका ब्रह्माकुमारी पुष्पा बहन द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। अतिथियों ने नशामुक्त समाज के निर्माण पर जोर देते हुए कहा कि युवाओं को नशे की लत से बचाना आज की सबसे बड़ी सामाजिक जिम्मेदारी है। वक्ताओं ने कहा कि नशामुक्ति केवल व्यक्तिगत संकल्प नहीं, बल्कि परिवार, समाज और राष्ट्र के उज्ज्वल भविष्य का आधार है। स्वस्थ और जागरूक नागरिक ही विकसित भारत के सपने को साकार कर सकते हैं। अभियान के तहत 6 से 20 अगस्त तक देशभर में विभिन्न जागरूकता कार्यक्रम, प्रतिज्ञा समारोह, रैलियां एवं जनसंपर्क अभियान आयोजित किए जाएंगे। आयोजकों ने आम जनता से इस महाअभियान से जुड़कर नशामुक्त और स्वस्थ भारत के निर्माण में सक्रिय भागीदारी निभाने की अपील की है। कार्यक्रम का कुशल संचालन ब्रह्माकुमारी प्रभा बहन द्वारा किया गया।

गर्व की बात : रॉयल किड्स कान्वेंट के लव्यांश ने इंटरनेशनल कराटे चैंपियनशिप में मारी बाजी

कोलकाता में आयोजित प्रतियोगिता में जीता स्वर्ण और कांस्य पदक

राजनांदगांव (दावा)। रॉयल किड्स कान्वेंट के होनहार छात्र लव्यांश लहरी (पिता किशोर लहरी, माता अंजलि लहरी) ने कोलकाता में आयोजित इंटरनेशनल कराटे चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण और कांस्य पदक पर कब्जा जमाया है। रियो दो संगठन द्वारा हांशी प्रेमिथ सेन के नेतृत्व में आयोजित इस अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में नौ देशों के सैकड़ों खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया था। लव्यांश ने प्रतियोगिता में कुल 4 राउंड खेलते हुए सभी प्रतिद्वंद्वियों को पछाड़कर फाइट कैटेगरी में स्वर्ण पदक और काता कैटेगरी में कांस्य पदक अपने नाम किया।

लव्यांश की इस उपलब्धि पर शाला परिवार में हर्ष का माहौल है। इस अवसर पर संस्था की अध्यक्षा डॉ. सविता जेबी सिंह, उपाध्यक्ष अशोक चौधरी, प्रशासक संजय बहादुर सिंह, बोर्ड मेंबर टी.एस. बग्गा, सावंत बहादुर सिंह, जन्मेजय बहादुर सिंह, श्रेयांश बहादुर सिंह, मनीषा सिंह, पूजा सिंह, जानवी सिंह, ईला सिंह, बर्सर आई.के. वैष्णव, एकेडमिक डायरेक्टर अभिषेक खंडेलवाल, प्राचार्या एकता खंडेलवाल, ममता मिश्रा, सरिता सिंह, अपर्णा वर्मा एवं समस्त शिक्षक-शिक्षिकाओं ने लव्यांश को उज्ज्वल भविष्य का आशीर्वाद व बधाई दी।

पहला कॉलम...

किसानों के पंजीयन में रोड़ा और परिवार में बखेड़ा : कांग्रेस

परिवार को तोड़ने की साजिश कर रही सरकार : रूपेश

राजनांदगांव (दावा)। छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रवक्ता रूपेश दुबे ने राज्य की भाजपा सरकार पर धान खरीदी की जिम्मेदारी से बचने के लिए किसानों पर नए-नए नियम थोपने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि एग्री स्टैक पंजीयन के नाम पर किसान परिवारों में बंटवारा और विघटन कराने की साजिश रची जा रही है। जो कृषक परिवारों के साथ क्रूरता का प्रमाण है। प्रदेश प्रवक्ता रूपेश दुबे ने बताया कि एग्री स्टैक पोर्टल में पंजीयन के लिए शामिलात (संयुक्त) खाते वाले किसान परिवारों के सभी सदस्यों की उपस्थिति और पंजीयन अनिवार्य कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि सरकार आज तक इस पोर्टल के सर्वर को दुरुस्त नहीं कर सकी है। जिसके कारण बीते वर्ष भी लगभग 2 लाख किसान धान बेचने से वंचित रह गए थे। उन्होंने कहा कि संयुक्त खाते के सभी सदस्यों का पंजीयन अनिवार्य होने से परिवार के वे सदस्य (बहन, बेटी या भाई) जो विवाह या रोजगार के सिलसिले में अन्य जिलों या राज्यों में रहते हैं। उन्हें काम छोड़कर आना पड़ रहा है। सर्वर डाउन रहने के कारण उन्हें दो-तीन दिनों तक भटकना पड़ता है। जिससे उनके रोजगार पर विपरीत प्रभाव पड़ रहा है और परिवारों में दरार व बंटवारे के हालात बन रहे हैं। रूपेश दुबे ने आरोप लगाया कि धान खरीदी से बचने के लिए सरकार यह साजिश रच रही है।

आयुष पॉलीक्लीनिक में पौधरोपण संपन्न

राजनांदगांव (दावा)। महापौर मधुसूदन यादव आयुष पॉलीक्लिनिक दीनदयाल नगर चिखली राजनांदगांव परिसर में आयोजित पौधरोपण कार्यक्रम में शामिल हुए। कार्यक्रम में एक पेड़ माँ के नाम एवं जहां हरियाली वहां खुशहाली का संदेश देते हुए बड़ी संख्या में पौधरोपण किया गया। महापौर ने पौधरोपण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया तथा नागरिकों को पर्यावरण व स्वास्थ्य संरक्षण के लिए पौधरोपण करने प्रोत्साहित किया। इस अवसर पर नगर निगम आयुक्त जीआर मरकाम ने प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के संबंध में विस्तार से जानकारी दी तथा जनमानस को योजना का लाभ लेने तथा सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित करने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में नीम, कचनार, तुलसी, अमलतास, आंवला, कदम, अर्जुन, रीठा, हर्रा, मुनगा, बहेड़ा, शिकाकाई, अश्वगंधा, जामुन, पलाश, बेल सहित अन्य औषधी वनस्पति, फलदार एवं छायादार पौधों का रोपण किया गया।

इंडियन चैलेंजर्स कप अंतर्राष्ट्रीय कराते स्पर्धा में संस्कारधानी ने जीते 11 पदक

संस्कारधानी के कराते खिलाड़ियों ने देश के लिए जीता 2 स्वर्ण, 1 रजत एवं 8 कांस्य पदक, महापौर ने विजेता खिलाड़ियों का बढ़ाया उत्साह

राजनांदगांव (दावा)। इंडियन चैलेंजर्स कप अंतर्राष्ट्रीय कराते प्रतियोगिता 2026 में छत्तीसगढ़ राज्य का प्रतिनिधित्व करने वाली टीम में राजनांदगांव के खिलाड़ियों ने देश के लिए 2 स्वर्ण, 1 रजत एवं 8 कांस्य पदक सहित कुल 11 पदक जीतकर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। प्रतियोगिता के बाद विजेता खिलाड़ियों ने वरिष्ठ कराते प्रशिक्षक सेंसई कमल पूजन के नेतृत्व में मोतीपुर स्थित महापौर निवास पहुंचकर महापौर मधुसूदन यादव से सौजन्य मुलाकात की और अपनी उपलब्धियों से अवगत कराया।

वरिष्ठ कराते प्रशिक्षक कमल पूजन ने महापौर को बताया कि शेईशिनकाई शितोरियू कराते डू फेडरेशन एवं कराते डू एसोसिएशन बंगाल के संयुक्त तत्वावधान में नेताजी इंडोर स्टेडियम, कोलकाता (पश्चिम बंगाल) में 31 जुलाई से 2 अगस्त तक इस प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था। इसमें टीम कोच सेंसई शशांक गुप्ता (छत्तीसगढ़ राज्य प्रमुख) के नेतृत्व में राजनांदगांव, दुर्ग, बिलासपुर एवं रायपुर के खिलाड़ियों ने भारत का प्रतिनिधित्व किया। प्रतियोगिता में 9 देशों के 8,900 से अधिक खिलाड़ियों ने भाग लिया था।

राजनांदगांव जिले के पदक विजेता खिलाड़ियों में काजल यादव : स्वर्ण पदक (काता-कुमिते फाइट), लव्यांस लहरी: 1 स्वर्ण एवं 1 कांस्य पदक (काता-कुमिते), कैटरीयल दान : 1 रजत एवं 1 कांस्य पदक (काता-कुमिते), आदित्य राज देवांगन : 1 कांस्य पदक (काता), अरनव साहू : 2 कांस्य पदक (काता-कुमिते), थलेश्वरी मेश्रामः 1 कांस्य पदक (कुमिते) व पलक नेमा 2 कांस्य पदक (काता-कुमिते) आदि है। ये सभी खिलाड़ी स्थानीय तुलसीपुर में सेंसई कमल पूजन से निरंतर कराते का प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं। महापौर मधुसूदन यादव ने सभी विजेता खिलाड़ियों को मेडल पहनाकर बधाई दी और उन्हें भविष्य में भी इसी तरह उत्कृष्ट प्रदर्शन कर देश व प्रदेश का नाम रोशन करने के लिए प्रेरित किया।

सनातन धर्म महिला मंडल : ममता अवस्थी बनी उपाध्यक्ष, जिला पदाधिकारियों की हुई घोषणा

जल्द बनाई जाएगी पूर्ण कार्यकारिणी, सनातन धर्म की ध्वजा फहराने में महिलाएं निभाएंगी अग्रणी भूमिका

राजनांदगांव (दावा)। सनातन धर्म प्रदेश महिला अध्यक्ष श्रीमती मौसमी शर्मा, प्रदेश सचिव श्रीमती ममता शर्मा, प्रदेश महामंत्री श्रीमती सुषमा सिंह एवं प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ. श्वेता शर्मा की अनुशंसा पर सनातन धर्म महिला मंडल के गठन की प्रक्रिया पूरी कर ली गई है।

इसी क्रम में आज जिला पदाधिकारियों का मनोनयन कर कार्यकारिणी गठन की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। घोषित जिला पदाधिकारियों में श्रीमती ममता सोनी को जिलाध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गई है। वहीं विभिन्न संगठनों में सक्रिय रहीं श्रीमती ममता अवस्थी को उपाध्यक्ष का महत्वपूर्ण दायित्व दिया गया है। श्रीमती निमिषा ठक्कर भी उपाध्यक्ष का कार्यभार संभालेंगी। सचिव पद की जिम्मेदारी संयुक्त रूप से श्रीमती मीना पांडे एवं श्रीमती सुनीता सोनी को सौंपी गई है। इसके साथ ही सह-सचिव श्रीमती अभिलाषा ठाकुर एवं श्रीमती मोहिनी शुक्ला, सांस्कृतिक प्रभारी श्रीमती निधि बाजपेई एवं श्रीमती सविता जोशी, मीडिया प्रभारी श्रीमती सुधा तिवारी एवं श्रीमती मंजूषा बाजपेई व मुख्य सलाहकार श्रीमती रंजना शर्मा को बनाया गया है। नवनियुक्त पदाधिकारियों ने बताया कि सनातन धर्म के प्रचार-प्रसार और सामाजिक कार्यों के लिए जल्द ही कार्यकारिणी का विस्तार कर अन्य सदस्यों की घोषणा की जाएगी।

गुजराती स्कूल के दो विद्यार्थियों का संभाग स्तरीय कराटे प्रतियोगिता के लिए चयन, विद्यालय में खुशी की लहर

रियांस साहू और नवाज खान 10 अगस्त को भिलाई में दिखाएंगे अपना दम

राजनांदगांव (दावा)। जिला शिक्षा अधिकारी द्वारा आयोजित जिला स्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता के अंतर्गत कस्तूरबा स्कूल में कराटे स्पर्धा का आयोजन किया गया। इसमें गुजराती राष्ट्रीय उच्चतर माध्यमिक शाला के दो होनहार विद्यार्थियों- कक्षा 10वीं के छात्र रियांस साहू (अंडर-19) और कक्षा 8वीं के छात्र नवाज खान (अंडर-17) का चयन संभाग स्तरीय कराटे प्रतियोगिता के लिए हुआ है। दोनों चयनित खिलाड़ी 10 अगस्त को भिलाई के लिए रवाना होंगे।

इस उपलब्धि पर विद्यालय परिवार, अभिभावकों और विद्यार्थियों में भारी उत्साह है। प्राचार्या श्रीमती सुषमा शुक्ला ने चयनित खिलाड़ियों को बधाई देते हुए कहा कि अनुशासन, समर्पण और निरंतर अभ्यास ही सफलता की कुंजी है। उन्होंने उम्मीद जताई कि दोनों विद्यार्थी संभाग स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन कर जिले का नाम रोशन करेंगे। उपप्राचार्या श्रीमती अर्पणा श्रीवास्तव ने कहा कि खेल व्यक्तित्व विकास और आत्मविश्वास का सबसे बड़ा माध्यम है। कराटे प्रशिक्षक सुधा साहू एवं अनुसुईया साहू ने बताया कि खिलाड़ियों ने कठिन परिश्रम से यह मुकाम हासिल किया है। संस्था के अध्यक्ष विनय पटेल, उपाध्यक्ष पवन पटेल, सचिव सीए रूपम सोनछात्रा, कोषाध्यक्ष हिमांशु पटेल, कार्यकारिणी सदस्य सूरज बुद्धदेव, पीयूष पटेल सहित समस्त शाला प्रबंधन एवं शिक्षकों ने खिलाड़ियों को अपनी शुभकामनाएं दीं और हरसंभव सहयोग का भरोसा जताया।

बारिश ने खोली निर्माण कार्यों की पोल : शहर की सड़कों की दुर्गति, आवाजाही में लोग परेशान

जगह-जगह पर उभरे जानलेवा गड्ढे और जलजमाव, घटिया निर्माण के चलते पहली ही बारिश में उखड़ीं लाखों की सड़कें

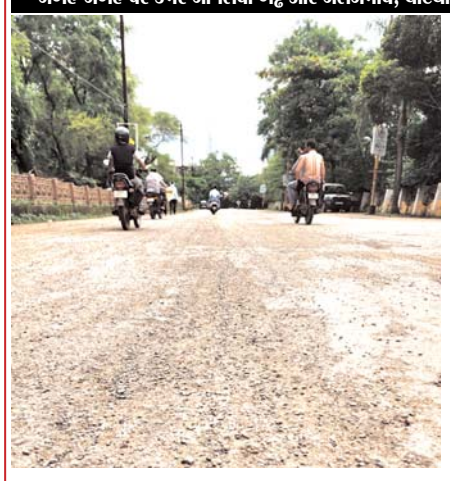

राजनांदगांव (दावा)। जिले में पिछले कुछ दिनों से हो रही रुक-रुक कर और तेज बारिश ने शहर की सड़कों के दावों की पूरी पोल खोलकर रख दी है। शहर की लगभग हर मुख्य सड़क बारिश के पानी से उधड़ चुकी है। बारिश की बूंदों से डामर उखड़ गया है और सड़कों पर नुकीली गिट्टियां फैल गई हैं, जिससे पैदल चलने वाले राहगीरों के पैरों में छालें पड़ रहे हैं। वहीं वाहन चालकों को छलनी हो चुकी सड़कों, गहरे गड्ढों और दरारों के बीच से जोखिम भरा सफर तय करना पड़ रहा है, जिससे आए दिन दुर्घटनाएं हो रही हैं।

प्रमुख समस्याएँ एवं प्रभावित इलाके

नगर निगम के पास महावीर चौक में कैंटीन के समीप सड़क पर एक बड़ा गड्ढा बन गया है। इसमें बारिश का पानी भरा रहने के कारण चालक गड्ढे का अंदाजा नहीं लगा पाते और आए दिन गिरकर हादसे का शिकार हो रहे हैं। जिला चिकित्सालय की पुरानी पार्किंग में बारिश के बाद भारी जलभराव और गंदगी की स्थिति निर्मित हो गई है। गंदगी और रुके हुए पानी के कारण इलाके में मच्छरों का प्रकोप तेजी से बढ़ा है। जिससे मलेरिया और टाइफाइड जैसी बीमारियों का खतरा मंडराने लगा है। दिग्विजय कॉलेज से जिला चिकित्सालय जाने वाली सड़क हो, रानी सागर रोड हो या फिर इंदिरा नगर से दुर्गा चौक व गांधी चौक तक की सड़कें– बारिश के आते ही इनकी परतें उखड़ गईं। बारिश के दौरान ही नगर निगम द्वारा डामरीकरण और सीमेंटीकरण का मरम्मत कार्य कराया जा रहा है, जो बारिश के पानी में बह जा रहा है और स्थिति जस की तस बनी हुई है।

घटिया निर्माण से ग्रामीण इलाकों की सड़कें भी जर्जर

सड़कों की दुर्गति केवल शहर तक सीमित नहीं है, बल्कि ग्रामीण क्षेत्रों की स्थिति भी बदतर है। ग्रामीणों का आरोप है कि ठेकेदारों द्वारा किए जा रहे घटिया निर्माण के कारण सड़कें पहली ही बारिश नहीं झेल पा रही हैं। करीब छह माह पूर्व मुख्यमंत्री ग्राम सड़क योजना के अंतर्गत 77 लाख की लागत से बनी जंग्लेसर-खैरा सड़क पहली ही बारिश में जगह-जगह से दरकने लगी है। ग्रामीणों का कहना है कि ठेकेदार ने निर्माण के दौरान बेस का बिल्कुल ध्यान नहीं रखा। डामरीकरण से पहले नियमानुसार मुरुम और गिट्टी का भराव ही नहीं किया गया, जिसके कारण सड़क पूरी तरह उखड़ रही है। संबंधित विभाग द्वारा समय पर मरम्मत न कराए जाने से ग्रामीणों में भारी नाराजगी व्याप्त है। ग्रामीणों एवं शहरवासियों ने घटिया निर्माण करने वाले ठेकेदारों और लापरवाह अधिकारियों पर सख्त वैधानिक कार्रवाई की मांग की है।

सुप्रीम कोर्ट के आदेश के पालन में टीईटी परीक्षा आयोजित करें राज्य सरकार : राजेश चटर्जी

लाखों शिक्षकों एवं उनके परिवारों में भविष्य को लेकर उपजी चिंता का समाधान करे सरकार : शिक्षक फेडरेशन

राजनांदगांव (दावा)। छत्तीसगढ़ प्रदेश शिक्षक फेडरेशन के प्रांताध्यक्ष राजेश चटर्जी, प्रांतीय प्रमुख महामंत्री सतीश ब्यौहरे, जिलाध्यक्ष पी.आर. झाड़े सहित पदाधिकारियों ने जानकारी दी कि शिक्षक पात्रता परीक्षा उत्तीर्ण न होने की स्थिति में माननीय सुप्रीम कोर्ट ने पुनर्विचार याचिका (सिविल) 1385/2025 के आदेश (29 मई 2026) के पैरा-34 में राहत दी है। सर्वोच्च न्यायालय ने निर्देश दिया है कि सभी राज्य सरकारों के सक्षम प्राधिकारी ञ्झञ्झ परीक्षा नियमित रूप से, अधिमानतः वर्ष में दो बार (छह महीने के अंतराल में) आयोजित करें, ताकि कार्यरत शिक्षकों को उचित अवसर मिल सके। सर्वोच्च न्यायालय ने कार्यरत शिक्षकों को परीक्षा उत्तीर्ण करने के लिए 31 अगस्त 2028 तक का समय निर्धारित किया है। इसके पूर्व पारित आदेश के अनुसार, जिनकी सेवा 5 साल से कम बची है। वे सेवानिवृत्ति तक पद पर बने रहेंगे किंतु पदोन्नति के दायरे में नहीं आएंगे। वहीं पदोन्नति के आकांक्षी शिक्षकों के लिए टेट अर्हता अनिवार्य होगी। फेडरेशन के पदाधिकारियों ने बताया कि छत्तीसगढ़ में टेट परीक्षा आयोजित करने की जिम्मेदारी छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मंडल की है। एनसीटीई के 23 अगस्त 2010 के राजपत्र से पूर्व नियुक्त शिक्षकों के लिए ञ्झञ्झ अनिवार्य नहीं था और छत्तीसगढ़ में भर्ती नियमों या नियुक्ति पत्रों में भी इसका उल्लेख नहीं था। ऐसे में यदि राज्य सरकार परीक्षा ही आयोजित नहीं करेगी तो शिक्षक इसमें सम्मिलित कैसे होंगे? फेडरेशन ने मांग की है कि छत्तीसगढ़ शासन भी उत्तर प्रदेश सहित अन्य राज्यों की तर्ज पर कार्यरत शिक्षकों के लिए विशेष विभागीय शिक्षक पात्रता परीक्षा (टेट) आयोजित करे, ताकि वर्षों से सेवा दे रहे शिक्षक 31 अगस्त 2028 की समय-सीमा के भीतर वैधानिक आवश्यकता को पूर्ण कर सकें और अवसरों के अभाव में किसी का भविष्य संकट में न पड़े।

फेडरेशन की शासन से अपील

शिक्षकों के सम्मान, आजीविका और भविष्य की रक्षा के लिए फेडरेशन ने मुख्यमंत्री, शिक्षा मंत्री, मुख्य सचिव, शिक्षा सचिव एवं व्यापम सचिव से सुप्रीम कोर्ट के आदेशानुसार राज्य में समयबद्ध तरीके से टेट आयोजित करने का आग्रह किया है। साथ ही प्रभावित शिक्षकों के लिए विशेष प्रशिक्षण, अध्ययन सामग्री और परीक्षा की तैयारी हेतु आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने का भी निवेदन किया है।

वंदेमातरम् 150वीं वर्षगांठ पर 7 से 15 अगस्त तक विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन

राजनांदगांव (दावा)। वंदे मातरम् 150वीं वर्षगांठ के अवसर पर तृतीय चरण 7 से 15 अगस्त (हर घर तिरंगा के साथ) जिला मुख्यालय, ब्लॉक मुख्यालय, ग्राम पंचायत, विद्यालय, महाविद्यालय में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। हर घर तिरंगा के साथ तिरंगा यात्रा, मशाल रैली एवं देशभक्ति गीत प्रतियोगिता, विचार गोष्ठी, संगोष्ठी एवं छत्तीसगढ़ी लोक नृत्य प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। राष्ट्रीय कार्यक्रम के अनुरूप राज्य क्षेत्र के सभी स्कूलों के बैंड द्वारा वंदे मातरम् से संबंधित संगीतमय कार्यक्रम विद्यालय एवं महाविद्यालय में आयोजित की जाएगी। जिसमें एनसीसी, एनएसएस, स्काउट-गाईड की भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी।

अनमोल दावा

"हीरे की अहमियत समझनी है तो अंधेरे में चमको, क्योंकि रौशनी में तो कांच भी चमकता है।

अंत में अब 'कॉकरोच' का लेबल!

सन् 2026 की 20 जुलाई से 25 जुलाई के बीच भारत में वह हुआ, जिसकी दुनिया के किसी लोकतांत्रिक देश ने कल्पना नहीं की। दुनिया के अखबारों, टीवी चैनलों और डिजिटल मंचों पर भारत बतौर 'कॉकरोच' की पहचान के साथ उभरा। कभी 'सांप-संपेरों के हिंदुस्तान' की इमेज थी। पर 1947 में स्वतंत्रता के बाद के दशकों में लोकतंत्र, भारत-निर्माण, आईटी, उभरती आर्थिकी, परमाणु ताकत, आईआईटी-आईआईएम सहित शिक्षा की बेहतरी तथा विशाल जनसंख्या के बाजार के नाते भारत प्रतिष्ठित हुआ। वह सब अब हाशिए में है और अब भारत 'कॉकरोच' है। भारत में मनुष्य, नवजात पीढ़ी 'कॉकरोच' है, जिस पर लाठियां, पैलेट गन की गोलियां बरसी। यह वैश्विक अजूबा है और तभी दुनिया के हर कोने में अखबारों के पहले पेज पर, बैनर हेडलाइंस, ब्रेकिंग न्यूज की तरह छपा। सवाल है, कौन दोषी, किसने कॉकरोच भारत बनाया है? क्या संघ परिवार और उसके प्रचारक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह नहीं? इसलिए 'कॉकरोच' फर्जी हिंदू राष्ट्र, फर्जी अमृतकाल का वह कलंक है, जिससे भले मोदी सरकार और भक्त हिंदू शर्मिंदा न हों, लेकिन विश्व मानव समाज अवश्य 145 करोड़ लोगों के भारत को जुगुप्सा, वितृष्णा से देख, समझ रहा है।

सोचें, इक्कीसवीं सदी में दुनिया में आगे भारत अब क्या इमेज लिए है? एक ऐसा देश, जो स्वयं को 'विश्वगुरु', 'लोकतंत्र की जननी', 'विकसित भारत' और 'विश्वबंधु' बताता है, वहां 'कॉकरोच' है, 'कॉकरोच राजनीति' है, 'कॉकरोच आर्थिकी' है, आदि-आदि। मोदी ने, अमित शाह ने पहले भारत के नागरिकों के आगे अनागरिक होने की तलवार लटकाई। पश्चिम बंगाल के लाखों दस्तावेज़युक्त वैध मतदाताओं को अनागरिक बनाकर उन्हें मताधिकार से बाहर किया। इसे चुनाव आयोग, सुप्रीम कोर्ट ने अपराध नहीं माना। फिर पूरे भारत के नागरिकों में ही मनुष्य को सर्वोच्च अदालत से 'कॉकरोच' परजीवी होने की तख्ती मिली! बावजूद इसके हिंदू राष्ट्र के भक्त हिंदुओं को शर्म नहीं आई, न ग्लानि हुई। इन हिंदुओं के हिंदू होने के डीएनए की सचमुच जांच होनी चाहिए। ये कौन से, क्या हिंदू हैं, इसका जवाब सनातन धर्म का शायद ही कोई ग्रंथ दे पाए। मैं हिंदू हूं, राष्ट्रवादी हूं और मुझे इतना सामान्य ज्ञान है कि सनातन धर्म में मानव जन्म को परम प्राप्ति कहा गया है। जन्म-जन्मांतर के विश्वासी हम सनातनियों का मूल सूत्र है कि मनुष्य, ईश्वर की सबसे बड़ी कृति है। भगवान ने (श्रीमद्भागवत पुराण 11.9.29) अपनी मायाशक्ति से वृक्ष, सरीसृप (सांप आदि), पशु, पक्षी, मच्छर, मछलियां आदि अनेक योनियां बनाईं। परंतु उन्हें तब तक संतोष नहीं हुआ, जब तक उन्होंने मनुष्य शरीर की रचना नहीं की। और ईश्वर स्वयं मनुष्य शरीर में ब्रह्म (ईश्वर) को जानने और देखने की बुद्धि देखकर अत्यंत प्रसन्न हुए। ऐसा ही आदि शंकराचार्य का दिया सूत्र (विवेकचूड़ामणि, श्लोक 2) है कि समस्त प्राणियों में मनुष्य जन्म सबसे दुर्लभ है। मनुष्य होने के बाद पुरुषत्व, फिर वैदिक धर्म का मार्ग जानना, फिर विद्वान होना, और उसके बाद आत्मा-अनात्मा का विवेक प्राप्त करके ब्रह्म में स्थित होना, यह सब सौ करोड़ जन्मों के पुण्यों के बिना संभव नहीं है।

तभी, जब मैंने चीफ जस्टिस का 'कॉकरोच' वाला वाक्य और बाद में उनकी सफाई सुनी, तो बतौर ब्राह्मण मुझे ग्लानि हुई कि हम आज के ब्राह्मण कैसे हैं! कितने अविवेकी, बुद्धिहीन हो गए हैं! देश की सर्वोच्च अदालत का चीफ जस्टिस मनुष्य पर 'कॉकरोच' का लेबल चस्पां कर रहा है! जाहिर है, चीफ जस्टिस का विवेक भी नरेंद्र मोदी नाम के कथित कल्कि अवतार के समय में ब्राह्मणों के विवेक, पुरुषत्व, ज्ञान और बुद्धि, सभी के पतन की बानगी है। सोचें, गंभीरता से सोचें कि चीफ जस्टिस के साथी जजों से लेकर सर्वज्ञ, अजैविक भगवान नरेंद्र मोदी, उनकी सरकार के मंत्रियों, संघ और हिंदू साधु-संतों में किसी के भीतर भी इस शब्द को बदलवाने, शब्द-वापसी, पछतावा, शर्म या खेद प्रकट कराने की बुद्धि या हिम्मत नहीं आई। जबकि आदि शंकराचार्य ने मनुष्य के पुरुषत्व (सत्यनिष्ठ निर्भयता), विद्वत्ता तथा आत्मा-अनात्मा के विवेक के माध्यम से ब्रह्म में स्थित होने तक की क्षमता में हर मनुष्य से मानवीय व्यवहार और संवेदना की अपेक्षा की है।

जार्ज ऑरवेल का एक महान उपन्यास है, 'एनिमल फार्म'। इसमें मनुष्य की प्रवृत्तियों की वास्तविकताओं पर पशुओं के जंगल राज की कहानी है। उन्होंने दिखाया है कि कैसे सुअर सत्ता हथिया लेते हैं और समानता के नाम पर नया अत्याचार खड़ा कर देते हैं। लेकिन ऑरवेल भी यह नहीं सोच सकते थे कि किसी लोकतंत्र में, मानव समाज में मनुष्यों की तुलना कीड़े-मकोड़ों, कॉकरोचों से होगी और शासन फिर इन कॉकरोचों को आंसू गैस के गोलों से खत्म करने के आदेश देगा।

इसलिए मसला गहरा है। लोकतांत्रिक व्यवस्था में एक नागरिक को (भले वह परजीवी हो) 'कॉकरोच' करार देना नए भारत के वर्तमान और भविष्य की दशा-दिशा है। पिछले बारह वर्षों से सरकार ने नौजवानों (बहुसंख्य आबादी को ही) अवसरों से वंचित किया है। किसानों को उनकी फसल का वाजिब दाम नहीं मिल रहा। लोगों को सही शिक्षा, सही चिकित्सा और बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराने के बजाय उन्हे पैसा बांटकर, झांसा देकर परजीवी और आश्रित बनाया है। बेमतलब की डिग्रियां बांटी जा रही हैं। परीक्षाओं के नाम पर लूट है, झांसा है। स्वाभाविक है कि सामान्य छात्र हो या वकीलों तथा स्नातक-स्नातकोत्तर डिग्रियां लिए नौजवान, बेगारी का जीवन जीते हुए है। यूथ (जैसे सुनवाई के लिए सुप्रीम कोर्ट पहुंचे वकील थे) भटकते-भटकते अन्याय और अवसरों की गुहार लगाता है, तो उसे क्या तमगा मिलता है? 'कॉकरोच' (परजीवी)! और फिर दुनिया के आगे 'कॉकरोच भारत'! याद करें पिछले बारह वर्षों के अनुभवों पर। मोदी सरकार ने लोगों को (उनकी देखा-देखी बाकी सरकारों और पूरी राजनीति ने भी) लाभार्थी, खैराती और परजीवी बनाने का मिशन चला रखा है, और फिर उनकी नागरिकता पर भी सवाल खड़ा किया।

भारतीय हॉकी टीम की जर्सी को लेकर बेवजह विवाद

ललित किशोर नारंग

भारतीय हॉकी खिलाडियों मे सबसे सर्वश्रेष्ठ खिलाडी हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद हुए है। इनकेअलावा रूपसिंह, जेंटल, बलबीरसिंह सीनियर, शंकर लक्ष्मण, अजीतपाल सिंह, सुरजीतसिंह, अशोक कुमार, गोविंदा, गणेश, मों शाहीद, परगट सिंह, धनराज पिल्ले आदि आदि का नाम आता हैं।

भारत ने 1928 एमस्टरडम नीदरलैंड ओलंपिक से हॉकी में अपना सफर शुरू करते हुए लगातार आठ ओलंपिक प्रतिस्पर्धा में स्वर्ण पदक अपने नाम करते हुए एक अद्भुत रिकॉर्ड स्थापित किया है ! ओलंपिक मे कोई अन्य देश इस रिकार्ड के कही आस- पास भी नजर नहीं आता ! ओलंपिक के अतिरिक्त हॉकी की विश्व कप स्पधा का शुभारंभ 1971 (बार्सिलोना -स्पेन) में हुआ था, जहां स्पेन को पराजित कर पाकिस्तान पहला विश्व चैम्पियन बन स्वण कप पर कब्जा करने मे कामयाबी हासिल की थी।

हॉकी भारत का राष्ट्रीय खेल है ! जितनी सफलता भारतीय खिलाडियों ने इस खेल में पायी है किसी अन्य दुसरे खेल में नहीं ! खेल जगत के मानचित्र मे भारत की पहचान इस शानदार खेल के कारण बनी हुई है !

भारत ने 1975 में हॉकी के तृतीय विश्व कप प्रतिस्पर्धा जो (क्वालालंपुर, मलेशिया) में आयोजित हुआ था, फायनल में एक रोचक व चुनौतिपूर्ण मुकाबले में अपने चिर प्रतिद्वंदी पाकिस्तान को फूल बैक सुरजीत सिंह व राइटइन अशोक ध्यानचंद के द्वारा किये गये गोल (2-1) से पराजित कर स्वर्ण कप पर फतह पाई थी।

आज भारतीय उप महाद्वीप के देशो मे हॉकी का स्थान क्रिकेट ने ले लिया है,हमारे भारत में ही गांव हो,कस्बे हो,या नगर चंहु ओर नई पीढि के खिलाडी युवा बच्चे सिर्फ क्रिकेट खेलने में मशगूल नजर आते हैं, कहने का आशय यह है.कि हॉकी तो अब नाम का राष्ट्रीय खेल रह गया है। लेकिन सामान्य तौरपर आज का बच्चा व युवा क्रिकेटर बनना चाहता है, और बने भी क्यो नहीं क्रिकेट मे जो पैसा है वह हॉकी जैसे खेल मे कतई संभव नही है। हमारे यहा हॉकी के पिछडने के पीछे एक मुख्य कारण इस खेल मे भारत-पाकिस्तान का प्राकृतिक घास के मैदान में कलात्मक खेल के.बदौलत जो दबदबा रहा है। उसे समाप्त करना था, ताकि दोनों पडोसी देश हॉकी के सिरमौर बने न रहे।इसलिए इस खेल के नियमो में समय समय पर इतने परिवर्तन/संशोधन किए गए है की इस खेल की मूल आत्मा को बार बार आघात पंहुचाया गया है! पहले खेल प्राकृतिक मैदान मे होता था जिसे कृत्रिम मैदान, पाली ग्रास, सुपर टर्फ, एस्ट्रो टर्फ में क्रमशः बदला गया। खेल का शुभारंभ 'बुलीऑफ' से होता था, लांगकार्नर लेने का तरीका आज के नियम से बिल्कुल भिन्न था, पेनाल्टी स्ट्रोक, ट्राइबेकर (अवरोध भंजक) आदि खेल से जुडी ये सारी बाते बदले हुए नियमों के परिपेक्ष में इस खेल को देखकर बहुत दुख होता है। आज भारत में भारतीय हॉकी टीम के लिए जो जर्सी (परिधान) को चयनित किया गया है, वह विवाद का प्रमुख मुद्दा है। जर्सी के भगवा रंग को 'राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ' से जोड़कर प्रतिपक्षी दलों के साथ-साथ हॉकी के कई नामचीन हस्तियों ने भी मुखर होकर अपनी आपत्ति दर्ज कराई है, और पहले की हल्के नीले आसमानी रंग की जर्सी को पुनःबहाल करने की राय दी है। वास्तव में जर्सी के रंग को लेकर यह विवाद अनावश्यक है। इससे भारतीय हॉकी का कोई भला होने वाला नहीं है. इसके स्थान पर समय-समय पर हॉकी के खेल में जो संशोधन हुए उसका प्रतिकार प्रभावशाली ढंग से भारत ने किया होता तो बात कुछ और होती। हम इस संदर्भ में फुटबॉल के खेल को देखकर ले वह आज भी अपने मूल रुपरेखा के साथ दिखाई देता है। मैदान, खेल के नियम वह आज भी वही बरसों पुराना मूल रुप से यथावत के यथावत है,और इसीलिए फुटबॉल दुनिया का सर्वाधिक लोकप्रिय खेल के रुप मे प्रतिष्ठित है। काश हॉकी खेल की भी ऐसी ही शानदार किस्मत होती।

आदर्श नगर, डोंगरगढ़ (मो. 94255-60463)

विचार सरिता

हँसी के किस्से : चमकी भाभी के घर बारिश में भीगते कपड़े, ध्यान दिलाया अलबेला ने

डॉ. योगेंद्र कुमार पांडेय

आखिर इमाइमा बरसात शुरु हो गई। यह भ्रम टूट गया कि इस बार बादल नहीं बरसने वाले हैं। थोड़ी ही देर की बारिश ने शहर को पानी से तरबतर कर दिया।गलियों और सड़कों में पानी जमा हो गया। बिट्टू और पिंकी स्कूल से घर आकर मोबाइल में अपनी आँखे गड़ाए बैठे थे। जब पानी गिरने की आवाज आई तो उन्होंने मोबाइल एक तरफ रखा और घर के बाहर की ओर भागने लगे।

श्रीमती रिमझिम ने चुहल करते हुए कहा, ''ऐसा कभी कभार ही होता है, जब तुम लोग बिना मोबाइल के खेलते हो। ज्यादा भीगना मत।''

बच्चे 21 वीं सदी के है। पिंकी ने मम्मी को पलटकर जवाब देते हुए कहा, ''बारिश में मोबाइल भीग जाएगा, नहीं तो उसे भी बाहर ले जाते। और बारिश तो बड़े इंतजार के बाद आई है,आज तो गली में जाकर भीगना बनता है।''

''हाँ जाओ! लेकिन संभलकर। और जल्दी वापस आ जाना।'' कवि कुमार ने बेटी के सुर में सुर मिलाते हुए कहा।

बिट्टू गली में आ चुका था। उसने पिंकी को आवाज देते हुए कहा, ''जल्दी आओ पिंकी! कहीं बारिश बंद न हो जाए।''

''हाँ भैया! आ गई।'' पिंकी ने घर की चहारदीवारी का गेट बंद कर बाहर आते हुए कहा।

दोनों भाई-बहन बारिश के पानी में छप-छप करने लगे। कवि तथा श्रीमती रिमझिम उन्हें घर के भीतर से बार-बार निर्देश देते रहे। बच्चे उनकी बातें अनसुनी कर पानी में भीगते रहे। बिट्टू और पिंकी को पानी में भीगते देखकर गंभीर कुमार के बच्चे रिंकी और चुहल भी घर से बाहर जाने की जिद करने लगे। गंभीर कुमार बच्चों की सुरक्षा को लेकर अतिरिक्त चिंतित रहते हैं, किंतु पत्नी चमकी ने बच्चों का पक्ष लेते हुए कहा, ''बाहर जाने दो जी। बच्चे है। अभी नहीं खेलेंगे, तो कब खेलेंगे?''

चमकी भाभी स्वयं वर्षा जल में भीगने के मूड में थीं। वे बच्चों के पीछे-पीछे बाहर आ गईं और बारिश की बूँदों को अपनी हथेलियों पर इकट्ठा करने लगीं।

पड़ोसी अलबेला जी बड़ी देर तक अपने घर की खिड़की से चमकी भाभी और बच्चों को बारिश में भीगते देखते रहे। फिर स्वयं गली में आ गए।

उन्हें देखकर चमकी भाभी ने कहा- ''अलबेला जी! आप पानी में भीगने क्यों आ रहे हैं?''

''आपके पास ही आ रहा था।'' अलबेला जी ने कहा।

चौंकते हुए चमकी भाभी ने कहा, ''क्यों? क्या बात हुई?''

''आपके वाशिंग एरिया में सूख रहे कपड़े और भीग जाएंगे। यही बताने के लिए।'' अलबेला जी ने अपने आने का ठोस कारण बताया।

चमकी भाभी कपड़े निकालने स्वयं तो भीतर नहीं गईं पर यह श्रम उन्होंने बाहर से आवाज देकर अपने पतिदेव से करवाया। अलबेला जी चमकी भाभी से बातें कर ही रहे थे। गंभीर कुमार से रहा नहीं गया। वे कपड़े निकालने के बाद घर से निकलवर गली में अपनी पत्नी चमकी के पास पहुंचे और अलबेला जी से कहा, यहाँ आकर बताने की क्या जरूरत थी? फोन ही कर लिया होता।

शब्द सामर्थ्य -121

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं
1. राजद प्रमुख 6. रखवाला, रक्षा करने वाला 7. दयालु, रहम करने वाला (उ.) 10. युग्म, जोड़ा, एक राशि, एक फिल्म अभिनेता 13. कैदखाना, जेल, हिरासत 15. जानकी, जनकनंदनी 17. व्यर्थ की बात, बकबक 18. नारी, स्त्री, महिला 21. विक्रय करना 22. वाणी, कथन, वादा 24. ताश में दस अंकों वाला पत्ता 25. नगर का, नागरिक, चतुर।

ऊपर से नीचे
1. बेफ्रिक, निश्चिंत, जिसे कोई परवाह न हो 2. मूर्ति 3. दोस्त, प्रेमी 4. कुशल, विशेषज्ञ 5. बगुला 8. झुका हुआ, झुकाया गया, नत 9. इधर-उधर, पास पड़ोस 11. किस्मत, तकदीर, भाग्य 14. बंदर, मर्कट, कपि 16. शक्तिशाली, बलवान 18. संतान, संतति 19. अस्तबल, घुड़साल 20. राजी करना, रूठे हुए को प्रसन्न करना 23. सरिता, नदिया, नद।

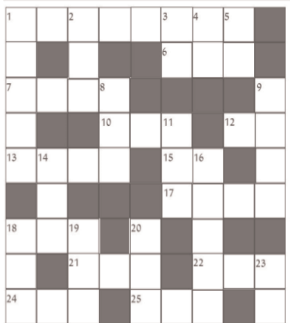

शब्द सामर्थ्य क्रमांक120 का हल

मा	म	ला		सि	वा	य			कि
लि		चा	ह	त		म	म		ता
क	सू	र		म	ग	न			ब
	र					द			
क	मा	न		पा	र	स			स
मी		म	जा	ल		न	क		ली
ना	दा	न		ना	र	द			का
	मि					तीं			
सु	नी	ल		अ	धी	र			जी

सू- दोकू क्र.121

	7				1		3	
1		9				5		
			3				1	
		5						3
3					2		5	
				3				2
	4						7	
7		8		1		6		
	6		7		9			1

नियम
1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गों का एक खंड बना है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक रख सकते है।
3. बाएं से दाएं और ऊपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.120 का हल

5	2	4	9	6	7	8	1	3
3	6	7	4	1	8	2	9	5
8	1	9	3	2	5	4	6	7
6	3	5	1	9	4	7	2	8
7	9	8	5	3	2	6	4	1
2	4	1	7	8	6	5	3	9
4	5	3	6	7	9	1	8	2
9	8	6	2	5	1	3	7	4
1	7	2	8	4	3	9	5	6

राशिफल

मेष
आज का दिन बढ़िया रहेगा। जमीन-जायदाद से जुड़ा रुका हुआ काम आज पूरा हो सकता है और पिछले कुछ समय से चल रही व्यस्तता के आज अच्छे परिणाम भी मिलेंगे। परिवार में सहयोग और उत्साह का माहौल बना रहेगा। इस राशि के कारोबारी अपनी प्लानिंग सबको न बताएं तो सफलता जरूर हासिल होगी।

वृष राशि
आज का दिन खुशियां लेकर आने वाला है। आप जिस काम के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं, आज उसके सकारात्मक परिणाम मिलने वाले हैं। प्रॉपर्टी से जुड़े लेनदेन में फायदेमंद डील हो सकती है, इसलिए इन कामों पर ध्यान केंद्रित रखें। विद्यार्थियों को किसी प्रतियोगी परीक्षा में सफलता मिलने की पूरी संभावना है। आज आत्मविश्वास बनाए रखें।

मिथुन
आज भाग्य आपका पूरा साथ देगा। कई उलझे सवालों के जवाब आज आपको मिल जायेंगे, कन्फ्यूजन की स्थिति खत्म होगी। किसी काम से आज आपको बड़ा फायदा होने वाला है, साथ ही अधूरा काम पूरा हो जायेगा। आज खर्च में इजाफा बचत को ज्यादा मुश्किल बना देगा। आज कुछ निजी काम में बहन का सहयोग उम्मीद से अधिक मिलने वाला है।

कर्क
आज का दिन अनुकूल रहने वाला है। जीवनसाथी आज कुछ ऐसा काम करेगा, जिसे देखकर आपका मन प्रसन्न हो जायेगा। कारोबार में आज कुछ ऐसी बाते सामने आएंगी जो भविष्य में फायदेमंद रहेगी। किसी नये काम की शुरूआत करना आपके लिये लाभदायक रहेगा। इस राशि के इंजीनियर्स के लिये आज का दिन अच्छा है।

सिंह
आज आपका दिन शानदार रहने वाला है। इस राशि के लोग आज समझदारी से काम करेंगे तो आपको फायदा जरूर होने वाला है। बैंकिंग सेक्टर से जुड़े लोगों के लिए दिन अच्छा है। पदोन्नती का अवसर मिलने के आसार बन रहे हैं। आज आपके मन में अधिक पैसे कमाने के नये विचार आयेंगें। मुश्किल परिस्थिति में आज किसी मित्र का सहयोग प्राप्त होगा।

कन्या
आज आपका दिन अच्छा रहेगा। अगर आज कहीं यात्रा पर जा रहे है तो फायदा होने वाला है। स्वास्थ्य आज थोड़ा डाउन हो सकता है, लेकिन समय से देखभाल करने से जल्द ही ठीक हो जायेगा। अगर आप यात्रा कर रहें है तो सभी जरूरी दस्तावेज साथ रखना न भूलें। आज आपका कठिन परिश्रम फलदायी सिद्ध होगा।

तुला
आज आपका मन अध्यात्म में अधिक लगा रहेगा। आज आप में प्रेरणा अधिक रहेगी नौकरीपेशा वालों आज आपका प्रभाव बढ़ेगा। इस राशि के विवाहित आज समारोह में जायेंगें। जहां किसी ऐसे व्यक्ति से मुलाकात होगी जिससे मिलकर आपका मन प्रसन्न हो जायेगा। किसी नये व्यापार में माता-पिता की राय कारगर साबित होने वाली है।

वृश्चिक
आज का दिन नई सौगात लेकर आयेगा। कारोबार में वृद्धि के लिये आज का दिन शुभ है। पहले से बनी योजनाओं को लागू करना आज ठीक रहेगा। आस-पास के लोग आज आपसे खुश रहेंगें। पुरानी टेंशन आज खत्म होगी। आज आप काम के प्रति सचेत रहें कोई विरोधी आपके व्यापार को नुकसान पहुंचाने की नाकामयाब कोशिश कर सकता है।

धनु
आज आपका दिन खुशहाल रहेगा। आज आपकी सेहत पहले से बेहतर होगी। हालात के उजले पहलू की ओर देखें और आप पाएंगे कि चीजें सुधर रही हैं। कॉलेज में दोस्तों के साथ हंसी-मजाक होगा साथ ही बीच में किसी बात को लेकर चर्चा भी हो सकती है। आज खुद को व्यर्थ के कामों से दूर रखें। वरना आपका अधिक समय फिजूल के कामों में निकल जायेगा।

मकर
आज का दिन बेहतरीन रहने वाला है। आज व्यापारियों के लिए दिन शुभ हैं। धनलाभ होने के आसार नजर आ रहे हैं। साझेदारी करना आज आपके लिये फायदेमंद रहेगा। जमीन से जुड़ा कोई बड़ा मामला सुलझ जायेगा। लाभ होने की सम्भावना बन रही है। करियर में आज कुछ बदलाव होने वाला है, तरक्की के नये रास्ते खुलेंगें। आपके मान-सम्मान में बढ़ोत्तरी होगी।

कुंभ
आज का दिन नया बदलाव लाने वाला है। प्रॉपर्टी डीलर के लिये आज का दिन अच्छा रहेगा। अचानक धनलाभ होगा। आर्थिक पक्ष मजबूत रहेगा। सुबह-सुबह व्यायाम करने से सेहत अच्छी बनी रहेगी। ऑफिस में आज आपकी परफॉरमेंस देखकर बॉस आपकी पदोन्नती पर विचार करेंगे। आज आप पूरे दिन एक्टिव रहेंगे, एक के बाद एक काम पूरे होंगे।

मीन
आज का दिन आपके लिये अच्छा रहने वाला है। आज आपके काम में आत्मविश्वास की झलक दिखाई देगी। आज आप दूसरों को अपनी बातों से अपनी ओर आकर्षित कर लेंगे। कोई रुका हुआ काम अपनों की मदद से पूरा हो जायेगा। इस राशि के छात्रों को आज प्रतियोगी परिक्षा से संबंधी कोई शुभ समाचार मिलने वाला है, जिसे सुनकर आपके चेहरे खिल उठेंगे।

सामयिक चर्चा

जो ईमानदार नहीं, उन्हें टिकिट नहीं!

खबर पढ़कर, खुश होकर,
बानी बोले- ''कभी-कभी
अच्छी खबर पढ़ने को मिलती है गजाधर !
सुनिए- सुप्रीम कोर्ट ने
बिना थर्ड पार्टी बीमा के चल रही गाड़ियों पर,
सख्त रूख अपनाते हुए केन्द्र सरकार को
पायलेट प्रोजेक्ट शुरू करने का निर्देश दिया है।
अदालत ने स्पष्ट किया है कि
जिन वाहनों का वैध थर्ड पार्टी बीमा नहीं होगा
उन्हें पट्रोल पम्प पर फ्यूल नहीं दिया जाए!
मतलब कि गजाधर!
उन्हें पेट्रोल नहीं मिलेगा!
ऐसी सख्त, किन्तु बढ़िया खबर पर,
गजाधर! आज आपका मन क्या कहेगा?''
मुस्कराकर बोले गजाधर -
''न्यायालय के हाईकमान
मतलब सुप्रीम कोर्ट के ऐसे निर्णय के तर्ज पर
पार्टी हाईकमान भी यह कड़ा फैसला करके
कि जिन नेताओं में ईमानदारी नहीं,
उन्हें चुनावी टिकिट नहीं मिलेगा।
इससे फिर क्या होगा बानी !
दूर होगी मतदाता की परेशानी।''
बुधवार 5 अगस्त 2026

गिरीश बख्शी

काव्य-प्रवाह

सावन के जादू
पंछी सुंदर कविता पढ़े
पंछी बोले सुंदर बोल
सावन के जादू ल देखो
मेंढक बजावे सुंदर ढोल।

- शत्रुघन सिंह राजपूत

विरह गीत

सावन आगे

सावन आगे,अगास म छागे,
बादर ह घनघोर,
लहुट के आगे सब परदेसी,
एक तोरे ही छोड़,
सजना दरस होही कब तोर?
नइहे आज ले तोर कोई सोर।
सजना.....?
नइहे.....।
असाढ़ बीतगे सावन आगे,
मोर तन विरह पिरा समागे,
आस के दीया बरथे-बुताथे,
लगथे कभू तेल सुखागे;
अउ कतका मोला तरसाबे
का सुरता नइ आवय मोर।
लहुट के आगे.....।
सजना दरस .....?
नइहे .....।
झन कर तैं मोर सपना चूरा,
तोर बिन मोर सिंगार अधूरा;
मैं राधा तैं मोर बनवारी,
मोर हिरदे मा झन मार तैं छुरा;
तोर बिना अँधियार हे हरदम
ये जिनगी हर मोर।
लहुट के आगे .....।
सजना दरस.....?
नइहे.....।
तोर बिन करुहा
कोयली के बोली,
सखी सहेली के हँसी-ठिठोली
सावन सबके जी ल जुड़ाथे,
मोर हिरदे मा बरत हे होली;
का परदेश म तैं भुलागे
मया-पिरित ल मोर।
लहुट के आगे.....।
सजना दरस.....?
नइहे.....।।

राम कुमार चन्द्रवंशी
बेलरगोंदी (छुरिया)
जिला-राजनांदगांव

प्रशासन की नाक के नीचे होती रही अवैध प्लाटिंग, अब बसने लगी अवैध कॉलोनी

रजिस्ट्री, नामांतरण और नक्शा प्रक्रिया पर उठे सवाल, राजस्व विभाग ने शुरू की जानकारी जुटाना

मोहला (दावा)। जिला मुख्यालय बनने के बाद मोहला क्षेत्र में कृषि भूमि की अवैध प्लाटिंग का मामला लगातार चर्चा में है। ग्राम पंचायत मोहला के आश्रित ग्राम चिलमटोला में कृषि भूमि को कथित रूप से आवासीय प्लॉट में बदलकर बिक्री किए जाने का मामला सामने आने के बाद प्रशासनिक हलकों में हलचल तेज हो गई है।

मामले के प्रकाश में आने के बाद राजस्व विभाग, उप पंजीयक कार्यालय तथा संबंधित पटवारी से जानकारी एकत्रित करने में जुट गया है। जानकारी के अनुसार चिलमटोला में कृषि भूमि पर बड़े पैमाने पर प्लाटिंग कर प्लॉट बेचे गए हैं। कई खरीदार यहां मकान निर्माण भी शुरू कर चुके हैं। जिससे क्षेत्र में धीरे-धीरे कॉलोनी का स्वरूप बनता दिखाई दे रहा है। हालांकि इस पूरे मामले की वैधानिक स्थिति को लेकर जांच जारी है।

ग्राम पंचायत से नहीं ली गई अनुमति

ग्राम पंचायत मोहला के सचिव कुबेर चोरिया ने बताया कि चिलमटोला स्थित संबंधित भूमि पर प्लाटिंग एवं निर्माण कार्य के लिए ग्राम पंचायत से किसी प्रकार की अनापत्ति या अनुमति नहीं ली गई है। उन्होंने कहा कि बिना अनुमति निर्माण होने से पंचायत को भी राजस्व की हानि हो रही है।

रजिस्ट्री प्रक्रिया पर भी उठे सवाल

मामले में यह सवाल भी उठ रहे हैं कि कृषि भूमि के छोटे-छोटे हिस्सों का लगातार पंजीयन कैसे होता रहा। आरोप है कि संबंधित भूमि की रजिस्ट्रियां नियमित रूप से की गईं। जिसके बाद नामांतरण तथा नक्शा विभाजन की प्रक्रिया भी पूरी की गई।

इससे संबंधित अधिकारियों की भूमिका पर भी सवाल खड़े हो रहे हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि जिस भूमि पर अवैध प्लाटिंग किए जाने के आरोप हैं, वहां बिजली के खंभे और अन्य सुविधाएं भी पहुंच चुकी हैं। ऐसे में यह सवाल उठ रहा है कि संबंधित विभागों द्वारा आवश्यक अनुमति और वैधानिक स्थिति की जांच किस स्तर पर की गई।

भूमि के पंजीयन के बाद नामांतरण और नक्शा विभाजन की कार्रवाई होने से संबंधित तहसीलदार और हल्का पटवारी की भूमिका को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं। हालांकि इस संबंध में अभी तक किसी अधिकारी का आधिकारिक पक्ष सामने नहीं आया है। राजस्व विभाग पूरे मामले की जानकारी एकत्रित कर रहा है और जांच के बाद नियमानुसार कार्रवाई की बात कही जा रही है।

शिकायत के बाद भी नहीं सुधरी व्यवस्था!

आदेश के बावजूद भृत्य कर रहा दवा वितरण, दो फार्मासिस्ट मौजूद फिर भी नियम ताक पर

गंडई-पंडरिया (दावा)। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र गंडई में बिना फार्मासिस्ट की योग्यता वाले भृत्य (चपरासी) से दवा वितरण कराने का मामला एक बार फिर गरमा गया है। हैरानी की बात यह है कि करीब एक महीने पहले इसी मामले की शिकायत पर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी (सीएमएचओ) ने भृत्य को दवा वितरण कार्य से तत्काल हटाने के सख्त निर्देश दिए थे।

इसके बावजूद वर्तमान में भी वही भृत्य मरीजों को दवाइयां बांटता नजर आ रहा है। सीएमएचओ कार्यालय द्वारा जारी आदेश में स्पष्ट कहा गया था कि बिना प्रशिक्षित फार्मासिस्ट के दवा वितरण करना नियमों के विरुद्ध है और इससे मरीजों के स्वास्थ्य व जीवन पर गंभीर असर पड़ सकता है।

आदेश में दिए गए थे ये स्पष्ट निर्देश

संबंधित भृत्य को दवा वितरण कार्य से तत्काल हटाया जाए। भृत्य को केवल ओपीडी कक्ष में पर्ची काटने एवं प्रभारी अधिकारी द्वारा सौंपे गए अन्य कार्यों में लगाया जाए। बिना फार्मासिस्ट योग्यता के दवा बांटना गैरकानूनी है, अतः इसकी पुनरावृत्ति न हो। जानकारी के अनुसार, वर्तमान में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र गंडई में दो फार्मासिस्ट पदस्थ हैं। इनमें से एक फार्मासिस्ट कुछ दिनों की छुट्टी पर थे। जो अब वापस ड्यूटी पर लौट चुके हैं। इसके बावजूद मरीजों का आरोप है कि दोनों फार्मासिस्टों की मौजूदगी में भी मेडिकल कक्ष में भृत्य ही दवाइयों का वितरण कर रहा है। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि क्या स्वास्थ्य विभाग के बड़े अधिकारियों के आदेश सिर्फ कागजों तक सीमित हैं?

बीएमओ बोले- जांच कर की जाएगी सख्त कार्रवाई

मामले में बीएमओ छुट्टीखदान मनीष बघेल का कहना है कि पूर्व में शिकायत मिलने पर भृत्य को केवल पर्ची काटने का काम सौंपने के निर्देश दिए गए थे। यदि अब भी वह दवा बांट रहा है तो इसकी जानकारी लेकर कार्रवाई की जाएगी। वर्तमान में दोनों फार्मासिस्ट अस्पताल में कार्यरत हैं।

उठ रहे गंभीर सवाल

दो फार्मासिस्टों की मौजूदगी के बाद भी भृत्य से दवा क्यों बंटवाई जा रही है? क्या सीएमएचओ के विभागीय आदेश की अवहेलना की जा रही है? गलत दवा वितरण से मरीजों की जान से खिलवाड़ हुआ तो जिम्मेदार कौन होगा? क्या प्रशासन इस लापरवाही पर जिम्मेदारों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करेगा?

पहला कॉलम...

सुपात्र को दिया गया दान ही जीवन को सार्थक बनाता है : साध्वी आज्ञांजनाश्रीजी म.सा.

डोंगरगांव (दावा)। नगर के श्री शांतिनाथ जैन श्वेताम्बर मंदिरजी में चातुर्मास के अंतर्गत आयोजित प्रातःकालीन धर्मसभा में साध्वी आज्ञांजनाश्रीजी म.सा. ने कहा कि दान तभी सार्थक होता है। जब वह सुपात्र को श्रद्धा और विवेकपूर्वक दिया जाए। जैन धर्म में गुरु भगवंतों एवं साधु-साध्वियों को सर्वोत्तम पात्र माना गया है। उन्होंने बताया कि पूर्वभव में शालीभद्र द्वारा गुरु भगवंत को आहार-पानी का लाभ देने का पुण्य ही अगले जन्म में उनके वैभव और आध्यात्मिक उन्नति का आधार बना। साध्वीजी ने कहा कि परमात्मा की आज्ञा का पालन करना ही वास्तविक आनंद का मार्ग है। मंदिर में तिलक लगाना केवल परंपरा नहीं, बल्कि एक संकल्प का प्रतीक है, जो मनुष्य को सत्कर्म करने की प्रेरणा देता है।

श्रेणिक राजा और भद्रा सेठानी का सुनाया प्रसंग

प्रवचन के दौरान साध्वीजी ने मगध के राजा श्रेणिक और भद्रा सेठानी का प्रेरक प्रसंग सुनाते हुए कहा कि संपत्ति का वास्तविक सौंदर्य अहंकार में नहीं, बल्कि उसके सदुपयोग, उदारता और धर्मभाव में है। केवल धन से सुख नहीं खरीदा जा सकता, सच्चा सुख पुण्य, सम्यक दर्शन और धर्ममय जीवन से प्राप्त होता है। जब पुण्य और पुरुषार्थ साथ होते हैं। तभी लक्ष्मी स्थायी बनती है और आत्मा के कल्याण का मार्ग प्रशस्त होता है।

मां बम्लेश्वरी मंदिर ट्रस्ट समिति द्वारा रजत पदक विजेता ज्ञानेश्वरी यादव का किया सम्मान

डोंगरगढ़ (दावा)। कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में रजत पदक जीतकर संस्कारधानी और पूरे प्रदेश को गौरवान्वित करने वाली राजनांदगांव की होनहार बेटी ज्ञानेश्वरी यादव ने बुधवार 5 अगस्त को डोंगरगढ़ पहुंचकर मां बम्लेश्वरी देवी के दर्शन किए। ज्ञानेश्वरी ने ऊपर मंदिर में मां बम्लेश्वरी के दर्शन कर अपने उज्ज्वल भविष्य के लिए आशीर्वाद प्राप्त किया और तत्पश्चात नीचे स्थित मंदिर में भी पूजा-अर्चना की। श्री बम्लेश्वरी मंदिर ट्रस्ट समिति के मंत्री व वरिष्ठ अधिवक्ता महेंद्र परिहार ने बताया कि नीचे मां बम्लेश्वरी मंदिर परिसर में ट्रस्ट समिति की ओर से रजत पदक विजेता ज्ञानेश्वरी यादव का भव्य नागरिक अभिनंदन किया गया। इस दौरान उन्हें मां बम्लेश्वरी देवी की छायाचित्र, चुनरी एवं प्रशस्ति पत्र भेंटकर सम्मानित किया गया। सम्मान समारोह के दौरान ट्रस्ट मंडल के अध्यक्ष मनोज अग्रवाल, उपाध्यक्ष चंद्र प्रकाश मिश्रा, उपाध्यक्ष अनिल गट्टानी, कोषाध्यक्ष पीतांबर स्वामी, सहमंत्री बबलू शांडिल्य, नितिन हरिप्रसाद अग्रवाल, योगेश अग्रवाल, संजय श्रीवास्तव, प्रकाश बिंदल, संजीव गोमास्ता, गौतमचंद चोपड़ा, श्रीमती सुषमा कोठारी सहित ट्रस्ट के कर्मचारी, नगर के गणमान्य नागरिक और पत्रकार बंधु बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। सभी ने ज्ञानेश्वरी को उनकी इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर बधाई दी।

प्रेस क्लब ऑफ डोंगरगढ़ ने रजत पदक विजेता ज्ञानेश्वरी यादव का किया सम्मान

डोंगरगढ़ (दावा)। कॉमनवेल्थ गेम्स की महिला 53 किलोग्राम भारोत्तोलन स्पर्धा में रजत पदक जीतकर देश एवं प्रदेश का नाम रोशन करने वाली राजनांदगांव की होनहार बेटी ज्ञानेश्वरी यादव ने आज सुबह मां बम्लेश्वरी मंदिर डोंगरगढ़ पहुंचकर पूजा-अर्चना की और देश व प्रदेश की खुशहाली की कामना की। इस अवसर पर प्रेस क्लब ऑफ डोंगरगढ़ की ओर से ज्ञानेश्वरी यादव को गुलदस्ता भेंटकर उनका आत्मीय स्वागत व नागरिक अभिनंदन किया गया। इस दौरान प्रेस क्लब के अध्यक्ष उत्तम समुंदे, सचिव खूबचंद चौधरी, कोषाध्यक्ष महेश सहारे तथा पत्रकार साथी राजा शर्मा, दीपक साखरे, महेंद्र बंटी शर्मा, शशांक उपाध्याय, सचिन जाम्भुरकर सहित प्रेस क्लब के अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

सिर्फ फुटकर कार्रवाई या सट्टे के बड़े खेल पर पर्दा?

दो महीने में तीन कार्रवाई... फिर भी क्यों नहीं थम रहा कारोबार? गंडई में अब बड़े खाईवालों तक कानून का हाथ पहुंचने का इंतजार

गंडई-पंडरिया (दावा)। गंडई क्षेत्र में अवैध सट्टे का कारोबार एक बार फिर पुलिस और जनता के बीच चर्चा का विषय बना हुआ है। पुलिस समय-समय पर कार्रवाई कर रही है, लेकिन क्षेत्र में यह सवाल लगातार उठ रहा है कि यदि कार्रवाई प्रभावी है, तो सट्टे की गतिविधियां पूरी तरह बंद क्यों नहीं हो रही हैं?

क्या केवल पर्ची लिखने वालों तक सीमित है कार्रवाई?

स्थानीय लोगों का कहना है कि सट्टा कोई एक व्यक्ति अकेले नहीं चलाता, इसके पीछे एक बड़ा नेटवर्क काम करता है। पुलिस की कार्रवाई अब तक केवल निचले स्तर पर पर्ची काटने वालों तक सीमित नजर आ रही है। जिससे इस अवैध कारोबार की जड़ों को खत्म कर पाना संभव नहीं हो पा रहा है। क्षेत्र के नागरिकों का मानना है कि यदि सट्टे पर वास्तविक अंकुश लगाना है, तो कार्रवाई मुख्य संचालकों, बड़े खाईवालों और आर्थिक रूप से लाभ लेने वाले सफेदपोशों तक पहुंचनी चाहिए।

इस संबंध में गंडई थाना प्रभारी शिवप्रसाद गेंदले ने बताया कि मुझे गंडई थाना का कार्यभार ग्रहण किए लगभग दो महीने हुए हैं। इस दौरान सट्टे के तीन मामलों में कार्रवाई की गई है। फिलहाल पर्ची लिखने वालों पर गाज गिरी है, लेकिन मुख्य संचालकों तक पहुंचने के लिए जांच जारी है। पुलिस पूरे नेटवर्क और फंडिंग की गहनता से पड़ताल कर रही है। थाना प्रभारी के इस बयान के बाद जनता में ठोस परिणाम मिलने की उम्मीद जगी है। लोगों का कहना है कि जांच केवल फाइलों तक सीमित न रहकर मुख्य सरगनाओं के चेहरों को बेनकाब करने वाली होनी चाहिए।

जनता की प्रमुख मांगें

सट्टे के पूरे नेटवर्क और सिंडिकेट का खुलासा किया जाए। मुख्य संचालकों और खाईवालों की पहचान कर उन पर कठोर दंडात्मक कार्रवाई हो। सट्टे में होने वाले आर्थिक लेन-देन और फंडिंग की बारीकी से जांच हो। पुलिस अपनी कार्रवाई के परिणामों को सार्वजनिक करे ताकि कानून व्यवस्था पर आमजन का भरोसा मजबूत हो सके। अब पूरे गंडई क्षेत्र की निगाहें पुलिस की आगामी कार्रवाई पर टिकी हैं। देखना होगा कि क्या पुलिस सट्टे के इस बड़े नेटवर्क को ध्वस्त कर पाती है या बड़े खाईवाल कानून की पकड़ से दूर ही रहेंगे।

नीरज विद्या मंदिर में कौशल बोध के तहत बेकिंग वर्कशॉप

बच्चों को सिखाए गए विभिन्न प्रकार के केक बनाने के तरीके

डोंगरगांव (दावा)। नगर की प्रतिष्ठित शिक्षण संस्था नीरज विद्या मंदिर (सीबीएसई), मोहड़ में 'कौशल बोध' गतिविधि के अंतर्गत बेकिंग कार्यशाला का सफल आयोजन किया गया। इस वर्कशॉप में कक्षा 6वीं से 8वीं तक के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस अवसर पर संस्था की एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर श्रीमती पुष्पा बाजपेयी एवं प्रशासक श्रीजीराम सिन्हा विशेष रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम के प्रारंभ में प्राचार्य जिवेश द्विवेदी ने कौशल आधारित शिक्षा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि विद्यार्थियों में किताबी ज्ञान के साथ-साथ व्यावहारिक कौशल का होना अनिवार्य है। जिससे भविष्य में उन्हें करियर चयन में आसानी होगी। उन्होंने मुख्य अतिथि इंटीरियर डिजाइनर एवं प्रोफेशनल केक आर्टिस्ट सृष्टि जैन का आत्मीय स्वागत किया। कार्यशाला के दौरान सृष्टि जैन ने लगभग तीन घंटे तक विद्यार्थियों को विभिन्न प्रकार के केक बनाने की तकनीकें सिखाईं। जिसके बाद बच्चों ने खुद भी केक तैयार किए। कार्यक्रम का संचालन एवं जानकारी संस्था के व्याख्याता डॉ. लोकेश शर्मा द्वारा दी गई।

भाजयुमो मंडल की हुई प्रथम कार्यशाला : युवाओं को मिला संगठन और नेतृत्व का मार्गदर्शन

डोंगरगांव (दावा)। भारतीय जनता युवा मोर्चा (भाजयुमो) मंडल डोंगरगांव द्वारा आयोजित प्रथम एक दिवसीय मंडल कार्यशाला भव्य एवं गरिमामय माहौल में संपन्न हुई। इस कार्यशाला में डोंगरगांव मंडल के अंतर्गत आने वाले सभी क्षेत्रों के युवा मोर्चा पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं और बूथ स्तर के युवाओं ने बड़ी संख्या में हिस्सा लिया। भाजयुमो डोंगरगांव अध्यक्ष दानेश्वर शरद वैष्णव (सरपंच ग्राम पंचायत कोहका) ने बताया कि कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य मंडल स्तर पर युवा मोर्चा संगठन को मजबूत बनाना, कार्यकर्ताओं को पार्टी की नीति-रीति से अवगत कराना तथा आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार करना था।

संगठन की मजबूती और जनसेवा पर जोर

कार्यक्रम के दौरान वरिष्ठ नेताओं एवं मुख्य वक्ताओं ने युवाओं को संगठन की कार्यप्रणाली, अनुशासन और बूथ स्तर पर कार्य करने के प्रभावी तरीकों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। साथ ही युवाओं को केंद्र एवं राज्य सरकार की जन-कल्याणकारी योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने और सोशल मीडिया के माध्यम से संगठन के विचारों को प्रसारित कर नए युवाओं को जोड़ने का दायित्व सौंपा गया। कार्यशाला में मुख्य रूप से भरत वर्मा, लक्ष्मीनारायण गुप्ता, रामकुमार गुप्ता, जागृति यदु, अंजू त्रिपाठी, दयानंद सेन, हेमंत चोपड़ा, सतीश पांडे, श्रेणिक बोथरा, सागर वर्मा, मनीष साहू, हिना मंगल जैन सहित भाजपा एवं युवा मोर्चा के वरिष्ठ पदाधिकारी, मंडल अध्यक्ष, कार्यसमिति सदस्य व सैकड़ों युवा कार्यकर्ता उपस्थित रहे। समापन सत्र में सभी कार्यकर्ताओं ने बूथ स्तर पर सक्रिय रहकर संगठन को मजबूत करने का संकल्प लिया।

स्मार्ट मीटर से जनता परेशान, भाजपा सरकार पर लगाया आरोप - विभा साहू

भाजपा सरकार पर बिजली बिल बढ़ाने का लगाया आरोप, स्मार्ट मीटर को बताया अनावश्यक बोझ

राजनांदगांव (दावा)। प्रदेश कांग्रेस कमेटी की संयुक्त महासचिव एवं जिला पंचायत सदस्य श्रीमती विभा साहू ने स्मार्ट मीटर योजना को लेकर भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने आरोप लगाया कि स्मार्ट मीटर लगने के बाद उपभोक्ताओं के बिजली बिल दोगुने से लेकर तीन से चार गुना तक बढ़ गए हैं। इससे आम और गरीब परिवारों का मासिक बजट पूरी तरह गड़बड़ा गया है और लोगों में सरकार के खिलाफ भारी आक्रोश है। श्रीमती साहू ने बयान जारी कर कहा कि प्रदेश में लगाए जा रहे स्मार्ट मीटर जनता पर अनावश्यक लादा गया उपकरण हैं। जो सरकार के लिए कमाई का जरिया बन चुके हैं।

उन्होंने कहा कि पहले के पारंपरिक मीटर उपभोक्ताओं के लिए बेहतर थे। अब बढ़ी हुई दरों के हिसाब से बिल डेढ़ गुना होना चाहिए था, लेकिन उपभोक्ताओं को 400 रुपये की जगह सीधे 1500 से 2000 रुपये तक के बिल थमाए जा रहे हैं। जब उपभोक्ता शिकायत करते हैं तो कोई समाधान निकालने के बजाय उन्हें शांत करा दिया जाता है।

वास्तविक खपत से अधिक रीडिंग का आरोप

जिला पंचायत सदस्य ने आरोप लगाया कि स्मार्ट मीटर में बिजली की खपत वास्तविक से अधिक दर्ज हो रही है। कई उपभोक्ताओं की शिकायत है कि एक यूनिट की खपत पर दो से ढाई यूनिट तक दर्ज हो रहा है। उन्होंने मांग की कि स्मार्ट मीटर की तकनीकी और पारदर्शी जांच कराई जाए।

उन्होंने कहा कि बिजली आज की अनिवार्य जरूरत है, इसलिए लोग मजबूरी में बढ़ा हुआ बिल भरने को विवश हैं। श्रीमती साहू ने शासन से मांग की है कि स्मार्ट मीटर से जुड़ी सभी शिकायतों की जांच कराई जाए, गड़बड़ियों को तत्काल दूर किया जाए और उपभोक्ताओं को राहत देने के लिए पुनः पुराने मीटर लगाने का विकल्प दिया जाए।

खैरागढ़ कांग्रेस ने कलेक्टर से स्वतंत्र जांच की मांग की : 29 लाख की सीसी सड़क पर सियासत तेज

ठेकेदार और पालिका प्रशासन की मिलीभगत का आरोप, कार्रवाई न होने पर उग्र आंदोलन की चेतावनी

खैरागढ़ (दावा)। शहर के इतवारी बाजार स्थित रावणभाठा में बन रही लगभग 29 लाख रुपये की लागत की सीसी सड़क को लेकर विवाद गहराता जा रहा है। नगर पालिका द्वारा प्रारंभिक जांच में निर्माण कार्य को मानकों के अनुरूप बताए जाने के बाद अब शहर कांग्रेस ने मामले में मोर्चा खोलते हुए कलेक्टर से स्वतंत्र एजेंसी द्वारा तकनीकी जांच कराने की मांग की है। कांग्रेस ने चेतावनी दी है कि यदि निष्पक्ष जांच कर दोषियों पर कार्रवाई नहीं की गई तो उग्र आंदोलन किया जाएगा।

कलेक्टर के नाम अपर कलेक्टर को सौंपे गए ज्ञापन में कांग्रेस ने आरोप लगाया कि सड़क निर्माण में टेंडर और प्राक्कलन के नियमों की अनदेखी की जा रही है। निर्धारित मोटाई में जीएसबी (ग्रेन्युलर सब-बेस) बिछाकर रोलर से समतलीकरण करने के बजाय केवल नाममात्र की बारीक गिट्टी डालकर खानापूर्ति की जा रही है। नेताओं का कहना है कि रावणभाठा बाढ़ प्रभावित क्षेत्र है। ऐसे में घटिया निर्माण से भविष्य में सड़क क्षतिग्रस्त होगी और शासकीय धन का नुकसान होगा।

अधिकारियों और ठेकेदारों पर साधा निशाना

शहर कांग्रेस अध्यक्ष डॉ. अरुण भारद्वाज ने बताया कि वे इस मामले की शिकायत नगरीय प्रशासन दुर्ग के संयुक्त संचालक और रायपुर के निदेशक से कर चुके हैं और अब स्वतंत्र जांच हेतु कलेक्ट्रेट में ज्ञापन दिया गया है। वहीं विधायक प्रतिनिधि मनराखन देवांगन ने कहा कि पूर्व में शिकायतों के बाद काम रोका गया था, लेकिन बिना किसी निष्पक्ष जांच के दोबारा निर्माण शुरू कर दिया गया। जिससे पालिका प्रशासन की भूमिका पर सवाल उठ रहे हैं।

भाजपा का पलटवार

दूसरी ओर, भाजपा ने कांग्रेस के इन आरोपों को पूरी तरह राजनीतिक से प्रेरित बताया है। भाजपा का कहना है कि शहर में हो रहे विकास कार्यों को अवरुद्ध करने के उद्देश्य से कांग्रेस बेवजह विवाद खड़ा कर रही है। ज्ञापन सौंपने के दौरान नेता प्रतिपक्ष दीपक देवांगन, यतेंद्र जीत सिंह, पूरन सारथी, किशन रजक, शेखर दास वैष्णव, सूर्यकांत यादव, महेश यादव, चंद्रशेखर वर्मा, राहुल लहरे, सुहैल खान 'रानू' सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता और वार्डवासी मौजूद रहे ।

विधायक भोलाराम साहू ने कुदाली चलाकर 9.91 लाख के चबूतरा निर्माण कार्य का किया भूमिपूजन

छुरिया (दावा)। विकासखंड छुरिया के ग्राम आतरगांव स्थित धान खरीदी केंद्र में 9.91 लाख रुपये की लागत से बनने वाले चबूतरा निर्माण कार्य का भूमिपूजन खुज्जी विधायक भोलाराम साहू द्वारा कुदाली चलाकर विधिवत संपन्न किया गया। इस अवसर पर विधायक भोलाराम साहू ने कहा कि किसानों की सुविधा और धान खरीदी व्यवस्था को सुगम व व्यवस्थित बनाने की दिशा में यह एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने उपस्थित अधिकारियों को निर्माण कार्य में गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखने और कार्य को निर्धारित समय-सीमा में पूरा करने के निर्देश दिए। कार्यक्रम में सरपंच खुशबू डामन साहू, कुमरदा ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष प्रताप धावड़े, सेक्टर प्रभारी सुरेश पटेल, परिक्षेत्र साहू समाज के अध्यक्ष भालचंद साहू, समिति प्रबंधक देवलाल कोलयारे, उपसरपंच निलेश्वर, केशव भाई, डाकेश्वर, ढालचंद, टुमेश्वर, डेरहा धनकर, मनखुशी साहू, बूथ अध्यक्ष टेनलाल, डामन साहू, श्यामलाल, रिखीराम, शकुंतला वैष्णव, राजकुमारी, ललिता, सुशीला साहू सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, किसान एवं ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

पहला कॉलम...

सोने और चांदी की कीमतों में तेजी

नई दिल्ली। बुधवार को सोने और चांदी की कीमतों में जोरदार तेजी देखी जा रही है। हफ्ते के तीसरे दिन जहां सोने के भाव में लगभग 1.50 प्रतिशत की बढ़त देखने को मिल रही है, तो वहीं दूसरी तरफ चांदी की कीमतें 2 प्रतिशत से भी ज्यादा की तेजी के साथ कारोबार कर रही है। बताते चलें कि सोने और चांदी के भाव में कल भी शानदार तेजी देखने को मिली थी। बुधवार को सुबह लगभग 11.19 बजे, 5 अक्टूबर की डिलीवरी वाला सोना 2114 रुपये (1.47 प्रतिशत) की बंपर तेजी के साथ 1,46,413 रुपये प्रति 10 ग्राम के भाव पर कारोबार कर रहा था। आज सोने ने 512 रुपये की बढ़त लेकर 1,44,811 रुपये प्रति 10 ग्राम के भाव पर कारोबार शुरू किया था, जो मंगलवार को 1,44,299 रुपये प्रति 10 ग्राम के भाव पर बंद हुआ था। खबर लिखे जाने तक, सोने का भाव 1,46,537 रुपये प्रति 10 ग्राम के इंट्राडे हाई से लेकर 1,44,811 रुपये प्रति 10 ग्राम के इंट्राडे लो तक पहुंच चुका था। यानी, कल के बंद भाव की तुलना में आज सोने की कीमतें 2,238 रुपये तक बढ़ चुकी हैं।

आरबीआई एमपीसी ने रेपो रेट को स्थिर रखा, नहीं बढ़ेगी ईएमआई

मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति कमेटी (आरबीआई-एमपीसी) के फैसले का ऐलान बुधवार को गवर्नर संजय मल्होत्रा ने किया। केंद्रीय बैंक ने इस बार भी रेपो रेट को 5.25 प्रतिशत पर स्थिर रखा है। यह लगातार चौथा मौका है, जब आरबीआई एमपीसी ने ब्याज दरों में कोई बदलाव नहीं किया है।

आरबीआई एमपीसी की तीन दिवसीय बैठक 3 अगस्त को शुरू हुई थी। यह बैठक ऐसे समय पर हुई है, जब वैश्विक स्तर पर अस्थिरता बनी हुई है और इससे कच्चे तेल की कीमत बढ़ने के कारण महंगाई का खतरा बना हुआ है। ऐसे में ब्याज दरों को स्थिर रखना और अर्थव्यवस्था की वृद्धि दर को बढ़ावा देगा। इससे पहले जून 2026, अप्रैल 2026 और फरवरी 2026 की एमपीसी बैठक में केंद्रीय बैंक ने ब्याज दरों को स्थिर रखा था। रेपो रेट में आखिरी बार बदलाव दिसंबर, 2025 की आरबीआई एमपीसी की बैठक में किया गया था। इस दौरान रेपो रेट को 5.50 प्रतिशत से घटाकर 5.25 प्रतिशत कर दिया था। आरबीआई के द्वारा अपनी मौद्रिक नीति समीक्षा में रेपो रेट को यथावत रखने के फैसले से सबसे बड़ी राहत उन लाखों लोगों को मिलेगी, जिन्होंने होम लोन, कार लोन या अन्य फ्लोटिंग ब्याज दर वाले लोन लिया हुआ है। रेपो रेट में कोई बढ़ोतरी नहीं होने से उनकी मासिक ईएमआई फिलहाल नहीं बढ़ेगी, जिससे घरेलू बजट पर अतिरिक्त दबाव नहीं पड़ेगा।

ईंधन कीमतों को काबू में रखने के लिए सरकार जारी रखेगी राहत उपाय

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में जारी तनाव और उससे तेल एवं गैस की कीमतों में आई तेजी के बीच केंद्र सरकार ने कहा है कि वह पेट्रोल और डीजल की कीमतों को नियंत्रण में रखने के लिए आगे भी आवश्यक वित्तीय और प्रशासनिक कदम उठाती रहेगी। सरकार का कहना है कि उपभोक्ताओं पर बढ़ती वैश्विक ऊर्जा कीमतों का बोझ कम से कम पड़े, इसके लिए स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है। राज्यसभा में एक प्रश्न के लिखित उत्तर में वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने बताया कि इस साल सरकार ने पेट्रोल और डीजल पर लगने वाली विशेष अतिरिक्त उत्पाद शुल्क में 10 रुपए प्रति लीटर की कटौती की थी। यह फैसला पश्चिम एशिया में बढ़े तनाव के कारण अंतरराष्ट्रीय बाजार में ईंधन कीमतों में आई तेजी के प्रभाव को कम करने के लिए लिया गया था। मंत्री ने बताया कि शुल्क में इस कटौती के कारण वित्त वर्ष 2026-27 में सरकार को लगभग 1.23 लाख करोड़ रुपए के राजस्व का नुकसान होने का अनुमान है। हालांकि, इससे आम उपभोक्ताओं को राहत मिली और सार्वजनिक क्षेत्र की तेल विपणन कंपनियों (ओएमसी) को भी बढ़ती लागत के दबाव से कुछ हद तक राहत मिली।

शेयर बाजार में भारी उतार-चढ़ाव

नई दिल्ली। बुधवार को घरेलू शेयर बाजार में भारी उतार-चढ़ाव देखने को मिला। हफ्ते के तीसरे ट्रेडिंग सेशन में बाजार ने बंपर बढ़त के साथ कारोबार शुरू किया था। लेकिन, अंत में सेंसेक्स और निफ्टी दोनों ही प्रमुख एक्सचेंज मामूली तेजी के साथ बंद हुए। आज बीएसई सेंसेक्स 152.05 अंकों (0.19त्न) की मामूली तेजी के साथ 78,581.00 अंकों पर बंद हुआ। जबकि, एनएसई का निफ्टी 50 इंडेक्स आज 9.75 अंकों (0.04 प्रतिशत) की बेहद ही साधारण बढ़त लेकर 24,624.65 अंकों पर बंद हुआ। बताते चलें कि आज सेंसेक्स 626.43 अंकों की शानदार तेजी के साथ खुला था और निफ्टी ने 54.30 अंकों की तेजी के साथ कारोबार शुरू किया था। बुधवार को सेंसेक्स की 30 में से 17 कंपनियों के शेयर बढ़त के साथ हरे निशान में बंद हुए और बाकी की 12 कंपनियों के शेयर गिरावट के साथ लाल निशान में बंद हुए और एटरनल का शेयर बिना किसी बदलाव के बंद हुआ।

जॉस बटलर को मिली सुपर जायंट्स टीम की कमान

एडन मार्करम ने सीजन के बीच में छोड़ा टीम का साथ

नई दिल्ली। इंग्लैंड में इन दिनों द हंड्रेड 2026 के मुकाबले खेले जा रहे हैं। इस सीजन के बीच में मैनचेस्टर सुपर जायंट्स की टीम को एक बाद झटका लगा है। दरअसल रूस्त्र के रेगुलर कप्तान एडन मार्करम इस सीजन के बचे हुए मुकाबलों से बाहर हो गए हैं। व्यक्तिगत कारणों की वजह से उन्होंने इस टूर्नामेंट से हटने का फैसला किया है। उनके रिप्लेसमेंट के तौर पर न्यूजलैंड के अनुभवी ऑलराउंडर माइकल ब्रेसवेल को टीम में शामिल किया गया है। अब बचे हुए मैचों में मैनचेस्टर की कप्तानी जॉस बटलर करेंगे।

साउथ अफ्रीका के बल्लेबाज एडन मार्कराम सुपर जायंट्स फ्रेंचाइजी की तीनों टीमों लखनऊ, डरबन और मैनचेस्टर के लिए खेलते हैं। मार्च में हुई ऑक्शन के बाद, उन्हें द हंड्रेड टूर्नामेंट के लिए मैनचेस्टर की मेंस टीम का कप्तान चुना गया था। उनकी टीम ने इस सीजन की शुरुआत दो जीत के साथ की थी, लेकिन इसके बाद उन्हें लगातार तीन मैचों में हार का सामना करना पड़ा है। वहीं मार्करम की फॉर्म की बात करें तो वह उतना अच्छा नहीं रहा है। शुरुआती चार पारियों में उन्होंने सिर्फ 67 रन बनाए, लेकिन रविवार को द ओवल मैदान पर उन्होंने एक शानदार अर्धशतक लगाया। मैनचेस्टर सुपर जायंट्स फ्रेंचाइजी ने बुधवार को यह स्पष्ट किया कि उनके मेंस टीम के कप्तान एडेन मार्करम निजी कारणों से अपने देश साउथ अफ्रीका वापस चले गए हैं। फ्रेंचाइजी से जुड़े सभी लोग इस समय एडन को शुभकामनाएं देना चाहते हैं और इस साल की प्रतियोगिता के दौरान टीम में उनके योगदान के लिए उन्हें धन्यवाद देना चाहते हैं। उनकी गैरमौजूदगी में अब जॉस बटलर टीम की कप्तानी संभालेंगे। वे 5 अगस्त को एमिरेट्स ओल्ड ट्रैफर्ड में वेल्श फायर के खिलाफ होने वाले मैच से कप्तान की जिम्मेदारी निभाएंगे। इस मैच में बटलर के पास इतिहास रचने का मौका होगा।

बटलर इससे पहले भी द हंड्रेड के पहले तीन सीजनों में मैनचेस्टर की टीम (तब मैनचेस्टर ओरिजिनल्स) के कप्तान रह चुके हैं।

बाबर आजम ने शर्मनाक लिस्ट में कर ली वसीम अकरम की बराबरी

जावेद मियांदाद का नाम टॉप पर

नई दिल्ली। पाकिस्तान की टीम वेस्टइंडीज के खिलाफ दूसरा टेस्ट मैच पोर्ट ऑफ स्पेन में खेल रही है। इस मैच में पाकिस्तान के टेस्ट कप्तान बाबर आजम के पास शतक लगाने का शानदार मौका था, लेकिन वह सेंचुरी के करीब आकर रन आउट हो गए। इस पारी में वह 88 रन बनाकर पवेलियन लौटे। इस रन आउट होने के साथ ही बाबर आजम टेस्ट में पाकिस्तान की तरफ से सबसे ज्यादा बार रन आउट होने के मामले में दूसरे नंबर पर पहुंच गए हैं। इस लिस्ट में उन्होंने वसीम अकरम और अजहर अली की बराबरी कर ली है।

बाबर आजम टेस्ट में 7 बार रन आउट हो चुके हैं। पाकिस्तान के लिए टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा बार रन आउट होने का शर्मनाक रिकॉर्ड पूर्व बल्लेबाज जावेद मियांदाद के नाम है। वह टेस्ट में 8 बार रन आउट हुए थे। वहीं बाबर आजम के अलावा अजहर अली और पूर्व पाक तेज गेंदबाज वसीम अकरम भी 7 बार टेस्ट में रन आउट हो चुके हैं। अब अगर बाबर एक और बार रन आउट होते हैं तो वह इस लिस्ट में जावेद मियांदाद के साथ संयुक्त रूप से टॉप पर पहुंच जाएंगे।

सिनसिनाटी ओपन में हिस्सा नहीं लेंगे अल्काराज

ओहायो। विश्व के नंबर 2 टेनिस खिलाड़ी कार्लोस अल्काराज सिनसिनाटी ओपन में हिस्सा नहीं लेंगे। स्पेन का यह खिलाड़ी अपनी कलाई की चोट से उबरने में नाकाम रहा है, जिसके चलते उन्होंने टूर्नामेंट से अपना नाम वापस ले लिया है। टूर्नामेंट के आयोजक ने बुधवार को अल्काराज के टूर्नामेंट से हटने की पुष्टि की। उन्होंने बताया, कार्लोस अल्काराज सिनसिनाटी ओपन से हट गए हैं। हमारे 2025 के चैंपियन को ठीक होने के लिए शुभकामनाएं। अगले साल आपका स्वागत करने का इंतजार नहीं कर सकते। अल्काराज ने आखिरी बार अप्रैल में बार्सिलोना ओपन टूर्नामेंट खेला था। उससे ठीक पहले, अप्रैल की शुरुआत में ही वो मोंटे-कार्लो मास्टर्स के फाइनल तक पहुंचे थे। एटीपी विन/लॉस इंडेक्स के अनुसार, 23 साल के अल्काराज का इस सीजन में 22-3 का रिकॉर्ड है, और वह एटीपी रैंकिंग में विश्व के नंबर 2 खिलाड़ी हैं। अल्काराज ने अपने सीजन की शानदार शुरुआत की थी और ऑस्ट्रेलियन ओपन का खिताब जीतकर करियर ग्रैंड स्लैम पूरा किया।

भारत बनाम श्रीलंका : नेट गेंदबाज के तौर पर टीम इंडिया से जुड़े हर्ष, तनुष, विपराज और शिवांग

कोलंबो । श्रीलंका के खिलाफ 15 अगस्त से शुरू हो रही दो मैचों की टेस्ट सीरीज में भारतीय बल्लेबाजों की मदद की खातिर हर्ष दुबे, तनुष कोटियन और विपराज निगम और कलाई के स्पिनर शिवांग कुमार को बतौर नेट गेंदबाज टीम से जोड़ा गया है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने बुधवार को एक आधिकारिक अपडेट में कहा, हर्ष दुबे, शिवांग कुमार, तनुष कोटियन और विपराज निगम श्रीलंका के खिलाफ पहले टेस्ट की तैयारी में टीम की मदद करने के लिए नेट गेंदबाज के तौर पर भारतीय टीम में शामिल हुए हैं। यह जानकारी शुभमन गिल की कप्तानी वाली टीम के नॉनडेस्क्रिप्ट्स क्रिकेट क्लब (एनसीसी) ग्राउंड पर अपना पहला प्रैक्टिस सेशन शुरू करने के बाद दी गई। हालांकि, इन चारों खिलाड़ियों के मुख्य टीम या प्लेइंग इलेवन में शामिल होने की संभावना कम ही है, लेकिन यह अनुभव उनके लिए सीखने और आगे बढ़ने का एक बड़ा मौका है। घरेलू क्रिकेट में विदर्भ के लिए खेलने वाले बाएं हाथ के स्पिन-बॉलिंग ऑलराउंडर दुबे ने इस साल की शुरुआत में अफगानिस्तान के खिलाफ अपना वनडे डेब्यू किया था। वह अफगानिस्तान के खिलाफ एकमात्र टेस्ट, इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे वनडे मैच और जिम्बाब्वे में टी20 इंटरनेशनल सीरीज के लिए भी टीम का हिस्सा थे। वहीं, मुंबई के ऑफ-स्पिनर कोटियन ने पिछले दो सीजन में घरेलू क्रिकेट में लगातार अच्छा प्रदर्शन किया है। वह 2024/25 बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी सीरीज के लिए भी भारतीय टीम में रविचंद्रन अश्विन की जगह शामिल किए गए थे, जिन्होंने ब्रिस्बेन में तीसरे मैच के बाद इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास की घोषणा की थी।

लेग-स्पिनर विपराज निगम जून में श्रीलंका में हुई 50 ओवर की ट्राई सीरीज के दौरान भारत ए टीम का हिस्सा रहे थे। वह इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में दिल्ली कैपिटल्स की तरफ से अपना दमखम दिखा चुके हैं। घरेलू क्रिकेट में मध्य प्रदेश का प्रतिनिधित्व करने वाले और आईपीएल 2026 में सनराइजर्स हैदराबाद के लिए खेलने वाले शिवांग, जून में न्यू चंडीगढ़ में अफगानिस्तान के खिलाफ एकमात्र टेस्ट से पहले भारतीय टीम के लिए नेट बॉलर थे। कोलंबो के एनसीसी में 7 से 9 अगस्त तक तीन दिन के प्रैक्टिस मैच में हिस्सा लेने के बाद, भारतीय टीम गॉल जाएगी, जहां 15 अगस्त से सीरीज का पहला टेस्ट मैच खेला जाना है।

ऑस्ट्रेलिया बनाम बांग्लादेश : स्टार्क के निशाने पर होगा कपिल देव और स्टेन का बड़ा रिकॉर्ड

ब्रिस्बेन। बांग्लादेश के खिलाफ 13 अगस्त से शुरू हो रही दो मैचों की टेस्ट सीरीज में मिचेल स्टार्क के निशाने पर कपिल देव और डेल स्टेन का बड़ा रिकॉर्ड होगा। हालांकि, स्टार्क का कहना है कि व्यक्तिगत उपलब्धि उनके लिए टीम के बाद आती है। दरअसल, टेस्ट क्रिकेट में मिचेल स्टार्क ने अब तक कुल 433 विकेट चटकाए हैं। वहीं, क्रिकेट के सबसे लंबे फॉर्मेट में कपिल देव ने 434 और डेल स्टेन ने 439 विकेट निकाले हैं। अब अगर स्टार्क बांग्लादेश के खिलाफ टेस्ट सीरीज में कुल मिलाकर 7 विकेट लेने में सफल रहते हैं, तो वो कपिल देव और स्टेन दोनों को एक साथ पीछे छोड़ देंगे। हालांकि, स्टार्क का कहना है कि व्यक्तिगत उपलब्धियां दूसरे नंबर पर आती हैं क्योंकि ऑस्ट्रेलिया का लक्ष्य अगले साल ओवल में होने वाले वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल के लिए प्वाइंट हासिल करना है। बुधवार को आईसीसी ने स्टार्क के हवाले से कहा, इसका मतलब है कि मैंने काफी क्रिकेट खेला है। उन खिलाड़ियों (कपिल देव और डेल स्टेन) के साथ मेरा नाम लिया जाना बहुत अच्छी और विनम्रता वाली बात है। हालांकि, जब आप खेल रहे होते हैं, तो इन बातों का बहुत ज्यादा मतलब नहीं होता। आप बहुत आगे की नहीं सोचते।

ऑस्ट्रेलिया अभी डब्ल्यूटीसी स्टैंडिंग में पहले स्थान पर मौजूद है। ऑस्ट्रेलिया के लिए बांग्लादेश सीरीज के साथ सात महीने का मुश्किल टेस्ट शेड्यूल शुरू हो रहा है। कंगारू टीम साउथ अफ्रीका की मेजबानी करेगी और इसके बाद ऑस्ट्रेलिया को न्यूजीलैंड और भारत के घर में टेस्ट सीरीज खेलनी है।

मौजूदा डब्ल्यूटीसी साइकल में स्टार्क शानदार फॉर्म में रहे हैं। वह 8 मुकाबलों में अब तक 46 विकेट निकाल चुके हैं और सर्वाधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज रहे हैं। इंग्लैंड के खिलाफ एशेज सीरीज में स्टार्क ने 31 विकेट निकाले थे। उन्होंने अपनी लंबी पारी का श्रेय लगातार सुधार और फिजिकल कंडीशनिंग के साथ-साथ टॉप लेवल पर लगातार सफलता के लिए छोटी-छोटी रणनीतिक बदलावों को दिया। उन्होंने कहा, जब आप 36 साल के होते हैं और 16 साल से खेल रहे होते हैं, तो आप सोचते हैं कि आपने कुछ सुधार किया है या किसी चीज में बेहतर हुए हैं।

कोलो कोलो फुटबॉल क्लब से आधिकारिक तौर पर जुड़े वोजिन्हा

फीफा वर्ल्ड कप में यादगार रहा था प्रदर्शन

सैंटियागो। फीफा वर्ल्ड कप 2026 में केप वर्डे के लिए बतौर गोलकीपर यादगार प्रदर्शन करने वाले गोलकीपर वोजिन्हा आधिकारिक तौर पर चिली के क्लब कोलो कोलो से जुड़ गए हैं। क्लब में शामिल होने पर वोजिन्हा का भव्य स्वागत हुआ। वोजिन्हा को फैंस ने फीफा वर्ल्ड कप 2026 का बेस्ट गोलकीपर चुना था। वह अपने प्रदर्शन के कारण जमकर सुर्खियां बटोरने में सफल रहे थे। जून में पुर्तगाली सेकंड-डिवीजन टीम चावेस से अलग होने के बाद वोजिन्हा एक फ्री एजेंट के तौर पर आए थे। 40 साल के वोजिन्हा ने कोलो कोलो के सैंटियागो हेडक्वार्टर में पेपरवर्क पूरा करने से पहले एक मेडिकल टेस्ट पास किया। कोलो कोलो में उनके आने की घोषणा जुलाई में की गई थी, लेकिन वीजा की समस्या और निजी दिक्कतों की वजह से उनके क्लब से जुड़ने में देरी हुई। सिन्हुआ की रिपोर्ट के मुताबिक, 40 साल के वोजिन्हा, जिनका पूरा नाम जोसिमार जोस एवोरा डायस है, को सैंटियागो के मोन्यूमेंटल डेविड अरेलानो स्टेडियम में दर्जनों मीडिया प्रतिनिधित्व के सामने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में पेश किया गया।

छत्तीसगढ़ कैबिनेट का बड़ा फैसला: 500 करोड़....

से पूर्व मनरेगा से मिट्टी कार्य की अनिवार्यता समाप्त की गई है। योजना की पात्रता का दायरा बढ़ाकर ऐसे सभी ग्रामीण मार्गों को शामिल किया गया है, जो प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना अथवा अन्य योजनाओं में सम्मिलित नहीं हैं। आवश्यकता अनुसार नाबार्ड ऋण, पर्यावरण एवं अधोसंरचना विकास मद, खनिज न्यास मद सहित अन्य स्रोतों से भी वित्तीय संसाधन उपलब्ध कराए जा सकेंगे। कार्यों का अनुमोदन प्रशासनिक विभाग करेगा तथा क्रियान्वयन की समीक्षा एवं अंतर्विभागीय समन्वय के लिए राज्य स्तरीय उच्चाधिकार प्राप्त समिति गठित की जाएगी। मंत्रिपरिषद् ने वित्त विभाग के उस प्रस्ताव का अनुमोदन किया है, जिसके तहत Asian Development Bank से छत्तीसगढ़ अंजोर विजन 2047 के क्रियान्वयन हेतु "Anjor LIGHT (Anjor Linked Implementation & Guidance for Holistic Tracking)'' तकनीकी सहायता परियोजना के लिए 15 करोड़ रुपये का पूर्णतः अनुदान प्राप्त किया जाएगा। यह तीन वर्ष (1 दिसंबर 2026 से 30 नवंबर 2029) की बहु-क्षेत्रीय परियोजना है, जिसमें राज्य शासन अथवा भारत सरकार का कोई वित्तीय अंशदान नहीं होगा।

परियोजना के अंतर्गत सार्वजनिक वित्त प्रबंधन को सुदृढ़ करना, PPP इकोसिस्टम का विकास, ग्रीन एवं ब्लेंडेड फाइनेंस को बढ़ावा देना, राज्य के सार्वजनिक उपक्रमों की कार्यक्षमता में सुधार, क्लाइमेट-रेजिलिएंट परियोजनाओं का विकास तथा छत्तीसगढ़ अंजोर विजन 2047 के अनुरूप प्राथमिकता आधारित परियोजनाओं की पाइपलाइन तैयार की जाएगी। इसके लिए परियोजना प्रबंधन इकाई की स्थापना की जाएगी। यह परियोजना पूर्णतः अनुदान आधारित होने से राज्य पर कोई अतिरिक्त वित्तीय भार नहीं पड़ेगा तथा इससे संस्थागत क्षमता निर्माण, निवेश संवर्धन और सतत विकास लक्ष्यों (स्ष्ठत्ह्य) की प्राप्ति को गति मिलेगी।

मंत्रिपरिषद् ने राज्य योजनाओं के लिए State Single Nodal Agency (S-SNA) मॉडल लागू करने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। इस नई व्यवस्था का उद्देश्य सरकारी योजनाओं की राशि का अधिक पारदर्शी, सुरक्षित और प्रभावी उपयोग सुनिश्चित करना है। अब योजनाओं की राशि विभिन्न बैंक खातों में लंबे समय तक निष्क्रिय नहीं रहेगी, बल्कि एक केंद्रीकृत मदर अकाउंट के माध्यम से आवश्यकता होने पर ही सीधे हितग्राहियों या वेंडरों को भुगतान किया जाएगा। यह मॉडल भारत सरकार द्वारा केंद्र प्रायोजित योजनाओं में लागू स्ह्न प्रणाली की तर्ज पर राज्य की योजनाओं में भी लागू किया जाएगा, जिससे शासन व्यवस्था में पारदर्शिता, जवाबदेही और सुशासन को और मजबूती मिलेगी। इस व्यवस्था से योजनाओं के क्रियान्वयन की रियल-टाइम निगरानी संभव होगी, वित्तीय अनुशासन मजबूत होगा और निष्क्रिय राशि, गबन तथा बैंकिंग धोखाधड़ी जैसी संभावनाओं पर प्रभावी नियंत्रण लगेगा। साथ ही, राज्य की नकदी प्रबंधन क्षमता बेहतर होगी, ब्याज का अनावश्यक बोझ कम होगा और उपलब्ध वित्तीय संसाधनों का अधिकतम उपयोग सुनिश्चित किया जा सकेगा।

मंत्रिपरिषद् ने छत्तीसगढ़ स्टेट पावर जनरेशन कंपनी लिमिटेड को आमजन एवं संस्थागत निवेशकों की भागीदारी बढ़ाने के उद्देश्य से 200 करोड़ रूपए तक के नॉन-कन्वर्टिबल डिबेंचर (NCD)/बॉन्ड जारी कर स्टॉक एक्सचेंज में सूचीबद्ध (लिस्टिंग) किए जाने के प्रस्ताव को मंजूरी दी है। इस निर्णय से कंपनी के लिए वित्तीय संसाधन जुटाने के नए विकल्प उपलब्ध होंगे, ऊर्जा क्षेत्र में निवेश को प्रोत्साहन मिलेगा तथा राज्य के विद्युत अवसंरचना विकास को और गति मिलेगी। इसके लिए राज्य शासन द्वारा मूलधन एवं ब्याज के भुगतान पर प्रत्याभूति शुल्क में छूट सहित गारंटी प्रदान की जाएगी। साथ ही, लिस्टिंग प्रक्रिया से संबंधित आवश्यक निर्णय लेने हेतु कंपनी के संचालक मंडल तथा आवश्यक निर्देश जारी करने के लिए ऊर्जा विभाग को अधिकृत किया गया है।

संसद का विशेष सत्र: 16 से 18 अगस्त....

0 किरेन रिजिजू और राहुल गांधी की बैठक के मायने: इस महत्वपूर्ण बैठक के दौरान केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने प्रस्तावित परिसीमन बिल और विदेशी अंशदान विनियमन अधिनियम (FCRA) में संशोधनों जैसे प्रमुख विधेयकों पर राहुल गांधी के विचार जानने की कोशिश की। सरकार यह समझना चाहती थी कि इन लंबित विधायी प्रस्तावों पर मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस का रुख क्या रहने वाला है, ताकि सदन के कामकाज को सुचारू रूप से चलाया जा सके। सूत्रों के हवाले से यह बात सामने आई है कि बैठक के दौरान राहुल गांधी ने किरेन रिजिजू से स्पष्ट कहा कि विपक्ष की तरफ से केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के इस्तीफे की कोई मांग नहीं की जा रही है। हालांकि, विपक्ष इस बात पर अड़ा हुआ है कि हाल ही में पेपर लीक आंदोलन के दौरान छात्र प्रदर्शनकारियों पर कथित तौर पर अत्यधिक बल प्रयोग किए जाने के मामले पर गृह मंत्री संसद के सदन में अपना बयान दें और स्थिति स्पष्ट करें। राहुल गांधी ने यह रुख अपनाया कि इस गतिरोध को पैदा करने वाले मुद्दे पर गृह मंत्री को सदन को संबोधित करना ही होगा।

अन्य विपक्षी दलों को साधने की रणनीति: कांग्रेस के बाद

प्रथम पृष्ठ का शेष....

अब सरकार समाजवादी पार्टी और अन्य क्षेत्रीय दलों से बातचीत करने की तैयारी में है। इसके लिए केंद्र सरकार ने अपने कई वरिष्ठ मंत्रियों को मैदान में उतारा है। केंद्रीय मंत्रियों प्रह्लाद जोशी, पीयूष गोयल, अर्जुन राम मेघवाल और एल. मुरुगन को अन्य विपक्षी दलों के नेताओं तक पहुंच बनाने की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

पीएम मोदी का वीडियो हटाने....

गया. विवाद बढ़ने के बाद मेटा ने पोस्ट को बहाल कर दिया और कहा कि AI आधारित ऑटोमैटिक कंटेंट फिल्टर की तकनीकी गलती के कारण पोस्ट हट गई थी. सरकारी सूत्रों के अनुसार, बैठक में केंद्र सरकार ने मेटा से बच्चों के यौन शोषण वाले कंटेंट, डीपफेक, वेरिफाइड अकाउंट्स की सुरक्षा, एल्गोरिदम में संभावित पक्षपात और भारतीय कानूनों के पालन जैसे मुद्दों पर जवाब मांगा. सरकार ने कंपनी से यह भी कहा कि वह खुद को पूरी तरह निष्पक्ष इंटरमीडियरी नहीं बता सकती, क्योंकि उसके एल्गोरिदम यह तय करते हैं कि किस यूजर को कौन-सा कंटेंट दिखाया जाए या सुझाया जाए.

अनुच्छेद 370 हटने के 7 साल: पीएम.....

2019 भारत की एकता, अखंडता और संप्रभुता के इतिहास का स्वर्णिम दिवस है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के यशस्वी नेतृत्व और केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह के दृढ़ संकल्प से अनुच्छेद 370 की समाप्ति के साथ एक विधान-एक निशान-एक प्रधान के स्वप्न तथा एक भारत-श्रेष्ठ भारत के राष्ट्रीय संकल्प को ऐतिहासिक सिद्धि मिली। उन्होंने कहा, यह निर्णय डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के उस राष्ट्रनिष्ठ स्वप्न की पूर्णता थी, जिसके लिए उन्होंने अपना सर्वस्व राष्ट्र के चरणों में समर्पित कर दिया। बीते सात वर्षों में जम्मू-कश्मीर ने आतंकवाद से शांति, अलगाववाद से एकात्मता और अस्थिरता से विकास की ऐतिहासिक यात्रा तय की है।

370 की बरसी पर सियासत तेज....

राष्ट्रीय एकता के लिए एक बड़ी उपलब्धि है। पीडीपी प्रमुख महबूबा मुफ्ती द्वारा तिरंगे के अपमान को लेकर भाजपा सांसद सत शर्मा ने निशाना साधा। उन्होंने कहा, महबूबा मुफ्ती ने एक बार कहा था कि अगर अनुच्छेद 370 हटा दिया गया तो तिरंगा उठाने वाला कोई नहीं बचेगा। हम ऐसे लोगों से तिरंगे के सम्मान की उम्मीद कैसे कर सकते हैं? हम उनसे राष्ट्रीय ध्वज का सम्मान करने की उम्मीद कैसे कर सकते हैं? उनके लिए यह मायने न रखता हो लेकिन तिरंगे का अपमान एक गंभीर मामला है। जो भी उचित कानूनी कार्रवाई हो, अधिकारियों को वह करनी चाहिए।

चाहे जो हो, मैं अपने लोगों के पास....

जुलाई के दौरान हुई मौतों के बारे में बार-बार सुना होगा। आपके पास संख्याओं पर विभिन्न गणनाएं हैं। आपके पास संयुक्त राष्ट्र की संख्या 1,400 है, जबकि सरकार की संख्या 800 है। ये अतिरिक्त 600 लोग कौन हैं? संयुक्त राष्ट्र को ये नाम कहां से मिले? हमारी पार्टी ने संयुक्त राष्ट्र को लिखा है। हमारे वकीलों ने संयुक्त राष्ट्र को बार-बार लिखा है। आज संयुक्त राष्ट्र ने कोई नाम नहीं दिया है। लेकिन इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि संयुक्त राष्ट्र केवल 15 अगस्त 2024 तक की अवधि को कवर करता है, लेकिन हम जानते हैं कि मौतें जारी हैं, और जो सबसे चिंताजनक है, और यह कुछ ऐसा है जिस पर प्रेस, अंतर्राष्ट्रीय प्रेस को वास्तव में ध्यान देना चाहिए। यूनुस शासन ने जो पहला काम किया वह एक अध्यादेश पारित करना था जो कानून बन गया, जिसे क्षतिपूर्ति विधेयक कहा गया, जिसने सभी प्रदर्शनकारियों, सभी को क्षतिपूर्ति प्रदान की, उन्हें किसी भी अभियोजन से बचाया।

कानून व्यवस्था की हालत से सांसद....

अपराध नियंत्रण में पुलिस को मजबूती मिल सके। उन्होंने राजधानी में बढ़ते ट्रैफिक दबाव को देखते हुए यातायात पुलिस बल बढ़ाने का भी सुझाव दिया है। इसके अलावा पुलिस के बेहतर संचालन के लिए नए कार्यालय भवनों के निर्माण और आवश्यक शासकीय वाहन उपलब्ध कराने की मांग भी की है। सांसद ने अपने पत्र में कहा कि तेजी से बढ़ती आबादी और शहरी विस्तार को देखते हुए रायपुर में पुलिस संसाधनों और ढांचे को मजबूत करना समय की आवश्यकता है। उन्होंने उम्मीद जताई कि राज्य सरकार उनके सुझावों पर गंभीरता से विचार कर राजधानी की कानून-व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने के लिए आवश्यक कदम उठाएगी।

बिना इंश्योरेंस गाड़ी को नहीं मिलेगा.....

ब्यूरो के डाटा से जोड़ा जाए। इससे बिना बीमा वाले वाहनों की स्वतः पहचान कर ई-चालान जारी किया जा सकेगा। साथ ही राज्यों की ट्रैफिक पुलिस को हैंडहेल्ड डिवाइस या मोबाइल ऐप उपलब्ध कराने का भी निर्देश दिया गया है, ताकि मौके पर ही किसी वाहन के बीमा की स्थिति की जांच की जा सके। मोटर वाहन अधिनियम के अनुसार, बिना वैध थर्ड-पार्टी इंश्योरेंस के वाहन चलाना या चलाने देना दंडनीय अपराध है। पहली बार अपराध करने पर तीन महीने तक की जेल या 2,000 रुपये तक का जुर्माना, या दोनों हो सकते हैं। दोबारा अपराध करने पर तीन महीने तक की जेल या 4,000 रुपये तक का जुर्माना, या दोनों की सजा हो सकती है। सुप्रीम कोर्ट ने 2018 के अपने आदेश में संशोधन करते हुए नई गाड़ियों के लिए अनिवार्य थर्ड-पार्टी इंश्योरेंस की अवधि बढ़ा दी है। नई कार खरीदने पर अब चार वर्ष का थर्ड-पार्टी इंश्योरेंस अनिवार्य होगा। नए दोपहिया वाहन के लिए छह वर्ष का थर्ड-पार्टी इंश्योरेंस लेना जरूरी होगा। अदालत ने कहा कि इस कदम का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि अधिक से अधिक वाहन बीमा के दायरे में आएं और सड़क दुर्घटनाओं के पीड़ितों को समय पर उचित मुआवजा मिल सके।

छात्रों का लगातर शोषण हो रहा है....

किया जा रहा है. राहुल ने कहा कि वे ऐसे सभी छात्रों के साथ हैं जिन्हें सरकार और उनके गुंडों द्वारा प्रताड़ित किया जा रहा है. शिवाजी पार्क प्रदर्शन के दौरान पुलिस की गाड़ी के सामने खड़ी हुई रिया अहीर ने कहा, मैं वो लड़की हूं, जिसने मुंबई पुलिस को रोका था। मैं कहना चाहूंगी कि मैं वो लड़की हूं, जिसने 20 बच्चों को गैर-कानूनी हिरासत में जाने से रोका था। मेरी अपील है कि कृपया नैरेटिव को बदलें। जो भी मैंने किया, उसकी वजह से मुझे बहुत परेशान किया जा रहा है। ये ट्रोलिंग नहीं हैं, ये क्राइम है। जनता ही नहीं, पार्टी वर्कर्स भी सोशल मीडिया पर मेरे बारे में पोस्ट कर रहे हैं। मुझसे कहा जा रहा है कि 140 रुपए में अपनी बॉडी बेच रही हूं। उनके दिमाग में कितनी गंदगी भरी होगी। मैंने 27 जुलाई को शिकायत की थी। आज तक मुझे एफआईआर नहीं मिली है। झारखंड की नूतन टपो ने बताया कि पैलेट गन को मैंने अपनी आंखों से देखा था। हमारी तरफ गन पॉइंट किया हुआ था। जैसे ही मैं मड़ी, पीछे से मुझे गन फायर किया गया।

सीएसएमसीएल घोटाला: अनवर ढेबर....

निरोधक ब्यूरो (ACB) ने भारतीय दंड संहिता (IPC) और भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत दर्ज किया है। जांच एजेंसियों के अनुसार, CSMCL में कथित तौर पर एक संगठित तंत्र काम कर रहा था। आरोप है कि मैनपावर सप्लाई एजेंसियों से उनके वैध बिल और बकाया राशि मंजूर कराने के बदले अवैध कमीशन लिया जाता था। यह रकम कथित तौर पर बिचौलियों के माध्यम से संबंधित लोगों तक पहुंचाई जाती थी। जांच के दौरान जुटाए गए साक्ष्यों के आधार पर एजेंसियों का दावा है कि कई एजेंसियों को भुगतान जारी कराने के लिए कथित रूप से कमीशन देने के लिए मजबूर किया जाता था। इसी मामले में अनवर ढेबर समेत अन्य आरोपियों के खिलाफ जांच और कानूनी कार्रवाई जारी है। इसके अलावा अनवर ढेबर शराब घोटाला मामले में मुख्य आरोपियों में शामिल हैं।

मुख्यमंत्री हेल्पलाईन अंतर्गत निराकरण में राजनांदगांव जिला अग्रिम स्थान पर : कलेक्टर

राजनांदगांव (दावा)। कलेक्टर जितेंद्र यादव ने कलेक्टोरेट सभाकक्ष में आयोजित साप्ताहिक समय-सीमा की बैठक में सीएम जनदर्शन, पीजी पोर्टल तथा विभागीय आवेदनों की समीक्षा की। उन्होंने बताया कि सीएम हेल्पलाईन के प्रकरणों के निराकरण में राजनांदगांव जिला राज्य में अग्रिम स्थान पर है।

उन्होंने सभी विभागों को इसी तरह सक्रियता से जनसमस्याओं का समाधान करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने बताया कि पिछले 20 दिनों में लगभग 20 हजार किसानों का 'एग्रीस्टेक बकेट क्लेम' किया गया है। आधार कार्ड या राजस्व संबंधी तकनीकी त्रुटियों को दूर करते हुए शेष प्रकरणों को मिशन मोड में हल करने के निर्देश दिए गए। साथ ही खेती-किसानी के मौसम को देखते हुए जिले में पर्याप्त मात्रा में खाद और बीज की उपलब्धता सुनिश्चित करने को कहा गया।

किसानों को समय पर पर्याप्त खाद-बीज उपलब्ध कराने के निर्देश

पीएम सूर्य घर योजना व आयुष्मान कार्ड में तेजी के निर्देश

बैठक में प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के क्रियान्वयन में तेजी लाने हेतु शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों में शिविर लगाने तथा बैंक, विद्युत विभाग और वेंडर्स के साथ समन्वय स्थापित करने के निर्देश दिए गए। आयुष्मान कार्ड और 'आयुष्मान वय वंदन कार्ड' (80 प्रतिशत से अधिक कवरेज) के तहत क्लेम कवरेज और बढ़ाने पर जोर दिया गया।

स्वास्थ्य व पोषण सुधार पर बल

कलेक्टर ने 14 वर्ष की बालिकाओं के लिए एचपीवी वैक्सीनेशन को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए; जिले में अब तक 6,550 बालिकाओं का टीकाकरण हो चुका है। महिला एवं बाल विकास विभाग को रेडी टू ईट वितरण और आंगनबाड़ियों में बच्चों की ग्रोथ मॉनिटरिंग (वर्तमान में 99.71 प्रतिशत) की निरंतर निगरानी के निर्देश दिए।

डेयरी एनालॉग पर कड़ी कार्रवाई के आदेश

खाद्य सुरक्षा को लेकर कलेक्टर ने सख्त निर्देश दिए कि खाद्य प्रतिष्ठानों में मिलावटी व नकली 'डेयरी एनालॉग' के निर्माण, भंडारण और विक्रय पर पाई जाने पर कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाए। बैठक में अटल मॉनिटरिंग पोर्टल पर उत्कृष्ट प्रदर्शन, पीएम आवास योजना की गति बढ़ाने, अविवादित नामांतरण और ई-ऑफिस के लंबित मामलों के त्वरित निराकरण के निर्देश दिए गए। इस अवसर पर जिला पंचायत सीईओ दुर्गा प्रसाद अधिकारी, अपर कलेक्टर सी.एल. मारकंडेय व प्रेमप्रकाश शर्मा, निगम आयुक्त जी.आर. मरकाम सहित जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित थे।

जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम पात्र व्यक्ति तक पहुंचाना प्राथमिकता : रमन डोंगरे

डोंगरगढ़ (दावा)। प्रधानमंत्री स्व-निधि योजना के अंतर्गत पात्र हितग्राहियों को 15,000 की सहायता राशि का वितरण किया गया। आयोजित कार्यक्रम में नगर पालिका परिषद के अध्यक्ष रमन डोंगरे ने हितग्राहियों को स्वीकृति राशि प्रदान कर उन्हें योजना का लाभ दिलाया।

प्रधानमंत्री स्व-निधि योजना के पात्र हितग्राहियों को राशि वितरित

कार्यक्रम में भारतीय स्टेट बैंक के शाखा प्रबंधक अभिषेक कुमार सिंह एवं बैंक अधिकारियों ने हितग्राहियों के दस्तावेजों एवं बैंकिंग प्रक्रिया को समय पर पूर्ण कराने में महत्वपूर्ण सहयोग प्रदान किया, जिससे सभी पात्र हितग्राहियों को योजना की राशि सुगमता से प्राप्त हुई।

हितग्राहियों को मिला लाभ

योजना के तहत लाभान्वित हितग्राहियों में चंदन धमगाये, निर्मला नंदेश्वर सिंह, चंचल, आशुतोष स्मिथ तथा अमित बोस शामिल हैं। सभी हितग्राहियों ने शासन एवं नगरपालिका प्रशासन का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह आर्थिक सहायता उनके स्वरोजगार को बढ़ावा देने में उपयोगी सिद्ध होगी। नगर पालिका अध्यक्ष रमन डोंगरे ने अपने संबोधन में कहा कि शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम पात्र व्यक्ति तक पहुंचाना उनकी प्राथमिकता में शामिल है। उन्होंने हितग्राहियों से योजना की राशि का सही उपयोग करने की अपील की। इस अवसर पर पार्षद डिकेश राव, युवा मोर्चा के सुमित मिश्रा, अमित बोस, राजेश कंडरा सहित नगर पालिका एवं बैंक के अधिकारी-कर्मचारी बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

लालबहादुर नगर ओबीसी मोर्चा मंडल की घोषणा - दिलीप साहू

भाजपा जिला नेतृत्व की सहमति से अध्यक्ष देवेन्द्र सुलाखे ने घोषित की नई कार्यकारिणी

राजनांदगांव (दावा)। प्रदेश भाजपा के निर्देशानुसार, जिला भाजपा राजनांदगांव के मार्गदर्शन तथा जिला अध्यक्ष (ओबीसी मोर्चा) दिलीप साहू की अनुशंसा पर लालबहादुर नगर पिछड़ा वर्ग मोर्चा के मंडल अध्यक्ष देवेन्द्र सुलाखे ने अपनी कार्यकारिणी की घोषणा कर दी है।

घोषित नई कार्यकारिणी में दायित्वों का आवंटन इस प्रकार है। जिसमें उपाध्यक्ष मधु साहू, महेंद्र वर्मा, सेवाकर, भुनेश्वर बलेर, महामंत्री दुर्गेश साहू, महेंद्र लाडे, मंत्री धनेश्वर वर्मा, रमेश वर्मा, मेनका यादव, खेदुराम, कोषाध्यक्ष चेतन साहू, सह-कोषाध्यक्ष खिलावन यादव, कार्यालय मंत्री धनसिंह वर्मा, गिरीश वर्मा, यमन पटेल, मनीष यादव, प्रवक्ता अशोक साहू, शंकर पटेल, मीडिया प्रभारी धनेश्वर जंघेल, परमिला साहू व सोशल मीडिया प्रभारी कीर्तिश वर्मा, सत्यवान आदि है। सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों को जिला भाजपा ओबीसी मोर्चा के अध्यक्ष दिलीप साहू एवं महामंत्री पवन निर्मलकर ने बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं।

कुलगाम आतंकी हमले के पीड़ित परिवारों को सरकारी नौकरी दे सरकार : पंकज बांधव

राजनांदगांव (दावा)। जम्मू-कश्मीर के कुलगाम में आतंकवादियों द्वारा छत्तीसगढ़ के दो श्रमिकों की निर्मम हत्या पर अखिल भारत अनुसूचित जाति परिषद के प्रदेश अध्यक्ष पंकज बांधव ने गहरा शोक व्यक्त किया है। उन्होंने घटना की कड़े शब्दों में निंदा करते हुए कहा कि रोजी-रोटी के लिए दूसरे राज्यों में गए निर्दोष मजदूरों को निशाना बनाना अत्यंत दुखद, अमानवीय और पूरे देश को झकझोर देने वाला कृत्य है।

राज्यपाल के नाम ज्ञापन सौंपकर पीड़ित परिवारों को नौकरी और प्रवासी श्रमिकों की सुरक्षा की उठाई मांग

परिवारों के भविष्य के लिए शासकीय नौकरी जरूरी

पंकज बांधव ने केंद्र व राज्य सरकार द्वारा आर्थिक सहायता दिए जाने के कदम का स्वागत किया, लेकिन साथ ही जोर दिया कि जिन परिवारों ने अपना एकमात्र कमाने वाला सदस्य खो दिया है, उनके जीवन की सुरक्षा के लिए दोनों दिवंगत श्रमिकों के परिवार के एक-एक सदस्य को शासकीय नौकरी दी जानी चाहिए। उन्होंने दोषियों पर त्वरित और कठोरतम कार्रवाई की मांग की।

पार्थिव शरीर न पहुंच पाने पर जताई पीड़ा

उन्होंने इस बात पर गहरा दुख व्यक्त किया कि दोनों श्रमिकों का पार्थिव शरीर उनके गृहग्राम नहीं लाया जा सका और परिजनों को अंतिम दर्शन तक का अवसर नहीं मिला। उन्होंने राज्य सरकार से मांग की कि भविष्य में ऐसी स्थिति से निपटने के लिए एक स्पष्ट कार्यप्रणाली और त्वरित समन्वय व्यवस्था विकसित की जाए ताकि पार्थिव शरीर परिजनों तक सकुशल पहुंचाया जा सके। बांधव ने बताया कि अखिल भारत अनुसूचित जाति परिषद का प्रतिनिधिमंडल जल्द ही राजनांदगांव कलेक्टर के माध्यम से महामहिम राज्यपाल को ज्ञापन सौंपेगा। इसमें पीड़ित परिवारों को नौकरी, सम्मानजनक पुनर्वास, दोषियों पर कड़ी कार्रवाई और प्रवासी श्रमिकों के पंजीयन व सुरक्षा के लिए ठोस नीति बनाने की मांग की जाएगी।

एसडीएम विश्वास कुमार से कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन के पदाधिकारियों ने की सौजन्य भेंट

प्रशासन और कर्मचारी संगठनों के बीच निरंतर संवाद एवं समन्वय बनाए रखने का प्रयास किया जायेगा - एसडीएम

डोंगरगढ़ (दावा)। छत्तीसगढ़ कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन, ब्लॉक इकाई डोंगरगढ़ के पदाधिकारियों ने सोमवार को अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) विश्वास कुमार से उनके कार्यालय में सौजन्य भेंट की।

इस दौरान फेडरेशन की ओर से उनका स्वागत करते हुए सफल कार्यकाल की शुभकामनाएं दी गईं।फेडरेशन के ब्लॉक संयोजक संतोष कुमार देवांगन के नेतृत्व में पहुंचे प्रतिनिधिमंडल में महासचिव योगेश चौरे, महामंत्री डॉ. मुन्ना लाल नंदेश्वर, मीडिया प्रभारी अमिताभ दुफारे, उपकोषाध्यक्ष गुलमोहन वर्मा, संयुक्त सचिव श्रीनिवासन राव, उपाध्यक्ष लक्ष्मी देवांगन, सहसचिव मीनाक्षी हेमने, उपसचिव प्रतीक बाला लटिया, संरक्षक रामनाथ भैसारे एवं त्रिभुवन दुबे, कार्यकारिणी सदस्य पुष्पांजलि चंद्राकर तथा धनलक्ष्मी महोबिया शामिल रहे।भेंट के दौरान प्रशासन एवं कर्मचारी संगठनों के बीच बेहतर समन्वय, आपसी सहयोग तथा जनहित से जुड़े विषयों पर सौहार्दपूर्ण चर्चा हुई।

राजस्व निरीक्षक राजकुमार हरिहारनो को सेवानिवृत्त होने पर दी गई बिदाई

राजनांदगांव (दावा)। नगर निगम में अपनी अधिवार्षिकी आयु पूर्ण करने के पश्चात शासन नियमों के तहत सेवानिवृत्त होने पर सहायक राजस्व निरीक्षक राजकुमार हरिहारनो को आयुक्त जी.आर. मरकाम की अध्यक्षता में आयोजित बिदाई समारोह में सम्मान पूर्वक बिदाई दी गई।

आयुक्त ने श्री हरिहारनो को माला पहनाकर, शाल, श्रीफल एवं स्मृति चिन्ह से सम्मानित किया तथा अवकाश नगदीकरण का चेक दिया। बिदाई समारोह में आयुक्त ने कहा कि 27 साल सेवा देकर आज राजकुमार सेवानिवृत्त हो रहे है। इन्होंने अपने दायित्वों का ईमानदारी एवं कर्मठता से निर्वाहन किया। उन्होंने कहा कि राजस्व विभाग जैसे महत्वपूर्ण विभाग में सेवा देकर इनकी राजस्व कर वसूली बहुत अच्छी रही। इन्होंने डिमाण्ड के विरूद्ध शत् प्रतिशत वसूली भी किया है और हर वित्तीय वर्ष में 80 प्रतिशत वसूली लाए है।

आज अपने सर्विसकाल के अंतिम दिन तक विभागीय कार्य का कुशल संपादन करने पर मैं इनको बधाई देता हूँ। उन्होंने कहा कि सभी राजस्व प्रभारियों को इनसे सीख लेनी चाहिए। मैं इनके उज्जव भविष्य की कामना करते हुए अपने पारिवारिक एवं सामाजिक दायित्वों का निर्वाहन इसी तरह से करे, ऐसी अपेक्षा करता हूँ। राजकुमार हरिहारनों ने अपना अनुभव साझा करते हुए कहा कि कार्य के दौरान मुझे अधिकारी-कर्मचारी का अच्छा सहयोग मिला और सबके प्रेरणा से ही मैं अच्छी वसूली करने का प्रयास दिया। इसके लिए मैं आयुक्त सहित निगम परिवार का आभार व्यक्त करता हूँ। उन्होंने कहा कि सभी कर्मचारी इमानदारी व मेहनत से कार्य करते है। अच्छी वसूली करे, इसके लिए मैं शुभकानाए देता हूँ और समय समय पर मै सहयोग भी करूगा, ताकि मेरे प्रभारित वार्ड की वसूली प्रभावित न हो।

पंडित शिव कुमार शास्त्री कृषि महाविद्यालय एवं अनुसंधान केंद्र सुरगी में स्थापना दिवस एवं कार्यशाला सम्पन्न

राजनांदगांव (दावा)। पंडित शिव कुमार शास्त्री कृषि महाविद्यालय एवं अनुसंधान केंद्र सुरगी की स्थापना दिवस पर छत्तीसगढ़ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद रायपुर तथा पंडित शिव कुमार शास्त्री कृषि महाविद्यालय एवं अनुसंधान केंद्र सुरगी के संयुक्त तत्वावधान में एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।

मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत दुर्गा प्रसाद अधिकारी ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि कृषक प्रशिक्षण प्राप्त कर फल एवं सब्जियों का प्रसंस्करण, पैकेजिंग, ब्रांडिंग एवं विपणन करने से स्थानीय स्तर पर रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे। किसानों की आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। वर्तमान समय में केवल कृषि उत्पादन के साथ-साथ फल एवं सब्जियों का वैज्ञानिक कटाई उपरांत प्रबंधन, प्रसंस्करण एवं मूल्य संवर्धन किसानों की आय बढ़ाने का प्रभावी माध्यम है। उन्होंने धान के अलावा फसल चक्र में उद्यानिकी फसलों का समावेश करने कहा तथा युवाओं को व्यावसायिक खेती के लाभ के बारे में बताया।

अधिष्ठाता एवं प्रभारी कोर्डिनेटेड सेल पंडित शिवकुमार शास्त्री कृषि महाविद्यालय एवं अनुसंधान केंद्र सुरगी डॉ. विनम्रता जैन ने कहा कि प्रसंस्करण एवं मूल्य संवर्धन से कृषि उत्पादों का बेहतर मूल्य प्राप्त किया जा सकता है। ग्रामीण युवाओं के लिए नए रोजगार के अवसर सृजित होंगे। उद्यानिकी विभाग द्वारा किसानों मूल्य संवर्धन एवं प्रसंस्करण अपनाने के लिए लगातार प्रोत्साहित किया जा रहा है। इससे किसानों की आय एवं रोजगार के अवसरों में वृद्धि होगी। पंडित शिव कुमार शास्त्री जी के पौत्र एवं समाजसेवी दिवाकर बाजपेयी ने पंडित शिव कुमार शास्त्री को स्मरण किया एवं उनके कृषि क्षेत्र में योगदान के बारे में बताया। उन्होंने छात्रों को शिक्षा के साथ-साथ नैतिक मूल्यों को भी आत्मसात करने का संदेश दिया। उन्होंने स्थापना दिवस के इस अवसर पर राज्य स्तरीय कार्यशाला आयोजन के लिए महाविद्यालय को शुभकामनाएं दी।

कार्यशाला में किसानों, कृषक, महिलाओं एवं ग्रामीण युवाओं को अतिरिक्त आय सृजन हेतु फल-सब्जियों की कटाई उपरांत प्रबंधन एवं मूल्य संवर्धन द्वारा उद्यमिता एवं कौशल विकास विषय पर प्रशिक्षण दिया गया। कृषकों को प्रायोगिक तौर पर नेक्टर, पाईन एप्पल जूस, मुरब्बा, टमाटर सॉस, केचप, जैम एवं आरटीएस बनाना सिखाया गया। कार्यशाला में रानी अवंती बाई लोधी कृषि महाविद्यालय एवं पान अनुसंधान केंद्र छुईखदान से प्राध्यापक (सब्जी विज्ञान) डॉ. बीएस असाटी ने टमाटर, मुनगा एवं पान से मूल्य-वर्धित उत्पाद बनाने की तकनीक के बारे में कृषकों को प्रशिक्षण दिया। कार्यशाला के आयोजन सचिव डॉ. अभय बिसेन एवं डॉ. एसपी शर्मा द्वारा फल एवं सब्जियों के कटाई उपरांत प्रबंधन, प्रसंस्करण, मूल्य संवर्धन, पैकेजिंग, भंडारण, गुणवत्ता नियंत्रण, विपणन एवं उद्यमिता विकास से संबंधित विभिन्न तकनीकी विषयों पर व्याख्यान एवं प्रदर्शन के माध्यम से व्यावहारिक जानकारी प्रदान की गई। कृषकों के साथ वैज्ञानिक परिचर्चा में महाविद्यालय के प्राध्यापकगण डॉ. नितिन तुर्रे, डॉ. एमके चंद्राकर, डॉ. शिवाजी लिमजे, डॉ. महेंद्र देशमुख, डॉ. पूजा साहू, डॉ. संतोष साहू सहित महाविद्यालय के समस्त स्टॉफ शामिल हुए। इस कार्यशाला में राकेश मिश्रा ने प्रायोगिक प्रशिक्षण में वैज्ञानिकों का सहयोग दिया।

छत्तीसगढ़ी लोकजीवन के रंग समेटे हैं चपेश्वर गोस्वामी के गीत : डॉ. लूनेश कुमार वर्मा

राजनांदगांव (दावा)। गीत कविता की सबसे पुरानी और लोकप्रिय विधा है, जिसमें स्वर और लय आपस में गुंथे होते हैं। जन्म से मृत्यु तक मानव जीवन के हर पड़ाव पर गीत साथ चलते हैं। लोरी से लेकर विवाह के मंगलगीत तक छत्तीसगढ़ के सुप्रसिद्ध गीतकार चपेश्वर गोस्वामी के गीतों में इसी लोकजीवन की विविधता और गहराई देखने को मिलती है।

गोस्वामी की रचनाओं में सबसे पहले मातृत्व और वात्सल्य का सुंदर चित्रण मिलता है। शिशु की लोरी से लेकर घर-आंगन के आनंद तक, उनके गीत परिवार की खुशियों को शब्दों में पिरोते हैं। इसके साथ ही प्रकृति भी उनके गीतों की आत्मा है नदी, झरने, पहाड़, पेड़-पौधे और पशु-पक्षियों को वे अपने जीवन के संगी-साथी मानते हैं और मनुष्य से प्रकृति के संरक्षण का आह्वान करते हैं। गोस्वामी के गीतों में सामाजिक यथार्थ भी मुखर होकर सामने आता है। छत्तीसगढ़ की समृद्ध खनिज संपदा के बावजूद आम जनता की गरीबी और शोषण पर वे तीखी टिप्पणी करते हैं। इसी तरह ट्रक चालकों जैसे घुमंतू जीवन बिताने वाले वर्ग की व्यथा और परदेश गए बच्चों की प्रतीक्षा में बूढ़े हो चले माता-पिता की वेदना भी उनके गीतों में मार्मिक रूप से उभरती है। बदलते सामाजिक परिवेश पर भी उनकी पैनी नजर है। पश्चिमी संस्कृति के अंधानुकरण और अपनी जड़ों से कटते जा रहे समाज पर वे व्यंग्यात्मक शैली में चोट करते हैं। वहीं छत्तीसगढ़ी भाषा और संस्कृति के प्रति गहरा अनुराग भी उनके गीतों में झलकता है।

ई20 पेट्रोल जनता पर थोपने की साजिश, केंद्र सरकार तुरंत वापस ले फैसला- भूपेश तिवारी

राजनांदगांव (दावा)। रायपुर आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता भूपेश तिवारी ने केंद्र सरकार की ई20 पेट्रोल नीति पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि बिना व्यापक वैज्ञानिक अध्ययन और आम जनता का विश्वास हासिल किए इस नीति को लागू करना करोड़ों वाहन मालिकों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ डालने जैसा है।

आप के टाउनहॉल में ई20 के खिलाफ उठी आवाज, 7 लाख से अधिक लोग जुड़े

उन्होंने कहा कि ई20 पेट्रोल को देश की जनता पर जबरन थोपने का प्रयास किया जा रहा है, जिसे आम आदमी पार्टी किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं करेगी। आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता भूपेश तिवारी ने बताया कि ई20 पेट्रोल नीति के विरोध में पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व में शनिवार को नई दिल्ली स्थित कॉन्स्टिट्यूशन क्लब में ''नेशनल टाउनहॉल लाइव विद अरविंद केजरीवाल'' कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम को देशभर से अभूतपूर्व समर्थन मिला और यूट्यूब के माध्यम से 7 लाख 2 हजार 195 से अधिक लोग ऑनलाइन जुड़े। छत्तीसगढ़ से भी हजारों कार्यकर्ताओं एवं आम नागरिकों ने कार्यक्रम में सहभागिता दर्ज कराई। श्री तिवारी ने कहा कि यह भारी जनसमर्थन इस बात का प्रमाण है कि श्र20 पेट्रोल को लेकर देशभर के वाहन मालिकों में गंभीर चिंता और असंतोष है। टाउनहॉल के दौरान विभिन्न राज्यों से जुड़े वाहन मालिकों और अनुभवी मैकेनिकों ने अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि ई20 पेट्रोल के उपयोग से कई वाहनों में इंजन संबंधी दिक्कतें, माइलेज में कमी, रबर एवं प्लास्टिक पार्ट्स के जल्दी खराब होने तथा मेंटेनेंस खर्च बढ़ने जैसी समस्याएं सामने आ रही हैं।

उन्होंने कहा कि यदि यह स्थिति बनी रही तो इसका सीधा आर्थिक बोझ आम जनता पर पड़ेगा। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार ने पर्याप्त वैज्ञानिक परीक्षण, तकनीकी तैयारी और सभी प्रकार के वाहनों की अनुकूलता सुनिश्चित किए बिना ई20 पेट्रोल को बढ़ावा दिया है। सरकार को पहले व्यापक अध्ययन, पारदर्शी रिपोर्ट और विशेषज्ञों की राय सार्वजनिक करनी चाहिए थी, लेकिन ऐसा किए बिना जनता पर नई व्यवस्था लागू करना उचित नहीं है। श्री तिवारी ने कहा कि आम आदमी पार्टी की मांग है कि जब तक ई20 पेट्रोल को लेकर सभी प्रकार के वाहनों के लिए सुरक्षा और उपयोगिता की पूरी गारंटी नहीं मिल जाती, तब तक शुद्ध पेट्रोल का विकल्प जारी रखा जाए। साथ ही जिन वाहन मालिकों के वाहनों को ई20 पेट्रोल से नुकसान हुआ है, उन्हें उचित मुआवजा दिया जाए। उन्होंने बताया कि ई20 पेट्रोल के विरोध में देशभर से 2 लाख से अधिक लोगों ने ऑनलाइन पिटीशन दाखिल कर अपना विरोध दर्ज कराया है।

विश्व हिंदू परिषद की जिला बैठक संपन्न, संगठन विस्तार पर मंथन, नए दायित्वों का हुआ नियोजन

राजनांदगांव (दावा)। विश्व हिंदू परिषद की जिला बैठक का आयोजन संपन्न हुआ, जिसमें संगठन की गतिविधियों की समीक्षा करते हुए आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा पर विस्तार से चर्चा की गई। साथ ही संगठन को और अधिक सक्रिय एवं सशक्त बनाने के उद्देश्य से विभिन्न पदों पर नए दायित्वों का नियोजन किया गया। बैठक में वक्ताओं ने कार्यकर्ताओं से सेवा, सुरक्षा और संस्कार के कार्यों को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने तथा संगठन विस्तार के लिए सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया।

बजरंग दल, गौ रक्षा और धर्म प्रसार सहित विभिन्न विभागों में नए पदाधिकारियों की घोषणा

उन्होंने कहा कि विहिप राष्ट्रहित और समाजहित के कार्यों में निरंतर सक्रिय है। अतः सभी कार्यकर्ताओं को आगामी कार्यक्रमों में बढ़-चढ़कर सहभागिता सुनिश्चित करनी चाहिए। बैठक में प्रांत धर्म प्रसार प्रमुख नंदूराम साहू, विभाग संगठन मंत्री कन्हैया कुंदन, विभाग मंत्री अनूप श्रीवास, विभाग सह मंत्री प्रशांत दुबे, जिलाध्यक्ष ओमप्रकाश अग्निहोत्री, कोषाध्यक्ष लव कुमार मिश्रा, जिला मंत्री त्रिगुण सदानी, सह मंत्री अंकित खंडेलवाल व सुभाष राजपूत, बजरंग दल जिला संयोजक राहुल बलदेव मिश्रा, मातृशक्ति जिला संयोजिका बबीता मिश्रा सहित जिला, प्रखंड व खंड स्तर के पदाधिकारी और कार्यकर्ता बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

नए दायित्वों की घोषणा

बजरंग दल जिला सहसंयोजक : धीरज हंसा एवं गगन साहू, जिला गौ रक्षा प्रमुख : गौरव शर्मा व सह गौ रक्षा प्रमुख : सुदर्शन साहू, जिला विद्यार्थी प्रमुख : सन्मय श्रीवास्तव, जिला सुरक्षा प्रमुख : प्रिंस हाथीबेड़, जिला धर्म प्रसार प्रमुख : योगेश मुदलियार, जिला नैतिक शिक्षा प्रमुखः भैरव प्रसाद अवस्थी, जिला उप प्रमुख (विधि): अर्जुन नागवानी, विधि प्रकोष्ठ नगर प्रमुख : आशीष श्रीवास, प्रचार-प्रसार प्रमुखः सारंग ताम्रकार व सह विशेष संपर्क प्रमुखः शिव देवांगन आदि है। दायित्वों की घोषणा के बाद वरिष्ठ पदाधिकारियों ने नवदायित्व प्राप्त कार्यकर्ताओं का स्वागत करते हुए उन्हें संगठन की अपेक्षाओं के अनुरूप समर्पित भाव से कार्य करने और समाजहित के कार्यों को आगे बढ़ाने के लिए शुभकामनाएं दीं।

सांसद ने 2 आईएएस की शिकायत लोकसभा स्पीकर से की

विजय बघेल बोले- आयुक्तों ने बिना टेंडर काम करवाए, जानकारी नहीं देते; कॉल नहीं उठाते

दुर्ग-भिलाई (दावा)। दुर्ग सांसद विजय बघेल ने दो प्रमोटी एआई अधिकारियों के खिलाफ लोकसभा अध्यक्ष से विशेषाधिकार हनन की शिकायत की है। शिकायत भिलाई नगर निगम के तत्कालीन आयुक्त राजीव कुमार पांडेय और भिलाई-चरोदा नगर निगम के आयुक्त डीएस राजपूत के खिलाफ की गई है। सांसद का आरोप है कि दोनों अधिकारियों का जनप्रतिनिधियों के प्रति रवैया ठीक नहीं था। वे न तो फोन उठाते थे और न ही जनहित से जुड़े मामलों में मांगी गई जानकारी मुहैया कराते थे। वहीं, मामले में लोकसभा सचिवालय ने राज्य शासन से जवाब मांगा है। एक बातचीत में विजय बघेल ने कहा कि शिकायत किसी एक मामले को लेकर नहीं, बल्कि लंबे समय से अधिकारियों के काम करने के तरीके को लेकर की गई है। दोनों अधिकारी जनप्रतिनिधियों को कोई जवाब नहीं देते थे और मनमाने तरीके से काम कर रहे थे।

बता दें कि रायपुर सांसद बृजमोहन अग्रवाल भी स्वास्थ्य सचिव अमित कटारिया पर विशेषाधिकार हनन का आरोप लगा चुके हैं। उन्होंने लोकसभा अध्यक्ष को शिकायत पत्र सौंपा था। आरोप है कि फोन पर बातचीत के दौरान अमित कटारिया ने उनसे जो करना है कर लो कहा और मिसबिहेव किया।

बिना टेंडर कराए कराए गए विकास कार्यों का आरोप

सांसद विजय बघेल ने आरोप लगाया कि नगर निगमों में कई विकास कार्य बिना टेंडर प्रक्रिया पूरी किए शुरू कर दिए गए और बाद में उनका भुगतान भी कर दिया गया। इसके बाद औपचारिक रूप से टेंडर प्रक्रिया पूरी की गई। जब इन मामलों की जानकारी मांगी गई तो अधिकारियों ने कोई जवाब नहीं दिया।

फोन तक नहीं उठाते थे अधिकारी

विजय बघेल ने कहा कि कई बार फोन करने पर भी अधिकारी कॉल रिसीव नहीं करते थे। उनका आरोप है कि केंद्र सरकार की योजनाओं, विशेषकर स्वच्छता अभियान और 15वें वित्त आयोग की राशि से जुड़े कार्यों में भी अनियमितताएं हुईं। कई बार टेंडर जारी किए गए, फिर रद्द कर दिए गए और दोबारा प्रक्रिया शुरू की गई। इन मामलों में सवाल पूछने पर भी कोई सहयोग नहीं मिला।

पार्षद भी कर चुके हैं शिकायत

सांसद ने कहा कि नगर निगम के कामकाज को लेकर पहले भी कई शिकायतें सामने आ चुकी हैं और कुछ मामलों की जांच जारी है। इसके बावजूद अधिकारियों के रवैये में सुधार नहीं आया। उन्होंने बताया कि कई पार्षद भी अधिकारियों के व्यवहार से नाराज थे। पार्षद संतोष मौर्य भी कई मामलों में शिकायत दर्ज करा चुके हैं।

18 मई को लोकसभा अध्यक्ष को भेजा था पत्र

सांसद विजय बघेल ने बताया कि उन्होंने 18 मई को पूरे मामले की शिकायत लोकसभा अध्यक्ष को पत्र लिखकर की थी। उन्होंने इसे सांसद के विशेषाधिकारों से जुड़ा मामला बताया। शिकायत के बाद लोकसभा सचिवालय ने मामले को गंभीरता से लेते हुए संबंधित विभाग के माध्यम से राज्य शासन से जवाब मांगा है। अब शासन और संबंधित अधिकारियों के जवाब पर सभी की नजर रहेगी।

मोहारा फिल्टर प्लांट का औचक निरीक्षण : महापौर मधुसूदन ने तेजस कम्पनी संचालक को लगाई फटकार

- प्लांट के सुचारू संचालन के दिए कड़े निर्देश
- कांग्रेस संवेदनशील मुद्दे पर भ्रम न फैलाये

राजनांदगांव (दावा)। महापौर मधुसूदन यादव ने निगम आयुक्त जी.आर. मरकाम एवं निगम अध्यक्ष टोपेन्द्र सिंह पारस वर्मा के साथ मोहारा जल संयंत्र गृह का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान सी.एम.सी. तेजस कम्पनी के संचालक को फटकार लगाते हुए महापौर ने स्पष्ट निर्देश दिए कि पेयजल जैसी संवेदनशील सेवा में किसी भी प्रकार की कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इस दौरान जल विभाग के प्रभारी सदस्य सुनील साहू, शिक्षा विभाग के प्रभारी सदस्य आलोक श्रोती एवं कनिष्ठ सभापति संदीप बघेल विशेष रूप से उपस्थित रहे।

पंपों की स्थिति और पेयजल आपूर्ति का जायजा

महापौर ने जल विभाग के अधिकारियों से चालू पंप, क्लोरीन और फिटकिरी (एलम) के स्टॉक की जानकारी ली। कार्यपालन अभियंता (संविदा) यू.के. रामटेके ने बताया कि प्लांट के 18 पंपों में से 6 पंप पूरी तरह खराब हो चुके हैं, जबकि शेष 12 पंपों में से 7 पंप (10, 17 और 27 एम.एल.डी. प्लांट में) वर्तमान में चालू हैं(जिनसे सुचारू पेयजल आपूर्ति की जा रही है। 5 पंप मरम्मत में हैं, जिन्हें जल्द ठीक कर लिया जाएगा। इसके अलावा, 150 एच.पी. के दो नए मोटर पंप खरीदने की प्रक्रिया पूरी हो चुकी है, जो एक सप्ताह के भीतर प्लांट में आ जाएंगे। उन्होंने यह भी बताया कि 17 एम.एल.डी. प्लांट में हुए क्लोरीन रिसाव को दुरुस्त कर चालू कर दिया गया है। प्लांट में प्रतिदिन 6 से 7 टन फिटकिरी की खपत होती है और वर्तमान में 30 टन का स्टॉक उपलब्ध है, जिसे और बढ़ाया जा रहा है।

अधिकारियों व प्लांट संचालक को दिए सख्त निर्देश

महापौर मधुसूदन यादव ने कहा कि नए आने वाले 2 मोटर पंपों को तत्काल स्थापित किया जाए और अन्य पंपों की खरीदी हेतु निविदा प्रक्रिया शुरू की जाए। सभी आवश्यक रसायनों का पर्याप्त भंडारण रखा जाए और विभागीय अधिकारी रोजाना मॉनिटरिंग करें। निगम आयुक्त मरकाम ने कहा कि बारिश के मौसम में एलम और ब्लीचिंग पाउडर की खपत बढ़ जाती है। अतः इसका पर्याप्त स्टॉक रखा जाए। अतिरिक्त पंपों को दुरुस्त रखकर बैकअप तैयार रखा जाए। निरीक्षण के दौरान कार्यपालन अभियंता दीपक खांडे, प्रभारी सहायक अभियंता श्रीमती गरिमा वर्मा, उप अभियंता अनूप पांडे, प्लांट संचालक नितिन पाटिल सहित निगम व कंपनी के अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र घुमका में बिजली गुल होने से मरीज परेशान, महीनों से खराब पड़े हैं जनरेटर और सोलर इनवर्टर

घुमका (दावा)। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र घुमका में बिजली की लचर व्यवस्था के कारण मरीजों और उनके परिजनों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। अस्पताल में बैकअप के लिए रखा जनरेटर पिछले कई महीनों से खराब पड़ा है। वहीं सौर ऊर्जा इनवर्टर का भी कोई अता-पता नहीं है। पूछने पर पता चला कि इनवर्टर भी महीनों से बंद पड़ा हुआ है। बार-बार अखबारों में खबर प्रकाशित होने के बाद भी शासन-प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग इस ओर कोई ध्यान नहीं दे रहे हैं। हाल ही में बिजली गुल होने के बाद करीब 4 घंटे तक स्वास्थ्य केंद्र अंधेरे में डूबा रहा, जिससे मरीजों का इलाज ठप हो गया। स्थिति यह है कि हल्की सी बारिश या हवा चलते ही घुमका स्वास्थ्य केंद्र पूरी तरह भगवान भरोसे हो जाता है।

खबरों के बाद भी बेखबर स्वास्थ्य विभाग, 4-4 घंटे अंधेरे में बीत रहे, बीएमओ बोलीं- 8 लाख का है खर्च, ऊपर भेजेंगे प्रस्ताव

बजट बड़ा है, ऊपर भेजेंगे प्रस्ताव : बीएमओ

जब इस संबंध में बीएमओ डॉ. उषा बिंदराज से चर्चा की गई तो उनका कहना था कि इनवर्टर और पावर बैकअप व्यवस्था को दुरुस्त करने में लगभग 8 लाख रुपये का खर्च आएगा। जिसके लिए उच्च अधिकारियों को प्रस्ताव भेजा जाएगा।

नेता-अधिकारी आते हैं, देखकर चले जाते हैं : मरीज

अस्पताल में भर्ती पीड़ित मरीज प्रकाश कुमार बघेल (खैरझिटी), देव वर्मा (घुमका), पंचूराम (बाटगांव) और कीर्तन पटेल (मासूम) का कहना है कि बिजली बंद होने के कारण उनका इलाज समय पर नहीं हो पा रहा है। जनप्रतिनिधि और अधिकारी अस्पताल का दौरा तो करते हैं, लेकिन समस्या का कोई ठोस समाधान नहीं निकालते। मरीजों के परिजनों का कहना है कि बार-बार 'दैनिक दावा' में खबर छपने के बाद भी जिम्मेदार अधिकारी बेफिक्र हैं। समझ नहीं आ रहा कि इसकी शिकायत अब कहां की जाए।

स्थानीय जनप्रतिनिधि नदारद, व्यवस्था सुधारने की मांग

घुमका नगर पंचायत और आसपास के ग्रामीणों का कहना है कि अस्पताल में बिजली की तत्काल उचित व्यवस्था की जानी चाहिए। क्षेत्रवासियों ने आक्रोश जताते हुए कहा कि क्षेत्र में जनमुद्दों को प्रखरता से उठाने वाला कोई जनप्रतिनिधि नजर नहीं आ रहा है। जिससे स्वास्थ्य केंद्र की बदहाली का खामियाजा आम जनता को भुगतना पड़ रहा है।

खिली धूप का आनंद लें रहा गिरगिट

राजनांदगांव (दावा)। बारिश में अचानक ब्रेक लगने के बाद आसमान में धूप खिली हुई है। इससे उमस और गर्मी का माहौल बने होने से बचने बाहर तफरीह करने निकला है। रंग बदलने वाला गिरगिट बारिश के बाद तेज धूप निकलने व उमस जैसा माहौल बनने से विषैले जीव-जंतु भी अपने बिलों से बाहर निकल आते हैं। जिसके काटने का भय बना रहता है। इनसे बच कर रहना जरूरी है।

दशगात्र में जा रही मां-बेटी सड़क हादसे का हुई शिकार, दोनों की मौत

तेज रफ्तार ट्रेलर की टक्कर, पिता-पुत्र गंभीर, घटना कारित कर, फरार हुआ ट्रेलर

राजनांदगांव (दावा)। सोमनी थाना क्षेत्र के ग्राम देवादा में हुई सड़क हादसे में दशगात्र में जा रही मां-बेटी की मौत का शिकार हो गई। वहीं पिता -पुत्र बुरी तरह घायल हो गया। घटना सोमवार दोपहर साढ़े बारह बजे की बताई जाती है। सोमनी थाना प्रभारी एमन साहू से मिली जानकारी के अनुसार उतई थाना क्षेत्र के ग्राम माहका में रहने वाले वेद प्रकाश बंजारे अपने रिस्तेदार के घर दशगात्र कार्यक्रम में शामिल होने ग्राम धौराभाठा जा रहे थे। वेदप्रकाश के साथ बाइक में उनकी पत्नी राजकुमारी बंजारे 27 वर्ष, बेटी आराध्या बंजारे 6 वर्ष और बेटा गौरित बंजारे 4 वर्ष सवार थे। तीनों दोपहर करीब साढ़े 12 बजे देवादा के पास पहुंचे हुए थे। तभी पीछे से आ रही तेज रफ्तार ट्रैलर ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में सभी को गंभीर चोटें आई। घटना के बाद मौके पर उपस्थित लोगों द्वारा घायलों को तत्काल मेडिकल कॉलेज हास्पीटल पेंड्री पहुंचाया गया। जहां इलाज के दौरान राजकुमारी बंजारे व आराध्या बंजारे की मौत हो गई। इधर गंभीर रूप से घायल वेद प्रकाश और गौरित बंजारे को भिलाई रिफर किया गया।

निर्माणाधीन सड़क पर संकेत बोर्ड नहीं

बता दें कि सोमनी क्षेत्र की सड़क का इन दिनों मरम्मत का कार्य चल रहा है, लेकिन उक्त निर्माणाधीन सड़क में संकेत बोर्ड नहीं लगाया गया है। जिसके कारण हादसे हो रहे हैं। बीते दिनों भी इसी प्रकार के हादसे हुए हैं। जिसमें एक सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र की युवती की मौत हुई थी। इसी तरह एक-दो और भी घटनाएं हैं चुकी है। इधर मृतक के परिजनों ने निर्माणाधीन सड़क पर लापरवाही को हादसे की वजह बताई है। उनके आरोप है कि निर्माण वाले हिस्से में किसी तरह का संकेत तक नहीं लगाया गया है। जिससे वाहनों की आवाजाही मन माने ढंग से हो रही है। उस दिन भी वेदप्रकाश के बाइक को टक्कर मारने के बाद ट्रैलर चालक वाहन सहित मौके से फरार हो गया। सोमनी पुलिस उक्त घटना को लेकर आसपास के सीसीटीवी फुटेज को खंगाल रही है। थाना प्रभारी एमन साहू ने बताया कि जल्द आरोपी ट्रैलर चालक पुलिस के शिकंजे में आ जाएगा।

चाकू से जानलेवा वार करने वाले आरोपियों को पुलिस ने धर दबोचा

राजनांदगांव (दावा)। चौकी चिखली पुलिस ने अपने चौकी क्षेत्र में पीड़ित पर चाकू से जान लेवा वार करने वाले 4 आरोपियों को धर दबोचा है और उनके पास से घटना में प्रयुक्त धारदार 3 नग चाकू व मोटर सायकल जप्त की है। चौकी चिखली प्रभारी कैलाश चंद्र मरई ने बताया कि उक्त आरोपियो के विरूद्ध पूर्व मे कई अपराधिक मामले दर्ज हैं। उन्होंने बताया कि 4 अगस्त मंगलवार को प्रार्थी द्वारा रिपोर्ट दर्ज कराया कि आरोपी सुधीर नायडू, शेरा कश्यप, रोहित देवार एवं लक्ष्मण यादव द्वारा वाद विवाद कर एक राय होकर जान से मारने की नियत से हाथ मुक्का और चाकू से प्रार्थी के सिर, पीठ, कमर व कुल्हे मे वार कर गंभीर चोट पहुंचाया है। इस रिपोर्ट पर चौकी चिखली द्वारा धारा 296,109(1),3(5) बीएनएस, धारा 25,27 आर्म्स एक्ट का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। चौकी चिखली पुलिस द्वारा टीम तैयार कर तत्काल आरोपियो की पतासाजी शुरू की गई तथा इस खोजबीन में आरोपियो को बागतराई से घेराबंदी कर पकड़ लिया गया।

आरोपियों से धारदार चाकू व मोटर साइकिल जब्त

पुलिस द्वारा उन्हें अभिरक्षा मे लेकर पुछताछ करने पर आरोपियो द्वारा अपराध घटित करना स्वीकार करने पर उन्हें 5 अगस्त को उनके पास से घटना मे प्रयुक्त 3 नग चाकू एवं मोटर सायकल जप्त कर तथा उन्हें गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया। जहां से उन्हें जेल निरूद्ध कर दिया गया है। आरोपियो का नाम. सुधीर नायडू उर्फ अन्ना पिता गप्पू नायडू उम्र 20 वर्ष, निवासी दिनदयाल कालोनी अटल आवास ओपी चिखली और रोहित देवार पिता स्व. नसीब देवार उम्र 19 साल निवासी दिनदयाल कालोनी अटल आवास, लक्ष्मण यादव पिता अशोक यादव उम्र 19 साल, निवासी चिखली दिनदयाल कालोनी अटल आवास एवं शेरा कश्यप पिता पंचू कश्यप उम्र 30 साल, निवासी दिनदयाल कालोनी अटल आवास का है।

अभद्र व्यवहार के लिए जाने जाने लगे जिला अस्पताल के डॉक्टर : एक और डॉक्टर पर लगा अभद्र व्यवहार का ठप्पा

राजनांदगांव (दावा)। शहर के बसंतपुर स्थित जिला चिकित्सालय में जहां एक ओर आधुनिक चिकित्सा सुविधाओं और स्वच्छता को लेकर सारव बन रही है। वहीं दूसरी ओर कुछ डॉक्टरों द्वारा मरीजों व परिजनों से किए जा रहे दुर्व्यवहार के कारण अस्पताल की छवि धूमिल हो रही है।

अभी डॉ. विक्रम बैद द्वारा स्टाफ नर्स के साथ दुर्व्यवहार का मामला शांत भी नहीं हुआ था कि अब एक और डॉक्टर द्वारा दिव्यांग व्यक्ति से अभद्र व्यवहार करने का मामला सामने आया है।

सिविल सर्जन ने किया नोटिस जारी, जांच के लिए गठित की आंतरिक कमेटी

नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉक्टर पर आरोप, दिव्यांग के साथ किया दुर्व्यवहार

मिली जानकारी के अनुसार पीड़ित परमानंद बघेल 1 अगस्त को दिव्यांग प्रमाण पत्र बनवाने के लिए जिला अस्पताल के नेत्र विभाग पहुंचे थे। वहां 31 जुलाई 2026 की ओपीडी पर्ची होने के बावजूद नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. भारती प्रिया चौधरी द्वारा उसे स्वीकार नहीं किया गया। आरोप है कि डॉक्टर ने पीड़ित के पुराने प्रमाण पत्र पर संदेह व्यक्त करते हुए उसे दोबारा मेकाहारा अस्पताल, रायपुर जाकर जांच कराने की बात कही, जिससे पीड़ित दिव्यांग आहत व अपमानित महसूस करने लगा। पीड़ित ने इसकी लिखित शिकायत सिविल सर्जन सह अस्पताल अधीक्षक डॉ. महेंद्र प्रसाद से की।

कारण बताओ नोटिस जारी, आंतरिक जांच समिति गठित

शिकायत पर त्वरित कार्रवाई करते हुए सिविल सर्जन डॉ. महेंद्र प्रसाद ने संबंधित नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. भारती प्रिया चौधरी को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। साथ ही मामले की जांच के लिए दो डॉक्टरों की एक आंतरिक जांच कमेटी गठित की गई है। जांच समिति द्वारा रिपोर्ट सौंपे जाने के बाद इसे आगे की कार्रवाई हेतु मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी (सीएमएचओ) डॉ. नेतराम नवरत्न को भेजा जाएगा।

इस तरह बनता है दिव्यांग प्रमाण पत्र

सामान्य प्रक्रिया के तहत आवेदक का पंजीयन और आवश्यक दस्तावेजों का सत्यापन किया जाता है। तत्पश्चात संबंधित विशेषज्ञ चिकित्सक द्वारा चिकित्सीय परीक्षण कर दिव्यांगता का आकलन किया जाता है। विशेषज्ञों की अनुशंसा के आधार पर जिला मेडिकल बोर्ड दिव्यांगता का प्रतिशत निर्धारित करता है और पात्र पाए जाने पर छद्मुछ आधारित प्रमाण पत्र जारी किया जाता है। अस्पताल में नेत्र परीक्षण करने के बजाय सीधे रायपुर भेजने की बात कहे जाने से मामला गरमा गया है। अब देखना होगा कि गठित जांच समिति की रिपोर्ट के आधार पर शासन क्या कार्रवाई करता है।

धारदार चाकू से केक काटते नाबालिगों का वीडियो वायरल, नगर में मचा हड़कंप

डोंगरगांव (दावा)। सोशल मीडिया और रील बनाने की होड़ में युवक-युवतियों के साथ-साथ अब क्षेत्र के नाबालिग भी अनैतिक और गैरकानूनी गतिविधियों में शामिल हो रहे हैं। सार्वजनिक स्थलों पर धारदार हथियारों से केक काटकर जन्मदिन मनाने और उसका वीडियो सोशल मीडिया पर पोस्ट करने का चलन बढ़ रहा है। जिससे आमजनों में दहशत का माहौल निर्मित हो रहा है। हाल ही में डोंगरगांव नगर में सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहे एक वीडियो ने पुलिस और प्रशासन की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। वायरल वीडियो में कुछ नाबालिग बच्चे खुलेआम धारदार चाकू से केक काटते नजर आ रहे हैं।

वार्ड नंबर 9 का बताया जा रहा वीडियो

सूत्रों के अनुसार वीडियो में दिख रहे नाबालिग नगर के करियाटोला (वार्ड नंबर 9) के निवासी बताए जा रहे हैं। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि नाबालिगों के हाथों में इस तरह के हथियार होना बेहद चिंताजनक है। यह न केवल कानून का उल्लंघन है, बल्कि अन्य बच्चों पर भी इसका गलत प्रभाव पड़ रहा है। नगरवासियों ने प्रशासन से मांग की है कि ऐसे मामलों पर तत्काल संज्ञान लेकर सख्त कार्रवाई की जाए, ताकि भविष्य में इस तरह की गतिविधियों पर लगाम लग सके। साथ ही लोगों ने अभिभावकों से भी अपील की है कि वे अपने बच्चों की गतिविधियों पर नजर रखें और उन्हें गलत रास्ते पर जाने से रोकें।

मतदाता साक्षरता क्लब का किया जाएगा गठन

राजनांदगांव (दावा)। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी छत्तीसगढ़ के निर्देशानुसार मतदाताओं को मतदान प्रक्रिया से जोडने सशक्त एवं प्रभावी चुनावी भागीदारी की संस्कृति विकसित करने के उद्देश्य से सभी मतदान केन्द्रों, विद्यालयों, महाविद्यालयों, तकनीकी शिक्षण संस्थानों सहित अन्य सभी शैक्षणिक संस्थान तथा अन्य शासकीय व अशासकीय संस्थानों में मतदाता साक्षरता क्लब (ईएलसी) का गठन किया जाएगा। मतदाता साक्षरता क्लब अंतर्गत ईएलसी फ्यूचर वोटर्स में शिक्षक नोडल ऑफिसर होंगे एवं कक्षा 9वीं से 12वीं के विद्यार्थी सदस्य होंगे। ईएलसी न्यू वोटर्स में प्रोफेसर व सहायक प्रोफेसर नोडल ऑफिसर होंगे एवं महाविद्यालय स्तर में 18 से 21 वर्ष के विद्यार्थी सदस्य होंगे।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक व मुद्रक दीपक भाई बुद्धदेव द्वारा स्वस्तिक ऑफसेट एण्ड स्क्रीन प्रिंटर्स, बल्देव बाग रोड, राजनांदगांव से मुद्रित कर प्रकाशित। सम्पादक दीपक भाई बुद्धदेव।
* समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार। * किसी भी विवाद की स्थिति में न्यायिक क्षेत्र राजनांदगांव रहेगा। फोन नं. - 07744-406631, e-mail : dainikdawa_rjn@yahoo.com